मस्क ने हैरिस की आवाज की नकल वाला वीडियो साझा किया पेज-11

राहुल ने अग्निवीरों के मामले में गुमराह करने की कोशिश की : राजनाथ पेज-9

एक बात हमेशा याद रखें मक्खन लगाने वाले के हाथ में हमेशा चाकू होता है।
—डा सुमिता मिश्रा@sumitamisra

कम लागत पर वित्तीय उत्पादों तक पहुंच हुई आसान पेज-13

www.facebook.com\rashtriyasahara https://twitter.com/SaharaRashtriya www..rashtriyasahara.com

जाह्नवी कपूर की 'उलझ' का म्यूजिक एल्बम जारी पेज-14

राष्ट्रीय सहारा

राष्ट्रीयता ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण

■ नई दिल्ली ■ लखनऊ ■ गोरखपुर ■ पटना ■ कानपुर ■ देहरादून ■ वाराणसी से प्रकाशित

नई दिल्ली
मंगलवार ● 30 जुलाई ● 2024
14 पृष्ठ, मूल्य ₹ 4.00

सर्राफा | दिल्ली सोना (प्रति 10 ग्राम) ₹ 71,050 | चांदी (प्रति किलो) ₹ 84,500 | शेयर | सेंसेक्स 81,356 +23 | निफ्टी 24,836 +1 | विनिमय दर ₹/$ 83.73 00.0 | मौसम (दिल्ली) तापमान अधिकतम 36° | न्यूनतम 30°

कोचिंग हादसा : आक्रोश के बीच एक्शन

पांच और गिरफ्तार, जेई बर्खास्त, सड़कों पर बुलडोजर, अन्य कोचिंग सेंटरों पर भी गाज

■ मृतकों के परिजनों के लिए दस-दस लाख के मुआवजे का ऐलान

■ संसद से लेकर सड़क तक फैला आक्रोश नगर निगम में भी हंगामा

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली स्थित एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से सिविल सेवा की परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन अभ्यर्थियों की डूबने से हुई मौत की घटना के बाद संसद से लेकर ओल्ड राजेंद्र नगर की सड़कों तक पूरे शहर में आक्रोश नजर आया। दिल्ली नगर निगम की बैठक में भी जमकर हंगामा हुआ। उधर दिल्ली पुलिस ने इस मामले में पांच और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है जिन्हें बाद में अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। दिल्ली नगर निगम ने एक जूनियर इंजीनियर को बर्खास्त करने के साथ ही एक सहायक इंजीनियर को निलंबित कर दिया है। इस बीच बुलडोजरों के जरिए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। इतना ही नहीं मुखर्जीनगर इलाके में भी कोचिंग सेंटरों की सीलिंग की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उप राज्यपाल ने मृतकों के परिजनों को 10-10 लख रुपए मुआवजा देने का ऐलान किया है।

न्यायिक हिरासत में भेजे गए आरोपियों के नाम परविंदर सिंह, सर्वजीत सिंह, हरविंदर सिंह, तेजेंदर सिंह व मनोज कटारिया है। इस तरह इस मामले में पुलिस ने अब तक सात लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। सेंट्रल जिला के डीसीपी एम हर्षवर्धन ने बताया कि इस हादसे में पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है।

डीसीपी का कहना है कि दिल्ली पुलिस लगातार प्रदर्शन कर रहे छात्रों से शांति बनाए रखने के लिए अपील कर रही है। उन्होंने बताया कि इमारत की प्रत्येक मंजिल का मालिक अलग-अलग शख्स है। निगमायुक्त अश्विनी कुमार ने बताया कि सुरक्षा के लिए खतरा बने अवैध बेसमेंट पर भी कार्रवाई तेज कर दी गई है। हम तीन मोर्चों पर काम कर रहे हैं। बरसाती नालों पर किए गए अतिक्रमण के कारण नालों की सफाई करना आसान नहीं था इसलिए इसे हटाया जाना जरूरी है। अवैध बेसमेंट के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई है, जो सुरक्षा के लिए खतरा हैं। उन्होंने कहा कि रविवारशाम तीन बेसमेंट सील कर दिए गए थे। डेल्विन के शोकाकुल चाचा ने कहा कि उसके शव को अंतिम संस्कार के लिए उसके पैतृक स्थान त्रिवेंद्रम ले जाएंगे। अन्य दो छात्राओं श्रेया यादव और तान्या सोनी के शव रविवार को ही उनके परिजनों को सौंप दिए गए थे।

(संबंधित खबरें पेज-2)

गृह मंत्रालय ने जांच के लिए कमेटी गठित की

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कोचिंग हादसे की जांच के लिए एक कमेटी बनाई है। इस कमेटी में गृह मंत्रालय के एडिशनल सेक्रेट्री दिल्ली सरकार के प्रधान सचिव (गृह), दिल्ली के विशेष पुलिस कमिश्नर और संयुक्त सचिव तथा अग्निशमन सलाहकार शामिल हैं। यह कमेटी 30 दिन के भीतर अपनी रिपोर्ट देगी। कमेटी यह भी पता लगाएगी कि इस हादसे के लिए कौन जिम्मेदार है। इसके साथ ही ऐसी घटना रोकने के लिए जरूरी उपाय और नियमों में बदलाव के सुझाव भी देगी।

मध्य प्रदेश भी हरकत में आया

भोपाल/इंदौर (भाषा)। दिल्ली कोचिंग सेंटर हादसे के बाद सोमवार को मध्यप्रदेश सरकार ने नगर निकायों को 'बेसमेंट' में संचालित किए जा रहे कोचिग सेंटर के सर्वेक्षण और ऐसे परिसरों में सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सोमवार को राज्य सचिवालय में हुई समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अधिकारियों को ये निर्देश दिए।

(विवरण पेज-7)

दिल्ली सरकार जिम्मेदार : बांसुरी

लोकसभा में शून्यकाल में इस मुद्दे को उठाते हुए नई दिल्ली सीट से भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने छात्रों की मौत के मामले में दिल्ली सरकार को जिम्मेदार ठहराया। दिल्ली सरकार की आपराधिक लापरवाही के कारण इन बच्चों ने जान गंवा दी। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्रालय से इस मामले की जांच के लिए एक समिति बनाने का अनुरोध किया।

एनओसी रद्द करने की प्रक्रिया शुरू

दिल्ली दमकल विभाग ने ओल्ड राजेंद्र नगर में राव आईएएस स्टडी सर्किल की इमारत को दिया गया अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) रद्द करने की प्रक्रिया सोमवार को शुरू कर दी। दिल्ली दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि सभी मानक पूरे करने के बाद इमारत को अग्नि एनओसी जारी किया गया था, लेकिन बेसमेंट से पानी बाहर निकालने की कोई व्यवस्था नहीं थी। हमने अग्नि एनओसी रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

सीजेआई से कार्रवाई करने के लिए गुहार

सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे एक छात्र ने प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर कहा कि दिल्ली सरकार और एमसीडी की 'उदासीनता' के कारण हर साल जलभराव होने के कारण इन क्षेत्रों में रहने वाले छात्र 'नारकीय जीवन जी रहे है। छात्र ने तीन सहपाठियों की मौत के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का अनुरोध किया है।

...तो दिल्ली में दुखद हादसा नहीं होता

नई दिल्ली (एसएनबी)। राष्ट्रीय राजधानी में एक कोचिंग सेंटर में पानी भर जाने के कारण तीन विद्यार्थियों की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को कहा कि कोचिग केंद्र के नियमन के लिए केंद्र सरकार द्वारा भेजे गये परामर्शों का यदि पालन कर लिया गया होता तो इस प्रकार की दुखद घटना नहीं होती तथा ऐसी घटनाओं में दायित्वों को तय करना ही पड़ेगा। शिक्षा मंत्री ने यह बात राज्यसभा में प्राधिकारियों की कथित लापरवाही के कारण हाल ही में दिल्ली के एक कोचिंग संस्थान में छात्रःछात्रा की मृत्यु की दुखद घटना के विषय पर अल्पकालिक चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए कही। उन्होंने कहा कि इस घटना में लापरवाही हुई है तथा किसी न किसी को तो इसका दायित्व लेना ही पड़ेगा।

■ यह केंद्र के परामर्शों का पालन न करने का नतीजा है

राजधानी के ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके में शनिवार को भारी बारिश के बाद एक कोचिंग सेंटर के 'बेसमेंट' में पानी भर जाने से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन विद्यार्थियों की मौत हो गई। प्रधान ने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और कहा कि दिल्ली में इस तरह की घटना होने से पूरे देश को चिंता होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा समवर्ती सूची में आती है। उन्होंने कहा कि कोचिग केंद्रों को लेकर केंद्र सरकार समय समय पर राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को परामर्श भेजती है।

संक्षिप्त खबरें

नीट-यूजी के लिए काउंसलिंग 14 अगस्त से शुरू होगी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा स्नातक (नीट-यूजी) 2024 के लिए काउंसलिंग 14 अगस्त से शुरू होगी। सोमवार को जारी एमसीसी के नोटिस में यह जानकारी दी गई है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के सचिव डॉ. बी श्रीनिवास ने कहा कि काउंसलिंग की प्रक्रिया के लिए पंजीकरण अगस्त के पहले सप्ताह से शुरू होने की संभावना है। अभ्यर्थियों को काउंसलिंग के संबंध में ताजा जानकारी और नोटिस के लिए एमसीसी की वेबसाइट देखने की सलाह दी गई है। श्रीनिवास ने कहा, 'देश भर के लगभग 710 मेडिकल कॉलेजों में लगभग 1.10 लाख एमबीबीएस सीट के आवंटन के लिए काउंसलिंग होगी। इसके अतिरिक्त आयुष और नर्सिंग सीट के अलावा 21,000 बीडीएस सीट के लिए भी काउंसलिंग होगी।'

CBI ने केजरीवाल के खिलाफ अंतिम आरोप पत्र दाखिल किया

नई दिल्ली। सीबीआई ने कथित आबकारी नीति घोटाला मामले में जांच पूरी करते हुए अरविंद केजरीवाल और पांच अन्य के खिलाफ सोमवार को अपना अंतिम आरोप पत्र दाखिल किया। सीबीआई ने इससे पहले इस मामले में एक मुख्य आरोपपत्र और चार पूरक आरोपपत्र दाखिल किए थे, जिनमें दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, तेलंगाना की विधान पार्षद के. कविता और 15 अन्य को आरोपी बनाया गया था।

कोर्ट ने की पाटकर की सजा निलंबित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने नर्मदा बचाओ आंदोलन की नेता मेधा पाटकर को दी गई पांच महीने की साधारण कारावास की सजा सोमवार को निलंबित कर दिया। पाटकर को यह सजा दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना द्वारा 23 साल पहले उनके खिलाफ दायर मानहानि के मामले में दी गई थी। उस समय सक्सेना गुजरात के एक गैर सरकारी संगठन के प्रमुख थे। सक्सेना के अधिवक्ता गजिंदर कुमार ने बताया कि पाटकर की अपील पर मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट राघव शर्मा ने सजा निलंबित कर दी और दूसरे पक्ष (उपराज्यपाल) को नोटिस जारी किया।

'कमल व्यूह' में फंस गया है देश

■ राहुल ने कहा, इंडिया गठबंधन इस व्यूह को तोड़ेगा

■ बजट में युवाओं, किसानों तथा मध्य वर्ग को नजरअंदाज किया गया

नई दिल्ली (एसएनबी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को केंद्र सरकार पर हिंदुस्तान को अभिमन्यु की तरह चक्रव्यूह में फंसाने का आरोप लगाया और कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) इस चक्रव्यूह को तोड़ेगा।

उन्होंने लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि 'इंडिया' गठबंधन सत्ता में आने पर जाति आधारित जनगणना कराएगा और किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी भी देगा। नेता प्रतिपक्ष ने सत्तारूढ भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, 'हजारों साल पहले कुरुक्षेत्र में अभिमन्यु को चक्रव्यूह में छह लोगों ने फंसा कर मारा था...चक्रव्यूह का दूसरा नाम है-'पद्मव्यूह', जो कमल के फूल के आकार का होता है। इसके अंदर डर और हिंसा होती है।' आज भी चक्रव्यूह रचने वाले छह लोग है।' कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के अलावा चार और लोगों का नाम लिया, जिस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आपत्ति जताई। बिरला ने कहा, 'आप नेता प्रतिपक्ष है...आपकी पार्टी के उप नेता (गौरव गोगोई) ने लिखकर दिया है कि जो सदन का सदस्य नहीं है, उसका नाम नहीं लिया जाना चाहिए।' इसके बाद राहुल गांधी ने देश के प्रमुख उद्योगपतियों को 'ए 1' और 'ए 2' कहकर संबोधित किया।

सजा हुई रद्द, अफजाल अंसारी बने रहेंगे सांसद

प्रयागराज (एसएनबी)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने गाजीपुर की एक अदालत द्वारा गैंगस्टर कानून के एक मामले में सांसद अफजाल अंसारी की दोषसिद्धि और उन्हें सुनाई गई चार साल की सजा को सोमवार को रद्द कर दिया है। इस निर्णय के बाद अफजाल अंसारी की सांसदी पर खतरा समाप्त हो गया और वह सांसद बने रहेंगे।

वर्ष 2005 में भाजपा विधायक कृष्णानंद राय की हत्या के बाद अफजाल पर यह मामला दर्ज किया गया था। अदालत ने इसी मामले में अफजाल की सजा बढ़ाने की उत्तर प्रदेश सरकार और कृष्णानंद राय के बेटे पीयूष कुमार राय की अपील भी खारिज कर दी है।

आरक्षण बढ़ाने पर रोक के आदेश पर सुप्रीम मुहर

■ पटना हाईकोर्ट ने आरक्षण 65 फीसदी करने के कानून पर रोक लगा दी थी

नई दिल्ली (भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने पटना उच्च न्यायालय के उस फैसले पर रोक लगाने से सोमवार को इनकार कर दिया, जिसके तहत बिहार में दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण 50 फीसदी से बढ़ाकर 65 फीसदी करने वाले संशोधित आरक्षण कानूनों को रद्द कर दिया गया था। हालांकि, प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ पटना उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ बिहार सरकार की ओर से दायर 10 याचिकाओं पर सुनवाई करने के लिए सहमत हो गई।

शीर्ष अदालत ने याचिकाओं पर नोटिस भी जारी नहीं किया। उसने याचिकाओं को सुनवाई के लिए स्वीकार करते हुए कहा कि इन्हें सितंबर में सुनवाई के लिये सूचीबद्ध किया जाएगा। राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने पीठ से उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने का आग्रह किया। दीवान ने छत्तीसगढ के ऐसे ही एक मामले का जिक्र किया और कहा कि शीर्ष अदालत ने उस मामले में उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी थी। इसके अलावा, दीवान ने उन प्रतिवादियों को नोटिस जारी करने का भी अनुरोध किया, जिन्होंने आरक्षण सीमा बढ़ाने के खिलाफ उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। इस पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा, 'हम मामले को सूचीबद्ध करेंगे, लेकिन हम (उच्च न्यायालय के फैसले पर) कोई रोक नहीं लगाएंगे।... वर्तमान चरण में कोई अंतरिम राहत नहीं दी जाएगी।' पीठ ने याचिकाओं पर नोटिस भी जारी नहीं किए।

अंदर के पन्नों पर

सुप्रीम कोर्ट की सात पीठें दो बजे लोक अदालत लगाएंगी ■ पेज-09

रूस : वोल्गोग्राड में ट्रेन पटरी से उतरी, 100 से ज्यादा घायल ■ पेज-11

संपादकीय
08 बदलते आयाम और स्वरूप

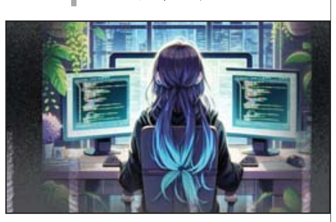

मार्केट
13 कॉनकॉर के निजीकरण का प्रस्ताव ठंडे बस्ते में

मुट्ठी में दुनिया
14 नेज़ल स्प्रे अल्जाइमर प्रोटीन को हटा सकता है

पार्श्वनाथ बिल्डर को सुप्रीम आदेश

ब्याज के साथ लौटाना होगा खरीदारों को पैसा

Parsvnath

■ शीर्ष कोर्ट ने उपभोक्ता आयोग के फैसले को रखा बरकरार

नई दिल्ली (भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) के उस आदेश को सोमवार को बरकरार रखा जिसमें एक बिल्डर पार्श्वनाथ डेवलपर्स लिमिटेड को फ्लैट का कब्जा देने में देरी के लिए घर खरीदारों द्वारा भुगतान की गई पूरी राशि उन्हें वापस करने का निर्देश दिया गया था। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने एनसीडीआरसी द्वारा निर्धारित ब्याज दर को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत कर दिया और कहा कि घर खरीदारों को बिना किसी गलती के लंबे समय तक परेशान होना पड़ा। पीठ ने कहा, 'हमारे विचार में, आयोग को समझौते के खंड 7(बी) के मद्देनजर कम से कम 12 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज देना चाहिए था। परिणामस्वरूप, अपील आंशिक रूप से स्वीकार की जाती है। शिकायतकर्ताओं-अपीलकर्ताओं द्वारा जमा की गई पूरी राशि वापस करने के लिए आयोग द्वारा दिए गए निर्देश को बरकरार रखा जाता है।' पीठ ने कहा कि हालांकि, ब्याज के संबंध में निर्देश को इस सीमा तक संशोधित किया गया है कि ब्याज संबंधित जमा की तारीख से लेकर धन वापसी की तारीख तक 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से भुगतान किया जाएगा।

न्यायालय ने कहा कि उपरोक्त के अनुसार बकाया राशि इस निर्णय की तिथि से तीन महीने की अवधि के भीतर चुकाई जाए। पीठ ने कहा, 'हमारा मानना है कि आयोग ने प्रतिवादी-डेवलपर को शिकायतकर्ताओं-अपीलकर्ताओं द्वारा जमा की गई पूरी राशि वापस करने का निर्देश देकर सही किया है। हालांकि, हमारा मानना है कि जहां तक नौ प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज देने का सवाल है, आयोग द्वारा मामले के तथ्यों के आधार पर समझौते में तय ब्याज से भी कम ब्याज देना न्यायसंगत नहीं था।' उसने कहा कि मामले के तथ्यों से पता चलता है कि परियोजना में अत्यधिक देरी हुई और घर खरीदारों को बिना किसी गलती के लंबे समय तक परेशान होना पड़ा। उसने कहा, 'पूरी राशि का भुगतान करने के बावजूद, उन्हें निर्धारित समय के भीतर कब्जे से वंचित रखा गया।'

यूपी में 'लव जिहाद' पर अब ताउम्र जेल

■ सरकार ने पेश किये आठ विधेयक, 14 अध्यादेश भी सदन पटल पर रखे गये

■ अब नजूल की भूमि पर सरकार को होंगे ज्यादा अधिकार, पुराने विवाद भी होंगे खत्म

लखनऊ (एसएनबी)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने सोमवार को विधानसभा के मानसून सत्र के पहले ही दिन उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) विधेयक 2024 सहित आठ विधेयकों को पेश किया। इसमें लव जिहाद पर अब आजीवन सजा का प्रावधान किया गया है। यूपी में यह विधेयक योगी वन में लाया गया था, लेकिन बीते दिनों प्रदेश के बरेली सहित कई जगहों पर धर्म परिवर्तन को लेकर मामले संज्ञान में आने के बाद सरकार ने विधेयक में कड़े प्रावधान किये हैं।

प्रदेश के संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने मुख्यमंत्री की ओर से इस विधेयक को सदन पटल पर रखा। इसमें अपराधों में सजाएं दोगुनी करने का प्रस्ताव किया गया है। यूपी में 'लव जिहाद' जैसे अपराधों पर योगी सरकार ने और कड़ी सजा करने का फैसला किया है। इसमें अब आजीवन कारावास तक की सजा दिए जाने का प्रस्ताव किया गया है। लव जिहाद के तहत नए अपराध भी शामिल किए गए जिसमें ताउम्र जेल का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक 2024, उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (तृतीय संशोधन) विधेयक 2024, उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (चतुर्थ संशोधन) विधेयक 2024, उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक 2024, उत्तर प्रदेश नजूल सम्पत्ति (लोक प्रयोजनार्थ प्रबंध एवं उपयोग) विधेयक 2024, उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) विधेयक 2024 तथा उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्र और अन्य क्षेत्र विकास प्राधिकरण विधेयक 2024 को सदन में रखा गया। इन विधेयकों को इसी सत्र में पारित कराया जाएगा।

अनुशासन में रहें कांवड़िए : योगी

लखनऊ (एसएनबी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि कोई भी पर्व या साधना बिना आत्म अनुशासन के पूरे नहीं हो सकते और इस अनुशासन से ही कांवड़ यात्रा न सिर्फ श्रद्धा और विश्वास का बल्कि आमजन के व्यापक विश्वास का प्रतीक बनकर उभरेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'कोई भी पर्व व त्योहार और साधना बिना आत्मानुशासन के पूरे नहीं होते। सुगम और सुरक्षित यात्रा के लिए हमें न केवल अंतःकरण बल्कि बाहरी रूप से भी इस प्रक्रिया के साथ लीन होना पड़ेगा। शिवो भूत्वा शिवं यजेत (शिव बनने के लिए शिव जैसी साधना भी चाहिए)।'

भारत-चीन सीमा विवाद में तीसरे पक्ष की जरूरत नहीं

■ क्वाड समूह के विदेश मंत्रियों की बैठक में एस जयशंकर की खरी-खरी

टोक्यो (भाषा)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत-चीन सीमा विवाद में किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से इनकार करते हुए सोमवार को कहा कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच के इस मुद्दे का समाधान उन्हीं दोनों को निकालना है। जयशंकर ने टोक्यो में सवालों के जवाब में कहा, भारत और चीन के बीच वास्तविक मुद्दे को सुलझाने के लिए हम अन्य देशों की ओर नहीं देख रहे है।

क्वाड समूह के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए यहां आए जयशंकर ने यह भी कहा कि चीन के साथ भारत के संबंध अच्छे नहीं है। उन्होंने कहा, हमारे बीच एक समस्या है, या मैं कहना चाहूंगा कि भारत और चीन के बीच एक मुद्दा है...मुझे लगता है कि हम दोनों को इस पर बात करनी चाहिए और समाधान निकालना चाहिए। विदेश मंत्री ने इस महीने चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ दो बार हुई अपनी बैठक को याद करते हुए कहा, जाहिर है, दुनिया के अन्य देशों की भी इस मामले में रुचि होगी, क्योंकि हम दो बड़े देश है और हमारे संबंधों की स्थिति का बाकी दुनिया पर प्रभाव पड़ता है। लेकिन हम अपने बीच के वास्तविक मुद्दे को सुलझाने के लिए अन्य देशों की ओर नहीं देख रहे है। जयशंकर और वांग की पिछले सप्ताह लाओस की राजधानी में मुलाकात हुई थी, जहां उन्होंने दक्षिण पूर्व एशियाई संगठन (आसियान) की बैठकों में भाग लिया था। बैठक के दौरान, उन्होंने मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के बाद सैनिकों को पीछे हटाने की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए मजबूत मार्गदर्शन देने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की थी। चार जुलाई को जयशंकर और वांग ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन के दौरान कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना में मुलाकात की थी।

किसी भी देश को दूसरे देश पर हावी नहीं होना चाहिए : 'क्वाड'

टोक्यो (भाषा)। क्वाड समूह के सदस्य देशों ने चीन को स्पष्ट संदेश देते हुए स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत को लेकर अपनी दृढ प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की तथा एक ऐसा क्षेत्र बनाने की दिशा में काम करने का संकल्प लिया, जहां कोई भी देश दूसरे देश पर हावी न हो और प्रत्येक राष्ट्र हर प्रकार के दबाव से मुक्त हो। यहां हुई बैठक में 'क्वाड' देशों के विदेश मंत्रियों ने स्वतंत्र एवं नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखने और राष्ट्रों की स्वतंत्रता, मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक मूल्यों, संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांतों का सम्मान करने का भी आह्वान किया।

(विवरण पेज 11)

भारत के औद्योगिक विकास के प्रणेता भारत रत्न जेआरडी टाटा जी की जयंती पर उन्हें सादर नमन।

—— नितिन गडकरी, केंद्रीय मंत्री

राहुल गांधी में संविधान के नियमों का पालन करने का कोई इरादा नजर नहीं आता।

—— अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री

संक्षिप्त खबरें

पूर्व मेयर ने निगमायुक्त को लिखा पत्र

नई दिल्ली। ओल्ड राजेन्द्र नगर के एक कोचिंग सेंटर की बेसमेंट में डूबने से हुई तीन अभ्यर्थियों की मौत की घटना पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए पूर्व मेयर प्रीति अग्रवाल ने निगमायुक्त को पत्र लिखकर इस मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की है। प्रीति अग्रवाल ने पत्र में निगमायुक्त से आग्रह किया है कि वे बेसमेंट में चल रही सभी गतिविधियों की जांच करें, नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा मानकों को लागू करने के लिए कदम उठाएं। उन्होंने आयुक्त से यह भी आग्रह किया है कि वे जिम और फिटनेस सेंटरों के लाइसेंस की जांच करें और सुनिश्चित करें कि वे सुरक्षा मानकों का पालन कर रहे हैं। उम्मीद है कि आयुक्त इस मामले में तत्काल ध्यान देंगे और आवश्यक कार्रवाई करेंगे, ताकि भविष्य में ऐसी दुखद घटनाएं न हों।

एमसीडी अफसरों से पूछताछ कर सकती है पुलिस

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस नालों की गाद निकालने और राव आईएएस स्टडी सर्किल को अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी करने के बारे में एमसीडी अधिकारियों से पूछताछ कर सकती है। इसी कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन छात्रों की मौत हो गई थी। पुलिस इन मुद्दों को लेकर एमसीडी को पत्र लिखने जा रही है और जांच के दौरान आवश्यकता पड़ी तो संबंधित अधिकारियों को पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है। आरोप है कि जल निकासी का इंतजाम न होने के कारण बेसमेंट में जलभराव हो गया। पुलिस एमसीडी से अधिभोग प्रमाणपत्र भी मांगेगी, जिसमें बेसमेंट के मालिक ने कथित तौर पर कहा था कि इस जगह का इस्तेमाल पार्किंग और सामान के भंडारण के लिए किया जाएगा। हालांकि घटना के दो आरोपियों को रविवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ भेज दिया गया।

ओल्ड राजेंद्रनगर स्थित कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में तीन छात्रों की मौत की घटना के विरोध में सोमवार को प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मिलने पहुंचे उपराज्यपाल वीके सक्सेना (बाएं) व दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के नेतृत्व में 'आप' दफ्तर पर प्रदर्शन करते पार्टी कार्यकर्ता। *फोटो : अनिल सिन्हा*

कोचिंग सेंटर में घटना के लिए आप जिम्मेदार : सचदेवा

- भाजपा के निशाने पर आए मुख्य फायर अधिकारी
- पुलिस हिरासत में प्रदेश अध्यक्ष, थाने ले जाकर छोड़ा

नई दिल्ली (एसएनबी)। पुराना राजेन्द्र नगर कोचिंग सेंटर हादसे के विरोध में सोमवार को प्रदेश भाजपा ने 'आप' के कार्यालय के पास प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी काफी गुस्से में दिख रहे थे और वह आप कार्यालय में घुसकर आप नेताओं से जवाब चाहते थे। कार्यालय के बाहर पुलिस ने भारी बैरिकेडिंग कर रखी थी। पुलिस ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा समेत सभी को हिरासत में ले लिया और थाने ले गयी। थाने ले जाकर चेतावनी देकर छोड़ दिया।

महामंत्री विष्णु मित्तल के संचालन में आयोजित प्रदर्शन को संबोधित करते हुए सचदेवा ने केजरीवाल सरकार पर निशाना साधते इस घटना के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने अग्निशमन विभाग के मुख्य अधिकारी अतुल गर्ग का नाम लेते हुए सवाल किया कि उन्होंने 9 जुलाई को इस कोचिंग सेंटर को एनओसी कैसे दे दी। उन्होंने आरोप लगाया है कि यह पूरी तरह से भ्रष्टाचार का मामला है। अग्निशमन शमन विभाग के मुख्य अधिकारी 9 साल से दिल्ली में जमे हुए है। प्रदर्शनकारियो को सांसद योगेंद्र चंदोलिया, विधायक मोहन सिंह बिष्ट, अजय महावर, विजेन्द्र गुप्ता, अनिल वाजपेयी, आदेश गुप्ता, राजकुमार आनंद, योगिता सिंह, प्रवीण शंकर कपूर, सुमित भसीन, राजकुमार भाटिया, हरीश खुराना, विनोद सहरावत, सागर त्यागी, ?चा पांडेय, अनिस अब्बासी, मोहनलाल गिहारा ने भी संबोधित किया।

योगेन्द्र चंदोलिया ने आरोप लगाया है कि दिल्ली में भ्रष्टाचार का एक पूरा तंत्र हावी है। हमारी मांग है कि इस घटना के लिए दिल्ली सरकार को जिम्मेदार मानते हुए बर्खास्त किया जाए और निगम को भंग किया जाए। मेयर के बयान पर पलटवार करते हुए कहा यह एक प्राकृतिक त्रासदी थी, लेकिन उन्हें दिल्लीवालों को बताने में शर्म क्यों आ रही है।

एलजी ने की प्रत्येक पीड़ित के परिजन को 10 लाख मुआवजा देने की घोषणा

नई दिल्ली (एसएनबी)। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे उन तीन अभ्यर्थियों के परिवारों को 10-10 लाख रुपए का मुआवजा देने की सोमवार को घोषणा की, जिनकी यहां ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित एक कोचिंग सेंटर के 'बेसमेंट' में पानी भर जाने से मौत हो गई थी।

राज निवास से जारी बयान के अनुसार उपराज्यपाल ने इस दुखद घटना को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मुलाकात की और दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस), पुलिस और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ 24 घंटे के भीतर कार्रवाई का आश्वासन भी दिया।

बयान में कहा गया है कि प्रत्येक पीड़ित के परिजन को 10-10 लाख रुपए का मुआवजा देने की घोषणा की गई है। बयान में कहा गया है कि इस साल की शुरुआत में मुखर्जी नगर में एक कोचिंग सेंटर में आग लगने की घटना में दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के तहत गठित एमसीडी और डीएफएस का एक संयुक्त कार्य बल राजेंद्र नगर क्षेत्र की सभी इमारतों का सर्वेक्षण भी करेगा।

घटना की निष्पक्ष जांच हो और पीड़ित परिवारों को मिले मुआवजा

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली।

- कोचिंग सेंटर हादसे को लेकर हाईकोर्ट में याचिका

राजेंद्र नगर के एक कोचिंग सेंटर में जलभराव के कारण यूपीएससी की तैयारी कर रहे तीन छात्रों की मौत को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। याचिका में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को भविष्य में इसी तरह की घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता का उद्देश्य अदालत के हस्तक्षेप से जलभराव से संबंधित मुद्दों को देखने एवं उन्हें कम करना तथा सुरक्षा स्थितियों में सुधार किया जाना है।

इसको लेकर एक गैर सरकारी संगठन हिंदू राष्ट्रीय प्रवासी मंच ने याचिका दाखिल की है। उसने कोर्ट से एमसीडी, राव आईएएस स्टडी सेंटर और दिल्ली सरकार की जिम्मेदारी का पता लगाने के लिए इस घटना की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है। साथ ही पीड़ितों के परिवारों व घायलों को मुआवजा देने का निर्देश देने की भी मांग की है। याचिकाकर्ता ने कहा है कि सभी शैक्षणिक संस्थानों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के लिए सुरक्षा नियमों और आवश्यक लाइसेंसों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए एमसीडी और दिल्ली सरकार से नियमित निरीक्षण करने को अनिवार्य करने को कहा जाए। साथ ही इस तरह की घोर लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए।

याचिकाकर्ता ने कहा है कि एमसीडी की ओर से जल निकासी की व्यवस्था न करने एवं सुरक्षा उपाय सुनिश्चित न करने की लापरवाही स्पष्ट परिलक्षित होती है। उसने राव आईएएस स्टडी सेंटर के बेसमेंट में अवैध संचालन और सुरक्षा उपायों की कमी की ओर भी इशारा किया है। याचिका में आगे कहा गया कि शहर के शैक्षिक कोचिंग केंद्रों की अक्सर सुरक्षा मानदंडों का उल्लंघन करने और छात्रों की जान जोखिम में डालने के लिए आलोचना की जाती रही है। मुखर्जी नगर और राजेंद्र नगर जैसे केंद्रों में ऐसे कई प्रतिष्ठान हैं, जहां छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कथित तौर पर कोई सावधानी नहीं बरती जाती है।

याचिकाकर्ता ने पिछले साल मुखर्जी नगर के एक कोचिंग सेंटर का हवाला देते हुए कहा कि उसमें भीषण आग लग गई थी, जिससे घबराए छात्रों को आग से बचने के लिए खिड़कियों से बाहर कूदना पड़ा था। कई छात्रों ने अपनी जान बचाने के अंतिम प्रयास के रूप में रस्सियों का उपयोग करके इमारत से नीचे उतरने का भी सहारा लिया था। हाईकोर्ट ने मई में एमसीडी व दिल्ली विकास प्राधिकरण को आदेश दिया कि वे निर्धारित अग्नि सुरक्षा मानदंडों के उल्लंघन में संचालित होने वाले किसी भी कोचिंग सेंटर को तुरंत बंद कर दें।

प्रदर्शन के चलते बढ़ाई गई सुरक्षा

नई दिल्ली (एसएनबी)। सेंट्रल दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर में एक कोचिग संस्थान के बेसमेंट में पानी भर जाने के कारण तीन छात्रों की मौत को लेकर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के प्रदर्शन के बीच इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

- चप्पे चप्पे दिल्ली पुलिस के जवान तैनात

प्रदर्शनकारी कोचिग संस्थान के समीप सड़क पर बैठकर मृतकों के परिवारों के लिए न्याय तथा मुआवजे की मांग कर रहे हैं। वे जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी मांग कर रहे है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया हमने इलाके में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अर्द्धसैन्य बलों और पुलिस को तैनात किया है।

हादसे को लेकर छात्रों में गुस्सा

नई दिल्ली (एसएनबी)। ओल्ड राजेन्द्र नगर के एक कोचिंग सेंटर में सिविल सेवा की तैयारी करने वाले तीन छात्रों की मौत से छात्रों में रोष है। छात्रों ने सरकार से जवाबदेही की मांग की है। छात्रा रागिनी का कहना है कि क्षेत्र में अवैध रूप से कोचिंग सेंटर चल रहे हैं। इतना ही नहीं 90 प्रतिशत लाइब्रेरी बेसमेंट में चल रही हैं। छात्र जान जोखिम में डालकर इनमें पढ़ रहे हैं।

कोचिंग माफिया के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। छात्र राम यादव का कहना है कि अभी हाल ही में इसी क्षेत्र में आईएएस की तैयारी कर रहे छात्र की करंट लगने से मौत हो गई थी। इस घटना के बाद भी प्रशासन ने कोई सबक नहीं लिया। छात्र अंशू का कहना है कि हमें न्याय चाहिए। अवैध रूप से चल रहे कोचिंग सेंटरों के खिलाफ एमसीडी व दिल्ली सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए। छात्र तुषार का कहना है कि कोचिंग सेंटरों में सिक्योरिटी का अभाव रहता है। संचालकों का पूरा ध्यान छात्रों से मोटी रकम वसूलने पर होता है। छात्र डा. विक्रम चौरसिया व दिनकर कुमार का कहना है कि इन कोचिंग सेंटरों में सुरक्षा के नाम पर कुछ भी नहीं है। छात्र रिक्की कुमार व छात्रा अंकिता का कहना है कि 90 प्रतिशत लाइब्रेरी अवैध रूप से चल रही हैं, लेकिन प्रशासन इनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करता। छात्रा कुसुम कुमारी का कहना है कि छात्रों की मौत के लिए शासन और प्रशासन जिम्मेदार है।

एक्शन में एमसीडी, बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन

नई दिल्ली (एसएनबी)। सोमवार को भवन उपनियमों (बिल्डिंग बायलॉज) का उल्लंघन करने वाली संपत्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए एमसीडी ने करोल बाग जोन के ओल्ड राजेंद्र नगर में कोचिंग सेंटर के बेसमेंट समेत 5 संपत्तियों और सिविल लाइन जोन में एक संपत्ति को सील कर दिया। मुखर्जी नगर में भी सीलिंग अभियान शुरू कर दिया गया है।

- ओल्ड राजेंद्र नगर में कोचिंग सेंटर के बेसबेंट समेत 5 संपत्तियों और सिविल लाइन जोन में एक प्रोपर्टी सील

निगम ने करोल बाग जोन के ओल्ड राजेंद्र नगर में कोचिंग सेंटर के बाहर अवैध अतिक्रमण को भी हटाया और प्लेटफॉर्म व रैम्प को ध्वस्त कर दिया। कोचिंग सेंटरों और सड़क के किनारे की अन्य इमारतों ने अपने भवनों का विस्तार करके प्लेटफार्म और रैम्प बना लिए हैं, जिससे उन्होंने नालों (स्टॉर्मवाटर ड्रेन) पर अतिक्रमण कर लिया जाता है और उन्हें ढंक दिया जाता है, जिससे पानी की निकासी और नालों की सफाई कठिन हो जाती है। जल निकासी की समस्या को दूर करने के लिए निगम नालों पर अवैध अतिक्रमण हटा रहा है।

एमसीडी ने जोनों में भी कोचिंग सेंटर और संपत्ति मालिकों को संपत्ति के दुरुपयोग और बिल्डिंग बायलॉज के उल्लंघन के लिए नोटिस भी जारी किए हैं। दक्षिणी जोन में भवन उपनियमों का उल्लंघन करने पर 60 पुस्तकालयों और 8 कोचिंग संस्थानों को नोटिस जारी किए गए हैं। इसके अलावा, निगम सभी जोन में बेसमेंट में नियमों का उल्लंघन करने वाले कोचिंग सेंटर और अन्य संपत्तियों की पहचान करने के लिए सर्वे भी कर रहा है। ये कार्रवाई सुरक्षा नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने और भविष्य में होने वाली घटनाओं को रोकने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। बेसमेंट, जिन्हें मूल रूप से पार्किंग और भंडारण के लिए निर्धारित किया जाता है, उसका दुरुपयोग लाइब्रेरी, स्टडी रूम और अन्य अवैध गतिविधियों के रूप में किया जा रहा है जो सुरक्षा मानकों से समझौता है।

कब तक सील रहेंगे कोचिंग सेंटर, जब ऊंची हो पहुंच

■ ज्ञानप्रकाश/तेजपाल शर्मा

नई दिल्ली। एसएनबी

कोचिंग हादसे के बाद 13 अवैध कोचिंग सेंटर्स सील कर दिए गए हैं। जिन कोचिंग सेंटर्स को सील किया गया है, उनमें आईएएस गुरुकुल, चहल अकादमी, प्लूट्स अकादमी, साई ट्रेडिंग, आईएएस सेतु, टॉपर अकादमी, दैनिक संवाद, सिविल डेली आईएएस, करियर पावर, 99 नोट्स, विद्या गुरु , गाइडेंस आईएएस और ईजी फॉर आईएएस के नाम शामिल हैं। बताया गया कि इन कोचिंग सेंटर्स के मालिकों की ऊंची पहुंच है। ऐसे में यह सेंटर कब तक सील रहेंगे, कुछ कहा नहीं जा सकता।

राव आईएएस स्टडी सर्कल को दिल्ली नगर निगम ने अगस्त 2021 में नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) दिया था। इसमें बेसमेंट का इस्तेमाल सिर्फ पार्किंग और घरेलू स्टोरेज के लिए किया जाना था। कोचिंग सेंटर को बीते महीने ही फायर डिपार्टमेंट से भी एनओसी मिली थी, जिसमें ये साफ लिखा है कि बिल्डिंग फायर सेफ्टी का पालन करती है और बेसमेंट का इस्तेमाल सिर्फ बिल्डिंग के नियमों के अनुसार ही होना चाहिए। बावजूद नियमों की अनदेखी की गई।

सात घंटे की मशक्कत के बाद बची जान : रोहित, मोहित, नरेश ऐसे छात्र हैं, जिन्होंने हिम्मत नहीं हारी। धैर्य का परिचय दिया। अधिकारी ने कहा कि इन छात्रों ने दूसरे शरीर से कमजोर छात्रों, छोटे कद वाले बच्चों को पुल कर बाहर निकालने में मदद की। इस प्रक्रिया में वे सात घंटे तक जूझते रहे। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के अधिकारी ने कहा कि विषम परिस्थितियों में भी कुछ छात्रों की साहस से ज्यादा कैजुअल्टी के अंदेशा को कम किया गया।

- संचालन में खूब हुई मनमानी, भवन नियमावली को रखा ठेंगे पर

क्या कहते हैं बिल्डिंग के नियम : एमसीडी के प्रवक्ता अमित कुमार के अनुसार बिल्डिंग के नियम ये कहते हैं कि ड्रेनेज का पानी किसी भी तरह बेसमेंट में नहीं आना चाहिए। अगर बेसमेंट का इस्तेमाल ऑफिस या कमर्शियल काम में किया जाता है, तब पर्याप्त एंट्री व एग्जिट के रास्ते होना जरूरी है। राजेन्द्र नगर के राव आईएएस स्टडी सर्किल में इस नियम का उल्लंघन साफ दिखता है और एंट्री व एग्जिट का सिर्फ एक ही रास्ता है।

हाईकोर्ट को पत्र लिखकर सभी संस्थानों व पुस्तकालयों की सुरक्षा ऑडिट की मांग

नई दिल्ली (एसएनबी)। एक वकील ने राजेंद्र नगर के कोचिंग सेंटर में तीन छात्रों की हुई मौत को देखते हुए हाईकोर्ट को पत्र लिखकर राजधानी के सभी संस्थानों और पुस्तकालयों की सुरक्षा ऑडिट का आदेश देने का अनुरोध किया है। अधिवक्ता सत्यम सिंह ने कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश को लिखे पत्र में कहा कि यह घटना शैक्षणिक संस्थानों में लापरवाही का बड़े पैटर्न का हिस्सा है। पत्र में कहा गया है कि नियमों का उल्लंघन कर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के क्षेत्र में अनगिनत कोचिंग सेंटर चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं बार-बार होना छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में व्यवस्थागत विफलता की ओर इशारा करती है। यह शिक्षा का मौलिक अधिकार के तहत जीवन के अधिकार की कीमत पर नहीं होना चाहिए। युवाओं की जान जाने से रोकने और कानून के शासन को बनाए रखने के लिए त्वरित व निर्णायक न्यायिक हस्तक्षेप की जरूरत है। इस दशा में वकील ने कोर्ट से अनुरोध किया है कि इस मामले को अत्यंत सार्वजनिक महत्व का मामला मानकर संज्ञान लिया जाए और छात्रों के भविष्य की रक्षा के लिए उचित कानूनी कार्रवाई शुरू किया जाए।

- घटना शैक्षणिक संस्थानों में लापरवाही का बड़े पैटर्न का है हिस्सा
- नियमों का उल्लंघन कर अनगिनत कोचिंग सेंटर चलाए जा रहे हैं

महज 30 सेकेंड में स्थगित हो गई निगम सदन की कार्यवाही

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडीसी) के सदन में ओल्ड राजेन्द्र नगर के एक कोचिंग सेंटर में तीन अभ्यर्थियों की मौत के विरोध में विपक्षी सदस्यों ने सदन में जमकर नारेबाजी की। हंगामा कर रहे विपक्षी सदस्य मामले में मेयर डॉ. शैली ओबेरॉय और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग करते हुए मेयर के आसन के समक्ष आ गए।

इस दौरान भाजपा और कांग्रेस के पार्षदों ने दिल्ली नगर निगम के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और सदन में ही पोस्टर हवा में लहराए। हंगामे के बीच ही मेयर ने सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले स्थगित करके चली गईं। मेयर तय समय से लगभग 12 मिनट विलंब से सदन में पहुंचीं। सदस्यों को उम्मीद थी कि सोमवार को सदन कार्यवाही होगी, लेकिन ऐसा हो न सका। मेयर महज लगभग 30 सेकेंड के अंदर ही सदन की कार्यवाही स्थगित की जाती है, की बात कहते हुए सदन से बाहर चली गईं। उनके जाते ही विपक्षी सदस्यों का गुस्सा फूट पड़ा। भाजपा और कांग्रेस के सदस्यों ने मेयर के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान कोचिंग सेंटर में अभ्यर्थियों की मौत की जांच करने की मांग की।

विलंब से पहुंची मेयर : दरअसल, सोमवार को सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे शुरू होनी थी, लेकिन मेयर डॉ. शैली ओबेरॉय लगभग 12 मिनट विलंब से पहुंची। आसन पर बैठते ही मेयर सदन की कार्यवाही स्थगित की जाती है, कहकर सदन से बाहर चली गईं। यह सब कुछ महज लगभग 30 सेकेंड के अंदर मेयर ने सदन की कार्यवाही स्थगित होने की बात कही। मेयर के यह कहते ही विपक्षी सदस्य भड़क गए और उनके खिलाफ भाजपा और कांग्रेस के पार्षद सदस्यों ने जमकर नारेबाजी शुरू कर दी। काफी देर तक विपक्षी सदस्य सदन के अंदर हंगामा, नारेबाजी और पोस्टर लहराते रहे।

मेयर का किया घेराव : सदन की कार्यवाही स्थगित होने के थोड़ी देर बाद भाजपा और कांग्रेस के सदस्य सदन मुख्यालय की चौथी मंजिल पर आ गए। मेयर से सदन की कार्यवाही फिर से शुरू करने की मांग करने लगे। इसके बाद भाजपा और कांग्रेस के सदस्य धरने पर बैठ गए। विपक्षी सदस्यों ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। साथ ही कोचिंग सेंटर में हुई तीन अभ्यर्थियों की हुई मौत की जांच करने की मांग करने लगे। यह सिलसिला काफी देर तक चलता रहा।

- सदन की कार्यवाही स्थगित की जाती है, कहकर चली गईं मेयर
- यह सुनते ही विपक्षी सदस्य भड़क गए व सदन के अंदर जमकर करने लगे हंगामा

पोस्टर बैनर से अटा सिविक सेंटर : ओल्ड राजेंद्र नगर में हुई छात्रों की मौत को लेकर भाजपा के पार्षद सिविक सेंटर परिसर में पोस्टर बैनर लेकर आए थे। मीटिंग कक्ष में मेयर के प्रवेश करते हुए पोस्टर ऊपर कर दिए। जिस पर छात्रों की हत्याओं की जिम्मेदार मेयर ओबराय इस्तीफा दो, दिल्ली सरकार के मंत्री विधायक मस्त दिल्ली जल भराव से त्रस्त, हादसा नहीं हत्या है, विरोध स्वरूप कुछ भाजपा पार्षद काली जैकेट पहनकर आए थे।

हरियाणा सरकार
HARYANA
म्हारा हरियाणा
नॉन-स्टॉप हरियाणा
हम हरियाणवी
अब हैप्पी कार्ड से
मुफ्त बस यात्रा करते हैं
84 लाख व्यक्तियों के लिए
1000 किलोमीटर तक बस यात्रा फ्री
परिवार के हर सदस्य के लिए सुविधा
हैप्पी कार्ड
निरंतर बन रहे हैं
नया कार्ड प्राप्त करने
या आवेदन हेतु
क्यू आर कोड स्कैन करें
RO No.:-1089/13/1696/2025/28195/153/7
सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा
www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

प्रख्यात विद्वान, शिक्षाविद, लेखक एवं समाज सुधारक श्री ईश्वर चन्द्र विद्यासागर जी की पुण्यतिथि पर उन्हें शत-शत नमन।
-केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम, उप्र

संक्षिप्त खबरें

सरकार का व्यवहार हृदय विदारक : सांसद

नई दिल्ली। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा है कि कोचिंग सेंटर हादसा बहुत ही हृदय विदारक घटना है। उससे भी अधिक हृदय विदारक दिल्ली सरकार का व्यवहार है। वे कह रहे हैं कि उनके कहने पर अधिकारी काम नहीं कर रहे हैं। उन्हें ये बात तब कहनी चाहिए जब अधिकारी नहीं माने, लेकिन आपने उस दिन तो एक ट्वीट भी नहीं किया। उपराज्यपाल को कोई पत्र भी नहीं लिखा और न ही कोई प्रेस वार्ता की। अब जब दुर्घटना हो गई है तो आरोप-प्रत्यारोप खेल रहे हैं। मैं 'आप' को कहना चाहता हूं कि अगर आपके कहने से अधिकारी काम नहीं कर रहे हैं तो आपको तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए।

छात्रों की आत्मा शांति के लिए निकाला कैंडल मार्च

नई दिल्ली। ओल्ड राजेन्द्र नगर क्षेत्र में यूपीएससी की पढ़ाई कर रहे तीन छात्रों की बेसमेंट में पानी भरने और पटेल नगर में करंट लगने के कारण मरने वाले छात्र की आत्मा की शांति और उन्हें न्याय दिलाने की मांग को लेकर सभी 14 जिला कांग्रेस कमेटियों ने प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के नेतृत्व में कैंडल मार्च निकाला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मांग करती है कि मृतक छात्रों के परिवारजनों को एक-एक करोड़ का मुआवजा दिया जाए।

मेयर ने बुलाई आपात बैठक

नई दिल्ली। ओल्ड राजेंद्र नगर नगर की घटना पर मेयर डा. शैली ओबेरॉय ने सोमवार को आपातकाल बैठक में दिल्ली में अवैध रूप से चल रहे सभी कोचिंग सेंटरों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस बैठक में एमसीडी आयुक्त, पीडब्ल्यूडी के वरिष्ठ अधिकारी और दिल्ली जल बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के अंत में मेयर डा. शैली ओबेरॉय ने निर्देश देते हुए कहा कि ऐसे सभी कोचिंग सेंटर जो एमसीडी के नियम कानून व निर्माण उपनियम का उल्लंघन कर रहे हो, उन सभी कोचिंग सेंटर पर सख्त कार्रवाई की जाए।

नवीन दलविन का शव परिजनों को सौंपा

नई दिल्ली। कोचिंग हादसे के शिकार हुए तीन छात्रों में से एक छात्र नवीन दलविन के शव को सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। दलविन (28) के परिवार में माता-पिता और छोटी बहन हैं। दलविन की मां कोच्चि में प्रोफेसर हैं। उन्होंने जब बेटे के मौत की खबर सुनी तो उनकी तबीयत बिगड़ गई और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। पिता दलविन सुरेश सहायक पुलिस आयुक्त के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं और उनकी छोटी बहन स्नातक की छात्रा है। दलविन के चाचा लिनु राज ने कहा कि हम मुआवजे का क्या करेंगे? दलविन वापस नहीं आएगा। हम बस इतना चाहते हैं कि फिर से ऐसी घटना न हो।

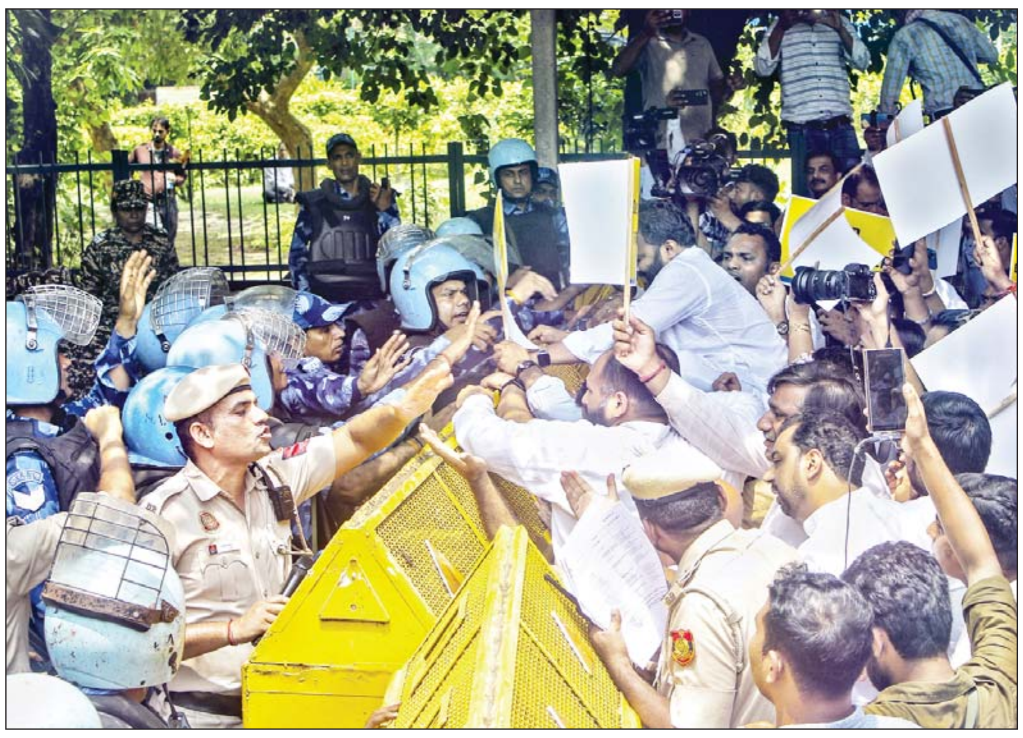

नालों से गाद निकलवाने में नाकाम अधिकारियों की बर्खास्तगी की मांग को लेकर सोमवार को उपराज्यपाल सचिवालय के बाहर प्रदर्शन करने पहुंचे आप कार्यकर्ताओं को रोकती पुलिस (बाएं) व नालों से अतिक्रमण तोड़ते एमसीडी के कर्मचारी। फोटो : एसएनबी

'आप' ने उपराज्यपाल सचिवालय के बाहर किया प्रदर्शन

नई दिल्ली (एसएनबी)।

आम आदमी पार्टी (आप) ने सोमवार को उपराज्यपाल सचिवालय के बाहर प्रदर्शन किया और दिल्ली में नालों से गाद निकालने के लिए निर्देश जारी करने में कथित तौर पर नाकाम रहने वाले अधिकारियों को बर्खास्त करने की मांग की। यह विरोध प्रदर्शन ऐसे समय किया गया है जब दो दिन पहले ओल्ड राजेंद्र नगर में भारी बारिश के बाद एक कोचिंग सेंटर के 'बेसमेंट' में पानी भर जाने के कारण सिविल सेवा परीक्षा के तीन अभ्यर्थियों की मौत हो गयी।

- कथित तौर पर नाकाम रहने वाले अधिकारियों को बर्खास्त करने की मांग
- भाजपा पर राजनीति करने का लगाया आरोप
- भाजपा पिछले 15 साल तक एमसीडी में सत्ता में रही : पाठक

'आप' विधायक दिलीप पांडे ने कहा कि वे उपराज्यपाल वीके सक्सेना से उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध लेकर आए हैं जिन्होंने मंत्रियों के आदेश के बावजूद नालों से गाद निकालने के लिए निर्देश जारी नहीं किए। उन्होंने कहा कि हम यहां एलजी साहब से अनुरोध करने आए हैं कि वे अक्षम अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करें, जो मंत्रियों की बात नहीं सुनते हैं। 'आप' विधायक और एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने भाजपा पर राजनीति करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि भाजपा पिछले 15 साल तक एमसीडी में सत्ता में रही। उसने जल निकासी प्रणाली पर काम नहीं किया लेकिन अब राजनीति कर रही है। उसका पर्दाफाश हो गया है। कोचिंग सेंटर हादसे के बाद दिल्ली में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। भाजपा ने इसे 'हत्या' बताया वहीं 'आप' सरकार ने दावा किया कि मौजूदा उपराज्यपाल उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करते हैं जो अपने मंत्रियों की नहीं सुनते हैं।

'कोचिंग हादसा प्रशासन की नाकामी का नतीजा'

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष राजा इकबाल सिंह ने कहा कि कोचिंग हादसा प्रशासन की नाकामी का नतीजा है। हादसे की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए मेयर को अपना इस्तीफा देना चाहिए। राजेन्द्र नगर के विधायक दुर्गेश पाठक आम आदमी पार्टी से हैं, यहां पर पार्षद भी इन्हीं की पार्टी की हैं। ऐसे में आम आदमी पार्टी की घोर लापरवाही है।

दिल्ली सरकार व निगम की लापरवाही : कांग्रेस

धरना देने के दौरान कांग्रेस दल के पार्षदों ने कहा कि ओल्ड राजेन्द्र नगर हादसे के लिए दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम जिम्मेदार हैं, क्योंकि दोनों ही जगह इन्हीं की सत्ता है इसलिए अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। कांग्रेस दल की नेता नाजिया दानिश ने कहा कि हमने होनहार छात्र खोए हैं। इस हादसे से लाखों छात्रों का दिल्ली में आकर पढ़ाई करने का भरोसा टूट गया है। सरकार को अपने झूठी दुनिया से बाहर आकर अपनी गलतियां सुधारनी चाहिए।

पत्रों का जवाब देने से बचते रहे मुख्य सचिव : भारद्वाज

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली सरकार के शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को आरोप लगाया कि उन्होंने नालों से गाद निकालने के लिए व्यापक रणनीति तैयार करने के लिए मुख्य सचिव नरेश कुमार को फरवरी से कई पत्र लिखे, लेकिन वे इस मामले पर जवाब देने से बचते रहे।

यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए सौरभ भारद्वाज ने कहा कि नालों से गाद निकालने का मुद्दा उठाया जा रहा है। यह काम उस तरह से नहीं किया गया है जैसे किया जाना चाहिए था। इस साल छह फरवरी को मैंने इस मॉनसून के दौरान जलभराव रोकने के लिए एक व्यापक रणनीति तैयार करने के लिए सभी विभागों की बैठक के लिए नोटिस जारी किया था। यह बैठक 13 फरवरी को होनी थी, लेकिन भारतीय प्रशासनिक सेवा का एक भी अधिकारी नहीं आया। केवल विभागों के कार्यकारी अभियंता ही उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने बैठक में शामिल नहीं होने वाले विभागाध्यक्षों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए 23 फरवरी को एक नोट लिखा था, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। भारद्वाज ने आरोप लगाया कि छह जून को उन्हें श्री कुमार से बेतुका जवाब मिला। उन्होंने कहा कि किसी अन्य राज्य के मुख्य सचिव का ऐसा पत्र उनके निलंबन का कारण बनता। उन्होंने दावा किया कि केन्द्र सरकार ने दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार को दो बार सेवा विस्तार दिया।

- जवाब देने से बचते रहे मुख्य सचिव

मैं प्रधान सचिव को चेतावनी दे रहा हूं

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा है कि मैं आधिकारिक तौर पर एलजी के प्रधान सचिव आशीष कुंद्रा को चेतावनी दे रहा हूं। यह दूसरी बार है जब आशीष कुंद्रा ने झूठी खबर प्रचारित की है, मैं उनके खिलाफ कार्रवाई करूंगा। इससे पहले भी उन्होंने मीडिया में हीटवेब से जुड़ी गलत जानकारी दी थी। उन्होंने मुझे एक पत्र लिखा था, जिसके बारे में मैंने तब उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से उन्हें चेतावनी देने के लिए कहा था। भारद्वाज ने कहा कि वह सरासर झूठ बोल रहे हैं। वह जिन नालों की बात कर रहे हैं, उनका दिल्ली में जलभराव से कोई लेना-देना नहीं है। उनके द्वारा नियुक्त अतिरिक्त मुख्य सचिव नवीन चौधरी मुख्य सचिव के सामने कह रहे हैं कि इसका इससे कोई लेना-देना नहीं है।

कोचिंग हादसे के विरोध में सोमवार को प्रदर्शन करते व्यापारी। फोटो : एसएनबी

हादसे के विरोध में व्यापारी भी उतरे सड़कों पर

नई दिल्ली (एसएनबी)। व्यापारियों ने कोचिंग हादसे के विरोध में प्रदर्शन किया। फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा की अध्यक्षता में कोचिंग हादसे के शिकार हुए छात्रों को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान घटना के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई। एमसीडी की लापरवाही से बेसमेंट में हो रहे जलभराव के विरोध में कुतुब रोड चौक पर सैकड़ों व्यापारियों ने प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा व राकेश यादव ने कहा कि कोचिंग हादसा अधिकारियों की लापरवाही का नतीजा है। सदर बाजार के बसमेंट में भी बरसात के दौरान जलभराव से व्यापारियों का करोड़ों का नुकसान होता है। शॉर्ट सर्किट जैसी घटनाएं होती रहती हैं। इसके बावजूद जलभराव से निपटने का इंतजाम नहीं हो रहा है। प्रदर्शन में चौधरी योगेंद्र सिंह, कमल कुमार, दीपक मित्तल, पवन खंडेलवाल, चौधरी योगेंद्र सिंह, दीपक मित्तल, सुधीर जैन, राजेन्द्र शर्मा, कमल कुमार, सुरेंदर, महेंद्र, कन्हैया लाल और राजकुमार सहित कई व्यापारी मौजूद थे।

नालों से गाद निकालने की फाइल मंत्री के पास लंबित

नई दिल्ली (एसएनबी)। राष्ट्रीय राजधानी में नालों से गाद निकालने के संबंध में प्रस्तावित व्यापक योजना की फाइल पिछले कई महीनों से दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज के पास लंबित है। अधिकारी ने सोमवार को यह दावा किया। यह व्यापक योजना तीन सदस्यीय समिति ने तैयार की थी, जिसमें एमसीडी के आयुक्त, पीडब्ल्यूडी के प्रधान सचिव और दिल्ली जल बोर्ड के सीईओ शामिल थे।

- सौरभ भारद्वाज का दावा पहले ही फाइल हो गई है मंजूर

सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री भारद्वाज ने दावा किया कि फाइल को इस वर्ष 29 अप्रैल को मंजूरी दे दी गई थी और मानसून के बाद योजना पर काम किया जाएगा। इससे पहले, दिन में भारद्वाज ने एक संवाद्दाता सम्मेलन में दिल्ली के मुख्य सचिव और अन्य आईएएस अधिकारियों पर निशाना साधते हुए दावा किया कि उन्होंने नालों की सफाई पर ध्यान नहीं दिया, जबकि उन्होंने इस वर्ष फरवरी से आधिकारिक तौर पर पत्र लिखकर यह मुद्दा उठाया है।

प्रस्तावित योजना में यमुना में गिरने वाले 18 नालों की सफाई और रखरखाव के लिए एक प्राधिकरण के तहत जल निकासी प्रबंधन को समेकित करना तथा दिल्ली जल बोर्ड द्वारा दिल्ली के लिए एक मास्टर जल निकासी योजना तैयार करना शामिल है। यह प्रस्ताव तीनों अधिकारियों के संयुक्त हस्ताक्षर से 8 अगस्त 2023 को मुख्य सचिव के पास भेजा गया था। इसके बाद यह प्रस्ताव 21 अगस्त 2023 को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और भारद्वाज के पास भेजा गया। पांच महीने बाद मंत्री ने फाइल प्रधान सचिव (सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण) को वापस भेज दी और सभी पक्षकारों की बैठक आयोजित करने तथा एक प्रस्तुतीकरण की मांग की।

कोचिंग सेंटर मामला : छात्रों का प्रदर्शन जारी

नई दिल्ली (एसएनबी)। ओल्ड राजेन्द्र नगर की एक कोचिंग सेंटर में तीन छात्रों की मौत को लेकर आक्रोशित छात्रों का विरोध प्रदर्शन सोमवार को सुबह भी जारी रहा। प्रदर्शनकारी साहिल ने शिकायत की कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) का कोई भी अधिकारी उनसे मिलने नहीं आया।

उन्होंने कहा कि हम पिछले दो दिनों से यहां बैठे हैं, लेकिन एमसीडी का कोई भी अधिकारी हमसे मिलने नहीं आया। हमने रविवार को डीसीपी को ज्ञापन देकर मृतक छात्रों के परिवारों को 1 करोड़ और घायलों को 50 लाख रुपए का मुआवजा देने की मांग की है। प्रदर्शनकारी अंकित सिंह ने बताया कि पुलिस ने प्रदर्शन स्थल के समीप अवरोधक लगाए हैं। छात्रों ने शिकायत की कि लाइब्रेरी में प्रवेश के लिए बायोमेट्रिक एक्सेस अनिवार्य है, जो कि ज्यादातर बेसमेंट में स्थित हैं। छात्र मनीष कुमार ने बताया कि 27 जुलाई को बायोमेट्रिक ब्लॉक हो गया था और बेसमेंट में पानी भर जाने से छात्रों की जान चली गई।

- मृतक छात्रों के परिजनों को एक करोड़ देने की मांग

Nagar Palika Parishad, Dadri, Gautambuddha Nagar

Advertisement No. 1051/NPPD/RFP/2024-25 Date :- 27.07.2024

R.F.P

Provide Door to Door Collection, Segregation Street Sweeping & transportation of Municipal Solid Waste up to the existing dump site, conduct IEC activities, survey, data collection, collect User fees from 25 wards of NPPD for 03 years..

Nagar Palika Parishad, Dadri thus invites in **(State Finance Commission/Municipal Board fund)** "Proposal from the experienced Firms/entities/operators/private companies interested to Provide Door to Door Collection, Segregation Street Sweeping & transportation of Municipal Solid Waste up to the existing dump site, conduct IECactivities, survey, data collection, collect User fees from 25 wards of NPPD for 03 years.

The interested entities/operators/private companies may then participate through E-Bid for the scope of work mention in the R.F.P. documents which is uploaded in the **etender.up.nic.in** website.

Schedule of Bidding Process- Nagar Palika Parishad Dadri would Endeavour to adhere to the following schedule during the Bidding Process:

Sr.No.	Event Description	Date/Time
1	Publishing Date	30.07.2024/10.00 AM
2	Document Downloaded Start Date	30.07.2024/11.00 AM
3	Pre-Bid Meeting Date	06.08.2024/11.00 AM
4	Proposal Submission Start Date	30.07.2024/12.00 AM
5	Proposal Submission End Date	20.08.2024/05.00 PM
6	Hard Copy Submission Date	21.08.2024/12.00 AM
7	Bid-Opening Date	21.08.2024/12.30 AM
8	NPPD Account Details	**Account Number 50100065525653 HDFC Bank, Branch-Dadri, IFSC Code-HDFC0000927**

Clerk NPP, Dadri, GBN | **Executive Officer NPP, Dadri, GBN** | **Chairman NPP, Dadri, GBN**

रेस्टोरेंट व चाइनीज फूड शॉप में लगी भीषण आग, छह झुलसे

नई दिल्ली (एसएनबी)। साउथ जिला के आईएनए इलाके में स्थित केरला रेस्टोरेंट और साथ में बने चाइनीज फास्ट फूड शॉप में रविवार देर रात अचानक आग लग गई। हादसे में आकर 6 लोग झुलस गए हैं। इनमें चाइनीज फास्ट फूड शॉप का मालिक सुनील, आशिकी नेपाली, अरुण, शिवा, शिव कुमार और गिरीश शामिल हैं यह सभी 10 प्रतिशत से लेकर 70 प्रतिशत झुलस गए हैं। इन सभी में से गंभीर रूप से झुलसे दो लोगों को एम्स में और चार को सफदरजंग में भर्ती कराया गया है।

- गंभीर रूप से झुलसे दो लोगों को एम्स में और चार को सफदरजंग में कराया भर्ती

दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि यह हादसा आईएनए मार्केट के गली नंबर 2 में स्थित केरला रेस्टोरेंट में हुआ है। दमकल विभाग के कंट्रोल रूम को तड़के 3.18 पर आग लगने की सूचना मिली थी। जैसे ही मामले की सूचना मिली मौके पर अलग-अलग दमकल स्टेशन से आग बुझाने वाली 7 गाड़ियां भेजी गई। फायर की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसी बीच पता चला की इस हादसे की चपेट में आकर 6 लोग घायल हो गए हैं। जिन्हें पीसीआर के द्वारा नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

आग शॉप नंबर 211 स्थित केरला रेस्टोरेंट के अलावा साथ में बने शॉप नंबर 213 और 214 स्थित चाइनीज फास्ट फूड शॉप में भी लगी थी। मिली जानकारी के अनुसार जो शॉप मालिक घायल हुआ है, वह बीके दत्त कलोनी में रहता है। बाकी घायल सभी शॉप पर ही सोते हैं। आग लगने के बाद मालिक को इन्होंने सूचना दी, वो अपने घर से मौके पर पहुंचा। उस समय आग लगी हुई थी। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि आग की चपेट में आए सामान को इन लोगों ने बचाने की कोशिश की होगी और उसी के दौरान डिप फ्रीजर में हुए ब्लास्ट में वह सभी घायल हो गए।

विधायक अधिकारियों को बना रहे मोहरा : कपूर

नई दिल्ली (एसएनबी)। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक मंत्री सौरभ भारद्वाज, दिलीप पांडेय और दुर्गेश पाठक को नसीहत देते हुए कहा है कि प्रशासन टकराव से नहीं चलता है। आप के मंत्री और विधायक अधिकारियों को मोहरा बनाकर प्रशासन को ठप करना चाहते हैं, जिससे दिल्ली के लोगों का ध्यान इस घटना से हट जाए और वह अधिकारियों को जिम्मेदार समझें।

प्रवक्ता ने आरोप लगाया है कि मंत्री सौरभ भारद्वाज, विधायक दिलीप पांडेय एवं दुर्गेश पाठक केवल अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। दुखद यह है कि 27 जुलाई तक यह सभी नेता दावा कर रहे थे कि नालों की सफाई हो चुकी है। मेयर भी यही दावा कर रहीं थीं। अब अचानक सफाई नहीं होने के लिए अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराना हास्यास्पद है। यह नेता अधिकारियों को मोहरा बनाकर रही सही प्रशासनिक व्यवस्था को भी ठप करना चाहते हैं।

- आप विधायक कर रहे अनर्गल बयानबाजी

अधिकारियों को मोहरा बनाने का उद्देश्य लोगों का इस घटना से ध्यान हटाना है। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया है मंत्री सौरभ भारद्वाज एक महीने पुरानी वीडियो को दिखाकर यह दर्शाने की कोशिश कर रहे हैं कि नालों व सीवर की सफाई न होने के दोषी अधिकारी हैं। दिलीप पांडेय और दुर्गेश पाठक की इस बयानबाजी का उद्देश्य सरकार के भ्रष्टाचार से लोगों का ध्यान हटाना है।

दो पार्षदों की सदस्यता को लेकर कांग्रेस ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एसएनबी)। दरियागंज वार्ड संख्या-142 की पार्षद सारिका चौधरी और त्रिलोकपुरी वार्ड से पार्षद विजय कुमार की सदस्यता को लेकर कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। सारिका चौधरी के सदन की तीन बैठकों में अनुपस्थित रहने पर पूर्व नेता प्रतिपक्षफरहाद सूरी ने मेयर डॉ. शैली ओबरॉय उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से लिखित शिकायत की। शिकायत में उन्होंने सारिका को अयोग्य घोषित करने की मांग की है।

- दरियागंज की पार्षद सारिका चौधरी को अयोग्य घोषित करने की मांग

फरहाद सूरी ने कहा कि अप्रैल, मई और जून माह में हुई बैठकों में सारिका चौधरी के गैर-हाजिर रहने पर यह शिकायत दर्ज कराई है। नगर निगम अधिनियम, 1957 (धारा 33) का हवाला देते हुए कहा कि डीएमसी एक्ट की इन धाराओं में प्रावधान है कि यदि कोई नगर पार्षद बिना किसी पूर्व सूचना के लगातार तीन बैठकों में अनुपस्थित रहता है तो उसे अयोग्य घोषित किया जा सकता है। उन्होंने शिकायत में कहा है कि यह पता चला है कि सारिका चौधरी ने इसी माह नौ जुलाई को एक सूचना दी थी कि अस्वस्थ होने की वजह से वह 14 मई को होने वाली सदन की बैठक में भाग नहीं ले सकेंगी। यह एक गलत जानकारी है, जिसे उनके गत 13, 14 और 15 मई के फेसबुक पोस्ट से सत्यापित किया जा सकता है, जब वह चुनाव अभियान में सक्रिय रूप से हिस्सा ले रही थीं। इस प्रकार सारिका चौधरी ने जानबूझकर फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत करके सदन को गुमराह करने की कोशिश की है। इसमें झूठे दावे शामिल हैं इसलिए उन पर कानून के हिसाब से मुकदमा चलाया जा सकता है।

आप सभी को पवित्र श्रावण मास के द्वितीय सोमवार की देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

—— ब्रजेश पाठक, डिप्टी सीएम, उप्र

हमने बांग्लादेश उप उच्चायोग के अधिकारियों से मुलाकात की और उनसे अपने देश में भारत विरोधी उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की।

—— शुभेंदु अधिकारी, भाजपा नेता

संक्षिप्त खबरें

डीयू में आज से खुलेंगे करेक्शन विंडो

नई दिल्ली। कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी-यूजी) के नतीजे आने के बाद अब दिल्ली विश्वविद्यालय ने दाखिले की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए मंगलवार से आवेदन में सुधार के लिए करेक्शन विंडो खोलने का फैसला किया है। डीयू की दाखिला शाखा की डीन प्रो. हनीत गांधी ने बताया कि मंगलवार से छात्र अपने आवेदनों के ब्योरे में सुधार कर सकते हैं। ये करेक्शन विंडो चार अगस्त तक खुला रहेगा। बता दें कि इस करेक्शन की प्रक्रिया के बाद डीयू दूसरे चरण की प्रक्रिया शुरू करेगा। इसमें छात्रों को कॉलेज व कोर्स का विकल्प भरने का अवसर मिलेगा। डीयू में अब तक 2 लाख 73 हजार 109 छात्रों ने पंजीकरण कराया है।

सम्मानित किए गए डॉक्टर

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के सूचना आयुक्त राजेंद्र सिंह ने कहा कि कोरोना में डॉक्टरों खुद की जान की बाजी लगाकर मरीजों की जान बचाई। वह डॉक्टर डे पर आयोजित सम्मान समारोह में बोल रहे थे। डॉ. अनिल कोहली, डॉ. हर्ष महाजन, डॉ. जेएम हंस, डॉ. संजय कुमार अग्रवाल, डॉ. रमणीक महाजन, डॉ.अंकुर मित्तल, डॉ. निमिश, विवेका कुमार, डॉ.अरुण सरोहा, डॉ. संजीव सहगल, डॉ. सज्जन राजपुरोहित और डॉ. गुरिन्दर बेदी समेत कई गण्यमान्य लोग मौजूद रहे।

कार्यकर्ता पार्टी के रीढ़ होते हैं : देवेंद्र यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी के रीढ़ होते हैं। वह कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ब्लाक को दो मंडलम में विभाजित कर दिया गया है और एक मंडलम को कई सेक्टरों में बांटने का काम चल रहा है। 5-7 बूथों का एक सेक्टर बनाने का काम चल रहा है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सभी जिलों में 258 ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों का गठन किया जा रहा है।

डा. कलाम का कार्य सराहनीय : गोयल

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में डा. एपीजे अब्दुल कलाम फाउंडेशन की तरफ से देश भर के तमाम लोगों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने कहा कि उन्हें मिसाइल मैन के नाम से जाना जाता है। उन्होंने देशहित में सराहनीय कार्य किया। इस मौके पर आप के कई विधायक व कर्मचारी मौजूद रहे। डा. एपीजे अब्दुल कलाम फाउंडेशन उन्होंने ही शुरू की थी और अब इस फेडरेशन को आगे बढ़ने का काम उनकी संस्था से जुड़े लोग कर रहे हैं।

सावन मास के दूसरे सोमवार को झंडेवालान मंदिर में शिवलिंग पर जल चढ़ाते श्रद्धालु। फोटो : एसएनबी

आईपीयू में अब डी फॉर्मा कोर्स भी शुरू

नई दिल्ली (एसएनबी)। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी में अब डी फॉर्मा कोर्स भी शुरू हो गया है। यह कोर्स द्वारका कैम्पस स्थित सेंटर ऑफ एक्सलेंस इन फार्मसूटिकल साइंस (सीईपीएस) में उपलब्ध है। इसमें कुल सीटें 60 रखी गई है।

यूनिवर्सिटी के एक अधिकारी ने बताया कि इस कोर्स के लिए दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके लिए ऑफलाइन आवेदन पत्र यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पार उपलब्ध है। इस आवेदन पत्र के साथ कुलसचिंव के पक्ष में देय 2,500 ₹ का एक बैंक ड्राफ्ट विश्वविद्यालय सुविधा केंद्र में 14 अगस्त 3 बजे तक जमा कराना है। इस कोर्स में आवेदन के लिए 50 प्रतिशत अंकों के साथ विज्ञान विषय से बारहवीं पास होना आवश्यक है। दाखिला वारहवीं के अंकों के आधार पर दिए जाएंगे। कोई प्रवेश परीक्षा इस कोर्स के लिए नहीं है। यह दो वर्षीय कोर्स फार्मसूटिकल साइन्स की प्राथमिक जानकारी देने और कौशल विकसित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

CBI ने केजरीवाल के खिलाफ दाखिल किया अंतिम आरोप पत्र

शराब नीति मामला

■ केजरीवाल के अलावा आप विधायक दुर्गेश पाठक, पी सरथ चंद्र रेड्डी, अमित अरोड़ा, विनोद चौहान और आशीष माथुर भी आरोपी

नई दिल्ली (एसएनबी)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने कथित आबकारी नीति घोटाला मामले में जांच पूरी करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पांच अन्य के खिलाफ सोमवार को अपना अंतिम आरोप पत्र दाखिल किया।

सीबीआई ने इससे पहले इस मामले में एक मुख्य आरोपपत्र और चार पूरक आरोपपत्र दाखिल किए थे, जिनमें दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, तेलंगाना की विधान पार्षद के. कविता और 15 अन्य को आरोपी बनाया गया था। एजेंसी ने कहा कि सोमवार को दाखिल किया गया आरोपपत्र इस मामले में अंतिम आरोपपत्र है। सीबीआई ने केजरीवाल, आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक दुर्गेश पाठक, 'अरबिंदो फार्मा' के गैर-कार्यकारी निदेशक पी सरथ चंद्र रेड्डी, 'बडी रिटेल प्राइवेट लिमिटेड' के निदेशक अमित अरोड़ा, कथित हवाला कारोबारी विनोद चौहान और व्यवसायी आशीष माथुर को आरोपी बनाया है।

एजेंसी ने के. कविता के खिलाफ अपने आरोपपत्र में कहा था कि शराब व्यवसायी मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी (तेलुगु देशम पार्टी के नेता एवं सांसद) ने 16 मार्च, 2021 को दिल्ली सचिवालय स्थित केजरीवाल के कार्यालय में उनसे मुलाकात की थी और उनसे आबकारी नीति 2021-22 में बदलाव करने का अनुरोध किया था, ताकि राष्ट्रीय राजधानी में उनके शराब कारोबार को मदद मिल सके। सीबीआई ने आरोप लगाया था कि केजरीवाल ने रेड्डी की मदद करने का आश्वासन दिया था और उनसे आरोपी के. कविता से संपर्क करने को कहा था, क्योंकि वह दिल्ली की आबकारी नीति पर उनकी टीम के साथ मिलकर काम कर रही थीं।

महिला के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का निर्देश

■ **नई दिल्ली (एसएनबी)।**

दुष्कर्म का झूठा मुकदमा दर्ज कराने को अदालत ने गंभीरता से लिया है और संबंधित महिला के खिलाफ दिल्ली पुलिस से कानूनी कार्रवाई करने को कहा है। उसने कहा कि महिलाओं को दिए गए विशेषाधिकारों का इस्तेमाल व्यक्तिगत रंजिशों को निपटाने के लिए तलवार की तरह नहीं किया जा सकता।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शेफाली बरनाला टंडन ने कहा कि इस तरह के झूठे आरोप से आरोपी के जीवन, प्रतिष्ठा और सामाजिक प्रतिष्ठा को नष्ट कर देता है। उन्होंने यह कहते हुए आरोपी को जमानत पर रिहा कर दिया। जिसके कारण पुरु ष को लगभग 10 दिनों तक जेल में रहना पड़ा था।

न्यायाधीश ने पुलिस को यह भी सलाह दिया कि वह उन मामलों में आरोपी को गिरफ्तार करने में जल्दबाजी न करे, जहां परिस्थितियों के कारण प्राथमिकी दर्ज होने के बाद कुछ प्रारंभिक जांच की जरूरत होती है। क्योंकि झूठी शिकायत के आधार पर निर्दोष को कारावास के लिए क्षतिपूर्ति करने के लिए कोई भी मुआवजा पर्याप्त नहीं हो सकता है। उन्होंने अपने आदेश की एक प्रति संबंधित पुलिस उपायुक्त को भेजने का निर्देश दिया और कहा कि 10 दिनों के भीतर अनुपालन रिपोर्ट पेश की जाए।

न्यायाधीश ने इस मामले के तथ्यों को ध्यान में रखते हुए कहा कि 14 जुलाई को व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी, लेकिन अगले ही दिन महिला ने मजिस्ट्रेट के सामने अपने इकबालिया बयान में कहा कि वह स्वेच्छा से आरोपी के साथ एक होटल में गई थी, जहां उन्होंने सहमति से यौन संबंध बनाए थे। महिला के बयान के अनुसार वह आरोपी के साथ हुए झगड़े से चिढ़ गई थी। उसने पुलिस को बुलाया और गुस्से में दुष्कर्म का आरोप लगा दिया था। न्यायाधीश ने कहा कि हमारे देश के पुरुषों को संविधान में निहित कानून के तहत समान अधिकार और सुरक्षा प्राप्त है, लेकिन महिलाओं को विशेष विशेषाधिकार दिए गए हैं। इस विशेष विशेषाधिकार और महिला सुरक्षा कानूनों को बदला लेने या गुप्त उद्देश्यों को पूरा करने के लिए तलवार नहीं बनाया जाना चाहिए। जबकि यह समाज में बड़े पैमाने पर चल रहा है।

■ दुष्कर्म की झूठी शिकायत करने का मामला

■ 10 दिनों तक जेल में रहना पड़ा था पुरुष को

न्यायाधीश ने यह भी कहा कि आजकल दुष्कर्म के आरोप कई अन्य कारणों से भी लगाए जाते हैं। इस बात का अनुभव कई मामलों की सुनवाई से सामने आया है। यह भी एक ऐसा ही मामला है। झूठे बलात्कार के आरोप न केवल नामित व्यक्ति के जीवन को नष्ट करता है, बल्कि उसके परिवार के सदस्यों की प्रतिष्ठा और सामाजिक प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने कहा कि दुष्कर्म सबसे जघन्य और दर्दनाक अपराध है, क्योंकि यह पीड़ता की आत्मा के साथ-साथ उसके शरीर को भी नष्ट कर देता है। लेकिन दुष्कर्म के खिलाफ कानून का कुछ मामलों में दुरुपयोग किया जा रहा है।

कोरोनिल से जुड़े आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट हटाएं रामदेव

■ **नई दिल्ली (एसएनबी)।**

हाईकोर्ट ने योग गुरु रामदेव को कोरोना के इलाज के लिए 'कोरोनिल' के इस्तेमाल से संबंधित कुछ आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट हटाने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति अनूप जयराम भंभानी ने कहा कि वह रामदेव के खिलाफ डाक्टरों के कई संघों की याचिका को स्वीकार करते हुए अंतरिम आदेश के तहत कुछ आपत्तिजनक पोस्ट और सामग्री को हटाने का निर्देश दिए जाते हैं।

न्यायमूर्ति ने रामदेव को तीन दिन के भीतर उन ट्वीट को हटाने के निर्देश दिए जाते हैं। अगर निर्देश का पालन नहीं किया जाता है, तो सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) इस सामग्री को हटाए। यह याचिका रामदेव, उनके सहयोगी आचार्य बालकृष्ण और पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ डाक्टरों के संघों की ओर से वर्ष 2021 में दाखिल याचिकाओं का एक हिस्सा है। न्यायमूर्ति ने सभी पक्षों को सुनने के बाद 21 मई को इस मुद्दे पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था।

अभियुक्त व्यक्तियों की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त 1) **मो. इम्तियाज, पुत्र इस्तियाक अहमद निवास 3053, गली टोपी वाली, काली मस्जिद, तुर्कमान गेट, दिल्ली 2) अज़हर पुत्र सलाउददीन, निवास बी-94, मैन मार्केट के पास, न्यू सीलमपुर, दिल्ली** और **3) सुमैला पत्नी अज़हर निवास बी-94, मैन मार्केट के पास, न्यू सीलमपुर, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 155/2022 भा.द.सं. की धारा 420/120बी के तहत, थाना चाँदनी महल, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होने किया है) और उन पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **1) मो. इम्तियाज, 2) अज़हर और 3) सुमैला** मिल नहीं रहे हैं और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **1) मो. इम्तियाज, 2) अज़हर और 3) सुमैला** फरार हो गए है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 155/2022 भा.द.सं. की धारा 420/120बी के तहत, थाना चाँदनी महल, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **1) मो. इम्तियाज, 2) अज़हर और 3) सुमैला** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.08.2024** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार

सुश्री सायशा चड्ढा,

महानगर दण्डाधिकारी-08 (केन्द्रीय),

दि.पु./9674/केन्द्रीय जिला/2024 — **कमरा नं. 272, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली**

अवमानना पर लगाया एक लाख का जुर्माना

नई दिल्ली (एसएनबी)। हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया पर न्यायाधीशों को बदनाम करने वाला एक वीडियो पोस्ट करने वाले पर एक लाख रु पए का जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने उसके बिना शर्त माफी मांगने के बाद जेल की सजा नहीं दी और उसका माफीनामा स्वीकार करते हुए सुनवाई बंद कर दी। उसे हाल ही में अदालत की आपराधिक अवमानना का दोषी ठहराया गया था। दोषी ने कहा था कि जज अवैध कार्य कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर न्यायाधीशों को बदनाम करने की शिकायत वादी के वकील गगन गांधी ने की थी।

■ आरोपी की बिना शर्त माफी की स्वीकार

न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत एवं न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने उसकी बिना शर्त माफी स्वीकार कर ली और उसे अवमानना कार्यवाही से मुक्त कर दिया। दोषी ने कहा था कि वह अवमानना कार्यवाही में बर्बाद हुए सार्वजनिक समय की भरपाई के लिए कल्याण उद्देश्यों के लिए एक लाख रुपए जमा करने को तैयार है। न्यायमूर्ति ने दोषी से रजिस्ट्री में दो सप्ताह के भीतर एक लाख रुपए जमा करने का निर्देश दिया। उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट कानूनी सेवा समिति, दिल्ली निर्धन और विकलांग वकील कोष, बच्चों और निराश्रित महिलाओं के कल्याण के लिए निर्मल छाया तथा भारत के वीर कोष के पक्ष में 25-25 हजार रुपए दिए जाएंगे। अवमानना कार्यवाही बंद करते हुए कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में दोषी इसी तरह का व्यवहार करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस बाबत दोषी ने कहा था कि उसका उद्देश्य सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड करते समय न तो अदालत और न ही न्यायाधीशों को बदनाम करना था और न ही अदालत की गरिमा को कम कर उसे बदनाम करना था।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **शहजाद (शहजाद)** पुत्र अलाउद्दीन निवासी ई-49/जी-135, जनता मजदूर कॉलोनी, वेलकम, दिल्ली ने **एफ आई आर नंबर 231/2020, धारा 356/374/34 भा.द.स, थाना शाहदरा**, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शहजाद (शहजाद)** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शहजाद (शहजाद)** फ़रार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **शहजाद (शहजाद), एफ आई आर नंबर 231/2020, धारा 356/374/34 भा.द.स, थाना शाहदरा** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक 12.09.2024. को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से

सुश्री विधि गुप्ता आनंद

मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट

कमरा नंबर- 59, तीसरी मंजिल

शाहदरा, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/9780/SHD/2024

'वो 17 दिन' का धामी ने किया विमोचन

नई दिल्ली (एसएनबी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को उत्तराखंड सदन में आयोजित एक कार्यक्रम में 'इंडिया सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च एंड डेवलपमेंट के प्रमुख कुमार राजीव रंजन द्वारा पिछले साल सिलक्यारा में हुए टनल हादसे पर लिखी गई पुस्तक 'वो 17 दिन' (प्रकाशक, डायमंड बुक्स) का विमोचन किया।

■ कुमार राजीव रंजन सिंह ने लिखी है किताब

इस मौके पर पूर्व एमपी रीता बहुगुणा जोशी, भाजपा के पूर्व वाइस प्रेसीडेंट श्याम जाजू, भाजपा राजस्थान के प्रवक्ता प्रताप राव, भाजपा प्रदेश युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यकारी सदस्य शेखर पंडित, आईसीपीआरडी के एडवाइजर मृणाल डोभाल, आईसीपीआरडी की नेशनल एडवाइजर बरखा सिंह, समेत भाजपा से जुड़े कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। पुस्तक का संपादन वरिष्ठ पत्रकार अमित कुमार ने किया है। कार्यक्रम का आयोजन आईसीपीआरडी की ओर से किया गया था।

पुस्तक का विमोचन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सिलक्यारा हादसे पर किताब लिखकर राजीव जी ने एक महती काम किया है। उन्होंने ऐसे विषय पर किताब लिखने के लिए कुमार राजीव रंजन सिंह की तारीफ करते हुए हादसे से अपने अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा कि किस तरह हादसे के 11वें दिन जब अर्गर मशीन सुरंग में फंस गई तो किसी के कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि अब क्या होगा। क्योंकि वो ऐसा दिन था जिस दिन मजदूर बाहर निकल सकते थे, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। मुख्यमंत्री ने बताया कि इसके बाद मैने खुद मजदूरों से बात करने का प्लान बनाया। मैंने जब तीन मजदूरों से बात की तो मैंने उन्हें बताया कि अब आप लोग चार दिन में भी बाहर आ सकते हैं और छह दिन में। अब ज्यादा समय लग सकता है।

पहचान के लिए अपील

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक अज्ञात व्यक्ति जिसका **नामः अज्ञात, पुत्रः अज्ञात, पताः अज्ञात जोकि दिनांक 23.07.2024 को दोपहर 03:30 बजे रिट्ज सिनेमा के पास पार्क, कश्मीरी गेट, दिल्ली में मृत पाया गया।** इस सन्दर्भ में **DD No. 71 A, दिनांक 23.07.2024** पुलिस थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली में रिपोर्ट दर्ज है। नीचे अज्ञात व्यक्ति की पहचान दी गई है:

नामः अज्ञात, उम्रः करीब 30–32 वर्ष, कदः 5'4', रंगः गोरा, पहनावाः गुलाबी रंग की शर्ट और नीले रंग की जींस पैंट।

अगर किसी को इस व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी मिले कृपया नीचे दिए गए नंबर पर संपर्क करें।

थाना प्रभारी

पुलिस थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली

DP/9929/N/2024 फोनः 011–23968730, 8750870123

परिशिष्ट IV-A

अचल संपत्ति की बिक्री के लिए बिक्री सूचना

सिक्युरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के नियम 8(6) के नियमों को पढते हुए सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रशन ऑफ फायनांशियल एसेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्युरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अधीन अचल संपत्ति की बिक्री के लिए ई– नीलामी बिक्री सूचना।

सामान्य रूप से जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता (ओं) तथा गॅरेन्टर (ओं) को सूचित किया जाता है कि निम्नवर्णित अचल संपत्ति जो सुरक्षित लेनदार के पास गिरवी है, जिस पर सुरक्षित लेनदार अधिकृत अधिकारी **सम्मान कैपिटल लिमिटेड (पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) [CIN : L65922DL2005PLC136029] (''सुरक्षित लेनदार द्वारा'')** द्वारा **रचनात्मक कब्जा** लिया जा चुका है, **31.08.2024** को **शाम 04.00 बजे से 05.00 बजे** तक **''जहां है'', ''जैसा है'', और ''जो कुछ भी है''**, की वसूली के लिए **ऋण खाता नं. HHLGRG00532640** के लिए **रु. 42,20,941/- (रुपए बयालीस लाख बीस हजार नौ सौ इकतालीस मात्र)** के लिए **25.07.2024** तक बकाया मूलधन, बकाया (विलंब शुल्क के समेत) और ब्याज ऋण समझौते तथा अन्य सम्बन्धित ऋण दस्तावेजों के संदर्भ में लागू भावी ब्याज तथा कानूनी व्यय और अन्य खर्चों के साथ **26.07.2024** से प्रभावी जो **सुमंत कुमार और नेहा चौधरी** पर सुरक्षित लेनदार द्वारा बकाया है की वसूली के लिए बेचा जाएगा।

अचल संपत्ति की नीलामी के लिए आरक्षित मूल्य **रु. 45,25,000/- (रुपए पैंतालीस लाख पच्चीस हजार मात्र)** होगा और अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट **(''ईएमडी'') रु. 4,52,500/- (रुपए चार लाख बावन हजार पांच सौ मात्र)** यानि आरक्षित मूल्य के 10% के बराबर होगा।

अचल संपत्ति का वर्णन

तीसरी मंजिल, छत के अधिकारों के साथ, संपत्ति बेअरिंग नंबर डी–130 में से, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, खसरा नंबर 83/16 में से, गांव हस्तसाल के क्षेत्र में स्थित, दिल्ली राज्य, कॉलोनी को 'ब्लॉक–डी' कहा जाता है, आर्य समाज रोड, उत्तम नगर, नई दिल्ली – 110059, नीचे की भूमि के आनुपातिक अधिकारों के साथ, तल मंजिल पर एक कार पार्किंग स्थान के साथ और जो निम्नानुसार सीमाबद्ध है:–

पूर्व : सड़क — **उत्तर : संपत्ति नंबर 131**

पश्चिम : प्रवेश — **दक्षिण : सड़क**

बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया सुरक्षित लेनदार की वेबसाइट यानी www.sammaancapital.com देखें; संपर्क का नंबर : 0124-6910910, +91 7065451024; ई–मेल आईडी : auctionhelpline@sammaancapital.com। बोली लगाने के लिए www.auctionfocus.in पर लॉग ऑन करें

सही/–

प्राधिकृत अधिकारी

सम्मान कैपिटल लिमिटेड

(पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)

दिनांक : 25.07.2024

स्थान : नई दिल्ली

एसेट्स केयर एंड रिकंस्ट्रक्शन एंटरप्राइज लिमिटेड

कॉर्पोरेट कार्यालय : यूनिट नंबर 502, सी विंग, वन बीकेसी, प्लॉट नंबर सी – 66, जी – ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, मुंबई – 400051।

टेलीफोन : 022 68643101

पंजीकृत कार्यालय : 14वीं मंजिल, इरोस कॉर्पोरेट टॉवर, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली – 110019

ई–मेल : acre.arc@acreindia.in | वेबसाइट : www.acreindia.in |

CIN : U65993DL2002PLC115769

परिशिष्ट IV-A

अचल संपत्ति की बिक्री के लिए बिक्री सूचना

सिक्युरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के नियम 8(6) के नियमों को पढते हुए सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रशन ऑफ फायनांशियल एसेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्युरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अधीन अचल संपत्ति की बिक्री के लिए ई–नीलामी बिक्री सूचना।

सामान्य रूप से जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता (ओं) तथा गॅरेन्टर (ओं) को सूचित किया जाता है कि निम्नवर्णित अचल संपत्ति जो सुरक्षित लेनदार के पास गिरवी है, जिस पर सुरक्षित लेनदार अधिकृत अधिकारी **एसेट्स केयर एंड रिकंस्ट्रक्शन एंटरप्राइज लिमिटेड [CIN: U65993DL2002PLC115769] (''सुरक्षित लेनदार द्वारा'')** द्वारा **रचनात्मक कब्जा** लिया जा चुका है, **31.08.2024** को **शाम 04.00 बजे से शाम 05.00 बजे** तक **''जहां है'', ''जैसा है'', और ''जो कुछ भी है''**, की वसूली के लिए **ऋण खाता नं. V015XII (पहले लोन खाता नं. HHLVAS00077996)** के लिए **रु. 1,97,75,319/- (रुपए एक करोड़ सत्तानवे लाख पचहत्तर हजार तीन सौ उन्नीस मात्र)** के लिए **24.07.2024** तक बकाया मूलधन, बकाया (विलंब शुल्क के समेत) और ब्याज ऋण समझौते तथा अन्य सम्बन्धित ऋण दस्तावेजों के संदर्भ में लागू भावी ब्याज तथा कानूनी व्यय और अन्य खर्चों के साथ **25.07.2027** से प्रभावी जो **विनोद कुमार बंसल, नीना बंसल, फिकस सिक्योरिटीज (प्राइवेट) लिमिटेड (इसके निदेशकों के माध्यम से) और वोटरी इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड (इसके निदेशकों के माध्यम से)** पर सुरक्षित लेनदार द्वारा बकाया है की वसूली के लिए बेचा जाएगा।

उपरोक्त ऋण खाता बेअरिंग नंबर **HHLVAS00077996** के साथ सभी अधिकार, स्वामित्व, हित, अंतर्निहित सुरक्षा, गिरवी और/या गारंटी, जिसमें सुरक्षित संपत्ति शामिल है को सम्मान कैपिटल लिमिटेड **(''एससीएल'')** (पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनान्स लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) द्वारा असाइनमेंट एग्रीमेंट दिनांक **31.12.2019** को इंडियाबुल्स एसेट्स रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड **(''आईएआरसीएल'')** को सौंपा गया था, जिसे आईएआरसीएल द्वारा पुन: क्रमांकित किया गया था और उसे नया ऋण खाता क्रमांक **V015XII** दिया गया। उक्त ऋण खाते को आगे आईएआरसीएल द्वारा दिनांक **26.04.2021**, दिनांक **26.08.2021** के सुधार विलेख के साथ पढ़ें, को किए हुए असाइनमेंट एग्रीमेंट के तहत **एसीआरई–102 ट्रस्ट के ट्रस्टी** के रूप में कार्य करने वाले सुरक्षित लेनदार को सौंपा गया है।

अचल संपत्ति की नीलामी के लिए आरक्षित मूल्य **रु. 1,65,00,000/- (रुपए एक करोड़ पैंसठ लाख मात्र)** होगा और अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट **(''ईएमडी'') रु. 16,50,000/- (रुपए सोलह लाख पचास हजार मात्र)** यानि आरक्षित मूल्य के 10% के बराबर होगा।

अचल संपत्ति का वर्णन

परिसर बेअरिंग प्लॉट नंबर 0006, मेन 00, गली नंबर 06, जिसका सुपर एरिया 239.19 वर्ग गज है, ''द विलोज'' में, यूनिटेक ग्रांडे में स्थित, सेक्टर – 96, 97 और 98, नोएडा – 201305, उत्तर प्रदेश।

बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया सुरक्षित लेनदार की वेबसाइट यानी www.acreindia.in देखें; संपर्क का नंबर: 0124-6910910, +91 7065451024; ई–मेल आईडी: auctionhelpline@sammaancapital.com। बोली लगाने के लिए www.auctionfocus.in पर लॉग ऑन करें

सही/–

प्राधिकृत अधिकारी

एसेट्स केयर एंड रिकंस्ट्रक्शन एंटरप्राइज लिमिटेड

एसीआरई–102 ट्रस्ट के ट्रस्टी

दिनांक : 26.07.2024

स्थान : नोएडा

एआई डेंटल के क्षेत्र में निभा सकती है अहम भूमिका

नई दिल्ली (एसएनबी)। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में डेंटल शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रयोग पर एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। इसमें कहा गया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की ग्लोबल ओरल हेल्थ स्टेटस रिपोर्ट के अनुसार मौखिक बीमारियां वैश्विक स्तर पर 3.5 अरब व्यक्तियों को प्रभावित करती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि एआई डायग्नोस्टिक सटीकता, उपचार योजना, और मरीज की देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

इस परियोजना पर क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन, मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज और गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय मिल कर काम कर रहे हैं। इसका उद्देश्य डेंटल छात्रों के लिए एक प्रशिक्षण मॉड्यूल का विकास और इसके प्रभाव का अध्ययन करना है। क्यूएमयूएल, लंदन से डॉ. मनु राज माथुर और डॉ. अनिल गोलकरी, आईपीयू से प्रोफेसर डॉ. महेश वर्मा, और मेड्स से प्रोफेसर डॉ. विक्रांत मोहंती इस परियोजना के मुख्य शोधकर्ता हैं। बता दें कि भारत में लगभग 317 डेंटल कॉलेज संचालित हैं, जिनमें 28 हजार स्नातक, 8 हजार पीजी सीटें, 15 हजार शिक्षक और 3.7 लाख डेंटिस्ट अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

आवास फाईनेंसियर्स लिमिटेड

Aavas Financiers Ltd — SAPNE AAPKE, SAATH HAMAARA

(पूर्व में ''ए.यू. हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड'' के नाम से ज्ञात) (CIN: L65922RJ2011PLC034297)

रजि. & कॉर्पोरेट ऑफिस: 201-202, दूसरी मंजिल, साउथ एण्ड स्क्वायर, मानसरोवर इण्डस्ट्रियल एरिया, जयपुर-302020

निविदा सूचना

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के शर्तें व नियम 8(6) के अन्तर्गत अचल सम्पत्ति की नीलामी विक्रय सूचना

आमजन तथा एवं व्यक्ति विशेष देनदारों तथा जमानती को सूचित किया जाता है कि निम्न उल्लेखित प्रत्याभूत ऋणदाता की गिरवी/प्रभारित अचल सम्पत्ति, जिसका भौतिक कब्जा आवास फाईनेंसियर्स लिमिटेड (पूर्व में एयू फाईनेंसियर्स (इण्डिया) लिमिटेड के नाम से ज्ञात) के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया था, प्रत्याभूत ऋणदाता ''जैसे है जहाँ है'' जो भी और जैसा भी है के आधार पर विक्रय करने जा रहे है। प्रकरणों का विशेष विवरण इस प्रकार है-

ऋणी/सह–ऋणी/जमानती/ बंधककर्ता का नाम	बकाया राशि दिनांक	13(2) डिमांड नोटिस की राशि व दिनांक	कब्जे की दिनांक	संपत्ति का विवरण (प्रतिभूति आस्ति)	संपत्ति का आरक्षित मूल्य	संपत्ति की धरोहर राशि	निविदा खोले जाने की तिथि व समय	निविदा खोलने, जमा कराने व नीलामी का स्थान आवास फाईनेन्सियर्स लि.
धरना मालोत्रा, श्री हरमीत सिंह जमानतदार: श्री अशोक कुमार मल्होत्रा खाता सं. : LNNOH02218-190096952	₹ 1408962/- बकाया दिनांक 20 जुलाई 2024	06 सितंबर 2023 ₹ 1429128/- बकाया दिनांक 05 सितंबर 2023	27 फरवरी 2024	फ्रीहोल्ड आवासीय संपत्ति, निचला ग्राउंड फ्लोर (बाएं तरफ का भाग) (ग्राउंड फ्लोर के रूप में ज्ञात), छत के अधिकार के बिना, संपत्ति नं. 712-बी, गली नं. 7, खसरा नंबर 92 में से, स्थित गोविंदपुरी, कालकाजी, नई दिल्ली क्षेत्रफल 50 वर्ग गज	₹ 1701700/-	₹ 170170/-	प्रातः11 बजे से दोपहर 1 बजे तक दिनांक 30 अगस्त 2024	फ्लैट नं. 701, विक्रम टावर बिल्डिंग, राजेंद्र प्लेस, नई दिल्ली-110008, दिल्ली -भारत

निविदा की शर्तें : 1. निविदा में सहभागिता करने हेतु इच्छुक खरीददार अपनी निविदा शाखा में उपलब्ध निविदा प्रपत्र जो कार्य दिवस के समय शाखा से प्राप्त किये जा सकते हैं, में अपने द्वारा निवेदित मूल्य लिखकर सीलबंद लिफाफे में जिसके ऊपर ''टेण्डर ऑफर सम्पत्ति का विवरण'' लिखा हो के साथ उपरोक्त वर्णित धरोहर राशि के चैक/बैंकर्स चैक/मॉंग ड्राफ्ट जो कि प्राधिकृत अधिकारी, आवास फाईनेंसियर्स लिमिटेड (पूर्व में ''ए.यू. हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड'' के नाम से ज्ञात) के पक्ष में जयपुर में देय हो, नीलामी से पहले कार्य दिवस के दौरान आवास फाईनेंसियर्स लिमिटेड (पूर्व में ''ए.यू. हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड'' के नाम से ज्ञात) के उपरोक्त पते पर जमा करा कर निविदा में भाग ले सकते हैं। प्राप्त निविदाएं आवास फाईनेंसियर्स लिमिटेड (पूर्व में ''ए.यू. हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड'' के नाम से ज्ञात) के उपरोक्त पते पर उपस्थित निविदाकर्ताओं के समक्ष खोली जावेगी। इसके पश्चात निविदाकर्ताओं के बीच खुली बोली लगवाने का विकल्प प्राधिकृत अधिकारी के पास सुरक्षित है। यदि बोली सफल नहीं होती है तो असफल निविदाकर्ताओं को उसी दिन धरोहर राशि लौटा दी जायेगी। 2. सफल निविदाकर्ता को 25 प्रतिशत राशि (धरोहर राशि सहित) प्राधिकृत अधिकारी के द्वारा सफल निविदाकर्ता के नाम की उद्घोषणा करने के तुरन्त पश्चात, जमा करवाना होगा तथा शेष राशि विक्रय की पुष्टि के दिन से 30 दिन के अन्दर जमा कराना आवश्यक है, अन्यथा जमा राशि बिना सूचना बैंक में जब्त समझी जायेगी। 3. प्राधिकृत अधिकारी को बिना कोई कारण बताये बोली स्वीकार अथवा अस्वीकार करने या निविदा स्थगित करने का पूर्ण अधिकार है। निविदा जमा कराने व निविदा खोलने वाली दिनांक को राजकीय अवकाश होने की स्थिति में निविदा अगले कार्य दिवस वाले दिन होगी। 4. सम्पत्ति के निरीक्षण हेतु सम्पत्ति अथवा निविदा से संबंधित जानकारी हेतु इच्छुक निविदाकर्ता, आवास फाईनेंसियर्स लिमिटेड (पूर्व में ''ए.यू. हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड'' के नाम से ज्ञात) 201–202, दूसरी मंजिल, साउथ एण्ड स्क्वायर, मानसरोवर इण्डस्ट्रियल एरिया, जयपुर–302020 मनोज कुमार – 8130291423 नोटः– यह सूचना पत्र ऋणी/जमानती/बंधककर्ता के लिए भी नियम 9 (1)/8(6) के अधीन 15/30 दिवस का सूचना पत्र माना जायेगा कि यदि बैंक को देय राशि की अदायगी उनके द्वारा नहीं की जाती है तो उक्त संपत्ति निविदा द्वारा उपरोक्त दिनांक पर ही विक्रय की जाएगी।

स्थान : जयपुर **दिनांक: 30.07.2024** **प्राधिकृत अधिकारी आवास फाईनेंसियर्स लिमिटेड**

महादेव के प्रिय श्रावण मास के पवित्र द्वितीय सोमवार की आप सभी को हार्दिक बधाई! भगवान भोलेनाथ से यही प्रार्थना कि धरा पर आपकी कृपा से अनवरत वर्षा होती रहे, सब सुखी हों और घर-आंगन में समृद्धि आए।

— वसुंधरा राजे@VasundharaBJP

छोटे पर्दे के कार्यक्रम

बी4यू : अप. 03.00 बजे

फिल्म : 'वीर'

डीडी-1 05.00 आराधना, 05.30 वंदेमातरम, 05.31 आराधना, 06.00 आरती : रामलला, 06.30 सोच बदलो जीवन बदलो, 07.00 योगा, 07.30 चित्रहार, 08.00 मॉर्निंग शो, 09.00 सांई बाबा, 10.00 महाभारत, 11.00 हम तो मिडिल क्लास हैं, 11.30 जानकी, 12.00 आवंतिका, 12.30 वाह क्या टेस्ट है, 01.00 हिंदी फीचर फिल्म, 04.00 पिग्गी बैंक, 04.30 गली गली सिम सिम, 05.00 महाभारत, 06.00 सांई बाबा, 07.00 संकट मोचन हनुमान, 07.30 चित्रहार, 08.00 हम तो मिडिल क्लास हैं, 08.30 जानकी, 09.00 आवंतिका, 09.30 फ्लटन, 10.00 युग, 10.30 चित्रहार, 11.00 वाह क्या टेस्ट है, 11.30 मेलोडियस 8।

सहारा वन 06.00 जय जय जय बजरंगबली, 06.30 डोली सजा के, 07.00 वो रहने वाली महलों की, 07.30 घर एक सपना, 08.00 डोली सजा के, 08.30 जय जय जय बजरंगबली, 09.00 करिश्मा, 09.30 घर एक सपना, 10.00 वो रहने वाली महलों की, 10.30 करिश्मा, 11.00 जय जय जय बजरंगबली, 11.30 डोली सजा के, 12.00 हिंदी फीचर फिल्म, 03.00 हिंदी फीचर फिल्म।

जी टीवी 06.00 कुमकुम भाग्य, 06.30 कुण्डली भाग्य, 07.00 मीत, 07.30 भाग्य लक्ष्मी, 08.00 मैं हूं अपराजिता, 08.30 राधा मोहन, 09.00 कुण्डली भाग्य, 09.30 भाग्य लक्ष्मी, 10.00 मीत, 10.30 कुमकुम भाग्य, 11.00 कुण्डली भाग्य, 11.30 भाग्य लक्ष्मी, 12.00 राधा मोहन, 12.30 भाग्य लक्ष्मी, 01.00 कुण्डली भाग्य, 01.30 भाग्य लक्ष्मी, 02.00 मैं हूं अपराजिता, 03.00 कुण्डली भाग्य, 04.00 मीत, 05.00 कुण्डली भाग्य, 05.30 भाग्य लक्ष्मी, 06.00 मीत, 07.00 मैत्री, 07.30 मैं हूं अपराजिता, 08.00 राधा मोहन, 08.30 भाग्य लक्ष्मी, 09.00 कुमकुम भाग्य, 09.30 कुण्डली भाग्य, 10.00 रब से है दुआ, 10.30 मीत, 11.00 भाग्य लक्ष्मी, 11.30 राधा मोहन।

स्टार प्लस 06.05 गुम है किसी के प्यार में, 06.30 ये रिश्ता क्या कहलाता है, 08.00 तेरी मेरी दूरियां, 08.30 गुम है किसी के प्यार में, 09.00 अनुपमा, 09.30 ये रिश्ता क्या कहलाता है, 10.00 पंड्या स्टोर, 10.30 गुम है किसी के प्यार में, 11.00 तेरी मेरी दूरियां, 11.30 अनुपमा, 12.00 ये रिश्ता क्या कहलाता है, 12.30 दिल और बाती हम, 02.30 ये रिश्ता क्या कहलाता है, 05.00 साथ निभाना साथिया, 06.00 प्यार का दर्द है मीठा मीठा प्यारा प्यारा, 07.00 तेरी मेरी दूरियां, 07.30 पंड्या स्टोर, 08.00 गुम है किसी के प्यार में, 08.30 इमली, 09.00 फालतू, 09.30 ये रिश्ता क्या कहलाता है, 10.00 अनुपमा, 10.30 ये है चाहते, 11.00 चाशनी, 11.30 गुम है किसी के प्यार में।

टीवी की फिल्में

बी4यू 07.00 प्रातः 'दरार', 11.00 पूर्वा. 'बादशाह', 03.00 अप. 'खुद्दार', 07.00 रात्रि 'खुद्दार', 11.00 रात्रि 'जान से प्यारा'।

& फिलिक्स 09.15 प्रातः 'एसेसिनेशन गेम्स', 11.00 पूर्वा. 'अंडरवर्ल्ड', 12.25 अप. '30 मिनिट्स और लैस', 03.35 अप. 'एनाकोंडा 4', 04.55 अप. '30 डेज आफ नाइट्स', 07.05 रात्रि 'एक्सीडेंट मैन', 09.00 रात्रि 'द लीजेंड आफ जोरो'।

मूवीज नाउ 10.00 प्रातः 'लारा क्राफ्ट टॉम्ब रेडर', 11.45 पूर्वा. 'रेडी और नाट', 01.15 अप. 'डोरा एंड द लोस्ट सिटी आफ गोल्ड', 03.05 अप. 'टॉप गन', 05.10 सायं 'एपिक', 06.50 सायं 'रॉथ आफ मैन', 08.50 रात्रि 'हाउ टू ट्रेन योर ड्रैगन 2'।

सोनी पिक्स 10.30 प्रातः 'इट चेप्टर2', 01.15 अप. 'पेसफिक रिम', 03.30 अप. 'मेड मैक्स', 05.35 सायं 'वेनम', 07.35 रात्रि 'अन्नाबेले', 09.00 रात्रि 'जॉन विक'।

ट्रैवल एंड लिविंग 07.00 केक बॉस, 08.00 ब्राइड वाई डिजाइन, 08.30 कर्वी ब्राइड, 09.30 कैंडी क्वीन, 10.30 रैकल एलन आल थिंग्स स्वीट, 12.00 प्रोजेक्ट रनवे, 01.00 केक बॉस, 02.00 अल्टीमेट केक ऑफ, 05.00 ब्राइड वाई डिजाइन, 05.30 कर्वी ब्राइड, 06.00 केक बॉस, 10.00 प्रोजेक्ट रनवे।

डिस्कवरी 08.00 ड्यूअल सरवाइवल, 09.00 मैन वर्सेस वाइल्ड, 01.30 सैवेज फैमिली ड्रिग्स, 02.00 फूड फैक्ट्री, 05.00 मैन वर्सेस वाइल्ड, 09.00 मुम्बई रैनजेस, 12.00 हंटिंग।

एनीमल प्लेनेट 08.00 न्यू लाइफ : बार्न टू हंट, 09.00 मामा हयना, 03.00 क्रॉस ऑफ कटुमा, 11.00 रिवेंज ऑफ द लॉयन क्वीन्स।

सोनी बीबीसी अर्थ 08.00 टैक टॉयज 360, 09.00 द माइंड कंट्रोल फ्रैक्स, 11.30 एवरीथिंग यू नीड टू नो, 12.00 वैदर कंट्रोल वाइरल, 01.00 टैक टॉयज 360, 01.30 टैक टॉयज 360, 02.30 एवरीथिंग यू नीड टू नो, 03.00 व्हाट आन अर्थ, 04.00 फ्रंटलाइन बैटल मशीन्स विद माइक ब्रेव, 05.00 हाउ द यूनिवर्स वर्क्स, 06.00 टैक टॉयज 360।

राशिफल/पंचांग

मंगलवार, 30 जुलाई, 2024

पं. कृष्ण गोपाल मिश्र

के.6	बु.5	3
7	शु.सू.4	चं.वृ.मं.2
8	10	1
9	श.11	रा.12

दैनिक सूर्योदय : दिल्ली-प्रातः 05:41, काशी-प्रातः 05:24, कानपुर-प्रातः 05:33, पटना-प्रातः 05:15, देहरादून-प्रातः 05:35, गोरखपुर-प्रातः 05:20, लखनऊ-प्रातः 05:29 बजे। **दैनिक सूर्यास्त :** दिल्ली-रात्रि 07:13, काशी-सायं 06:44, कानपुर-रात्रि 06:56, पटना-सायं 06:36, देहरादून-रात्रि 07:12, गोरखपुर-सायं 06:45, लखनऊ-रात्रि 06:55 बजे। **दैनिक चंद्रोदय :** दिल्ली-अर्द्धरात्रियोत्तर 01.24, काशी-अर्द्धरात्रियोत्तर 01.08, कानपुर-अर्द्धरात्रियोत्तर 01.17, पटना-अर्द्धरात्रियोत्तर 00.59, देहरादून-अर्द्धरात्रियोत्तर 01:15, गोरखपुर-अर्द्धरात्रियोत्तर 01.03, लखनऊ-अर्द्धरात्रियोत्तर 01.13 बजे। **दैनिक चंद्रास्त :** दिल्ली-अप. 03.04, काशी-अप. 02:31, कानपुर-अप. 02:45, पटना-अप. 02:23, देहरादून-अप. 03:05, गोरखपुर-अप. 02:33, लखनऊ-अप. 02:43 बजे। राहुकाल 03:00 से 04:30 बजे। राष्ट्रीय श्रावण 08, शक् संवत् 1946। श्रावण कृष्ण दशमी, संवत् 2081, सौर (कर्क) श्रावण मास की 16, प्रविष्टें। मुहर्रम् 23, हिजरी 1446 (मुस्लिम)। वर्षा ऋतु। श्रावण कृष्ण पक्ष दशमी अप. 16:44 बजे तक, तदन्तर एकादशी तिथि शुरु। कृत्तिका नक्षत्र प्रातः 10:23 बजे तक तदन्तर रोहिणी नक्षत्र शुरु। वृद्धि योग अप. 15:56 बजे तक, तदन्तर ध्रुव योग शुरु। चन्द्रमा पूरा दिन-रात वृषभ राशि में ही संचरण करेगा।

-- दैनिक राशिफल --

मेष : कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। नाजुक संबंधों में तालमेल बैठाने का प्रयत्न करें। नये कार्यों के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। मन भौतिक परिवेश के साथ तालमेल बिठाने में असमर्थ होगा।

वृषभ : विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां संभव। जीविका क्षेत्र में नये आयाम उत्साहित करेंगे। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलें। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में परिश्रम तीव्र होगा।

मिथुन : किसी सहकर्मी के खराब व्यवहार से कष्ट संभव। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। पारिवारिक संबंधों में कटुता न आने दें। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव।

कर्क : किसी विपरीतलिंगी संबंध के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। रोजगार में समस्याओं से हतोत्साहित न हों। अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखें क्योंकि आगे बहुत सारी सफलताएं मिलेंगी। किसी पुराने संबंधी से भेंट संभव।

सिंह : अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुर होंगे। रोजगार की समस्याओं को लेकर चिंतित होंगे। बड़ी यात्रा के प्रति उत्साहित होंगे। असीम प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन मन प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा।

कन्या : कोई महत्वपूर्ण आकांक्षा अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्वेलित करेगी। दूसरों की आलोचना का असर अपने मनोबल पर न पड़ने दें। ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अच्छे अवसर प्रदान करेगी।

तुला : कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। कुछ आर्थिक प्रगति के लिए मन नई युक्तियों पर केंद्रित होगा। कुछ नई सफलताएं सुखों का आगाज करेंगी। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा।

वृश्चिक : बीती बातों को भूल वर्तमान में जीने की चेष्ठा करें। कल्पनाएं व आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्वेलित करेंगी। निरर्थक दूसरों की पीठ पीछे आलोचना न करें, अन्यथा छवि कुप्रभावित हो सकती है।

धनु : दूसरों की सफलता से अपने अंदर हीन भावना न आने दें। नौकरी का वातावरण थोड़ा अरुचिकर होगा। दूसरों की बात इधर से उधर न करें। जीवन साथी का भावनात्मक सहयोग मिलेगा।

मकर : रोजगार में कुछ आकस्मिक सफलता मिलेगी। घरेलू दायित्वों की पूर्ति में व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से प्रसन्न होंगे। कार्यक्षेत्र में अपनी क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाने का समय आ गया है।

कुंभ : रोजगार क्षेत्र में नये अवसर उत्साह का संचार करेंगे परन्तु आवेश में कोई निर्णय न लें। राजनीतिज्ञों की व्यस्तता बढ़ेगी। श्रेष्ठजनों का स्नेहमिलेगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा।

मीन : अपकी सारी समस्याएं खुद-ब-खुद सुलझ जाएंगी, थोड़ धैर्य पूर्वक वक्त का इन्तजार करें। किसी नई दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

वर्गीकृत विज्ञापन दर
25 शब्दों तक
रु.400/-मात्र
16/-प्रति शब्द अतिरिक्त
न्यूनतम 25 शब्द अतिरिक्त 50 शब्द
+5 प्रतिशत जीएसटी

वर्गीकृत विज्ञापन

नाम परिवर्तन

Hitherto inform all I,Danish S/o Zahir Ahmed R/o-L-2, 924, Gali No.19,Sangam Vihar, Delhi-110062, declare that my name mentioned as Danish Ahmed in my Bank Record, DANISH and DANISH AHMED both names of one and same person. my correct name Danish may consider for all purpose in future. D-2401462

सूचना

मेरे मुवक्किल रामनिवास एवं सुधादेवी निवासी खसरा नं.121/25 ब्लाक ए कमलविहार, कमलपुर, बुरारी, नार्थ दिल्ली-84 ने अपने पुत्र कैलाश, पुत्रवधू दिव्या को उनके दुर्व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पति एवं संबंधों से बेदखल कर दिया है, अब उनके किसी कृत्यों/ लेनदेन के लिए मेरे मुवक्किल उत्तरदायी नहीं होंगे। पूनम (एडवोकेट) (बैंक)

मेरे मुवक्किलगण शशि श्रीवास्तव व उनके पति दिलीप श्रीवास्तव दोनों निवासीगण-148, पहली मंजिल, विकास कुंज, लोनी, गाजियाबाद यू.पी-201102 ने अपने बेटे अभिषेक श्रीवास्तव के दुर्व्यवहार और आचरण के कारण अपने सभी सम्बन्ध-विच्छेद कर लिए है। उसके किसी भी कार्य के लिए मेरे मुवक्किलगण जिम्मेदार नहीं होंगे। अर्पित जैन (एडवोकेट) डी-2401460

मैं, मुन्ना लाल पुत्र जग नारायण निवासी म.नं.-ए -537 गली नं.-16 हर्ष विहार फेस-2 साहिबाबाद गाजियाबाद उ.प्र. मैने अपनी पत्नी ममता दोनो पुत्री मानसी व पलक व अपने पुत्र प्रशान्त को उनके दुर्व्यवहार के कारण अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखलकर पारिवारिक संबंध विच्छेदकर लिए है किसी भी लेन-देन के लिए वह स्वंय जिम्मेदार होंगे। (बैंक/एफएमजी)

MY client Akil Ahmad S/o Bashir Ahmad R/o H.No-129 Gali No-19 old Mustafabad Delhi-94. has broken all the relation Social with his son Mohd Irfan because of their bad activities he also debbared them from all of his moveable- immoveable properties. My client shall not be responsible for any acts. Rajkumar sharma (Advocate) (Bank)

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि संपत्ति नंबर 57, न्यू लाहौर शास्त्री नगर, दिल्ली-110031, की Orginal GPA & Will Deed दिनांक 25.07.1997 (Both Regd.) कहीं खो गयी है। जिस किसी व्यक्ति को मिले, उपरोक्त पते पर सम्पर्क करें। बीना देवी 9643492248. (बिल)

मेरे मुवक्किल राकेश पुत्र वेदप्रकाश निवासी स्ट्रीट नं. 7, 3720/18, शांति मोहल्ला, गांधी नगर, दिल्ली-110031 ने अपने पुत्र करण एवं पुत्रियां खुशी, चारु, सुरभि को उनके दुर्व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर सम्बन्ध-विच्छेद कर लिये हैं, उनके किसी भी कार्य /लेन-देन हेतु मेरे मुवक्किल जिम्मेदार नही होगा। राजेश कुमार शर्मा (अधिवक्ता) डी-

My client Munishwar Dayal Mithal S/o Late Madan Lal Mithal R/o B-6/847, Ashiana Nirmay Bhiwadi, Alwar, Rajasthan has cancelled GPA executed in favour of Vinish Mittal S/o Munishwar Dayal Mithal. My client will not be responsible for Any transaction through said GPA. Rajesh Tiwari (Advocate) D-2401460

My client Mangal Sain S/o Nannu R/o B-14/76, Gali No.-11, Subhash Mohalla, North Ghonda, Delhi-110053 has severed relations and debarred his daughter-in-law Chanchal from his movable-immovable properties due to her misconduct. My client shall not be responsible for any acts committed by her. Arman Saifi (Advocate) D-2401460A

MY CLIENT ALIMUDDIN and his wife Mun Zareen (Both) R/o H.No-90 Gali No-23 E-Block old Mustafabad Delhi-94 . Has broken all the relation Social with his Son Suhail Khan because of their bad activities he also debbared them from all of his moveable- immoveable properties. My client shall not be responsible for any acts. Rajkumar sharma (Advocate) (Bank)

My client Mohd. Yasain S/o Lt. Abid Ali and his wife Nuroon Nisha R/o D-50, Sewak Park, Uttam Nagar has severed all relations with their sons namely Mohd. Irfan, Mohd. Ahraj & Mohd. Afak because of their bad habbits/behavior & also disowned/ debarred them from all moveable and immoveable properties. My client shall not be responsible for any transaction or relationship or any act/omission done by her. Mayank Sharma (Advocate) (Bank)

खोया-पाया

खोया-पाया

मै स्नेह गौड पत्नी श्री रणवीर सिंह निवासी बी - 166, सै.-14, नोएडा भूखंड संख्या सी-2/32 से.-31, की जी.पी.ए. धारक हूं। इस भूखंड के स्वामी श्रीमती पुष्प कायत व श्री गोपीराम है। मुझसे उपरोक्त भूखंड का शेयर प्रमाण पत्र, जिसकी सदस्यता क्रमांक 4117 (ए) है व जिसको केंद्रीय सरकारी सेवा सहकारी भूमि तथा गृह निर्माण समिति लि. (पंजीकृत) ने जारी किया था, खो गया है। यदि किसी व्यक्ति को यह प्रमाण पत्र मिलता है तो कृपया करके मेरे आवास पर देने की कृपा करे। (बैंक)

सूचना

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल अरविन्द कुमार सिंह पुत्र श्री छेदी सिंह निवासी डी-29, गली नं.-2, ईस्ट नत्थू कालोनी, रेलवे लाईन, शाहदरा, दिल्ली-110093 ने अपने पुत्र आकाश को उसके दुर्व्यवहार व गलत आचरण के चलते उसे अपनी समस्त चल - अचल सम्पत्ति से बेदखलकर अपने सभी संबंध- विच्छेद कर लिये हैं। भविष्य में उसके द्वारा किसी भी कृत्य के लिए मेरे मुवक्किल व उसका परिवार जिम्मेदार नहीं होगा। **रविन्द्र कुमार** (अधिवक्ता) एफ. 414, एफ ब्लॉक, लायर चैम्बर कड़कड़डूमा कोर्टस दिल्ली-32, डी-

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री रामस्वरूप पुत्र श्री हरिप्रसाद व उनकी पत्नी श्रीमती रीता दोनों निवासी- म. नं.-17, गली नं.-1, अमित विहार, बेहटा हाजीपुर, गाजियाबाद, लोनी, उ.प्र.-201202 ने अपने बेटे शिवम पाल एवं पुत्रवधू श्रीमती काजल से उनके दुर्व्यवहार के कारण अपने समस्त पारिवारिक सम्बन्ध तोडकर अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखलकर दिये हैं। भविष्य में उनके किसी भी कार्य व लेन-देन हेतु मेरे मुवक्किलगण जिम्मेदार नहीं होंगे। **सुमेश कुमार आर्य** (अधिवक्ता), मो. नं. 9810796024. डी-2401461

PUBLIC NOTICE

My client, Abha Shukla D/o Late Ashok Shukla R/o Flat No. 7002, Tower -18, Mahagun Mywoods, Sector- 16C, Greater Noida, West Gautam Buddha Nagar U.P.-201009, do hereby notify for public at large that she is registering the Will Deed of her father Late Ashok Shukla after his death who expired on 26.07.2000 as per his Will Deed executed on 20.01.2000 in favour of my client. Any person/s having any objection /claim(s), interest for the proposed Will and Codicil Registration of aforesaid Late Ashok Shukla may contact the undersigned within 3 days from the publication of this notice, failing which the claim of any such person will be considered to have been waived and/or abandoned and the Will Deed shall be Registered with immediate effect. Naseem Ahmed(Advocate) Ch.No. D-310, Karkardooma Court, Delhi-110032, M.No. 8750545443. G-

PUBLIC NOTICE

My client Smt. Mahakwati, wife of Late Master Jai Bhagwan Sharma, R/o Village Bijwara, Tehsil Baraut, District Bagpat, U.P. have disowned/debarred my son Hari Om Sharma, @ Poudhi, W/o Late Master Jai Bhagwan Sharma, and his wife namely Preeti, from her moveable and immoveable properties and other assets and have severed all her family relation with them by all means, any person dealing with them by any one herself/himself shall be solely responsible for the same. **Shrinkar Chaturvedi** (Advocate) Ch. No. 204, Patiala House Courts, New Delhi-110001 Mob. No. 9910931240. D-2401444

Public Notice

General Public at large is informed that my client Smt. Parveen Jaggerwal W/o Late Shri Nihal Chand aged about 61 Years R/o-14/3648, Raigar Pura, Karol Bagh, New Delhi-05 has disowned and debarred her both sons namely Lokesh Jaggerwal, aged about 32 years and Daksh Jaggerwal, aged about 29 years and daughter namely Mrs. Anuradha, aged about 39 years, Alongwith with their families including their wife/husband and children from all her movables and immovable properties and also severed all relations from them as they are not under the control of my client. My client is not responsible for any of their acts, deeds and things whatsoever in any manner and if anyone deals with them shall be dealing as per his/her own risks, cost and consequences. **S.P. Gupta** (Advocate) Ch.No. 620, Dwarka Courts Complex, Sector-10, Dwarka, New Delhi-75, Mob.9717321267, D-2401459

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह उपयुक्त जांच-पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

अदालती सूचना

इश्तहार मजरिया
न्यायालय श्रीमान जिला जज, गाजियाबाद
विविध वाद सं. 34/2023

श्रीमती बबीता अहलावत पत्नी स्व. श्री सतेन्द्र निवासी वार्ड नं.-10, दौराला, तहसील सरधना, जिला मेरठ। ...वादी

बनाम

1. संजीव अहलावत पुत्र सहंसरपाल निवासी सी-50 प्रथम तल, ब्लॉक पी, सैक्टर-75, बी.पी.टी.पी. नीमका फरीदाबाद, हरियाणा।
2. राजीव अहलावत पुत्र सहंसरपाल निवासी सी-51 श्रीजन विहार, टाउनशिप, पुनपल, एन.टी.पी.सी. मेजा पोस्ट कोथर लखावटी, जिला प्रयागराज।
3. श्रीमती पूनम पत्नी संजय बरार निवासी रहीमपुर अहलावा तहसील स्याना जिला बुलन्दशहर।
4. सुनम अहलावत पत्नी कपिल मलिक निवासी ग्राम फुगाना जिला मुजफ्फरनगर हाल निवासी वार्ड नं.-10, दौराला तहसील सरधना जिला मेरठ। ...विपक्षीगण

उपरोक्त नामांकित वादिनी ने एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 8 हिन्दू माईनर एण्ड गार्जियन एक्ट इस आशय का प्रस्तुत किया है कि वादिनी अपने नाबालिग पुत्र यश अहलावत व नाबालिग पुत्री कु. नव्या चौधरी की देख-भाल व पालन पोषण करती है। वादिनी को अपने नाबालिग बच्चों की शिक्षा- दीक्षा एवं उज्जवल भविष्य हेतु नाबालिगों व उनकी सम्पत्ति का बली /अभिभावक नियुक्त किया जाकर नाबालिगों के हिस्से की सम्पत्ति कृषि भूमि खसरा सं.-99/1 रकबई 0.8870 है. स्थित ग्राम काजमपुर परगना जलालाबाद तहसील मोदीनगर, जिला गाजियाबाद को विक्रय करने की अनुमति प्रदान की जावे।

अतः यह इश्तहार मजरिया जारी किया जाता है कि उक्त आवेदन के खिलाफ कोई एतराज हो तो वह उक्त वाद में नियत दिनांक **05.08.2024** को स्वयं या अपने अधिवक्ताके माध्यम से प्रस्तुत करे, अन्यथा न्यायालय द्वारा उचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।

आज दिनांक **26.07.2024** को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से अंकित कर जारी किया गया।

आदेशतः
मुंसरिम
न्यायालय जनपद न्यायाधीश, गाजियाबाद
जी-

सम्मन वास्ते करारबाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय अपर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय सं.-2, गाजियाबाद
वाद संख्या- 1473/ 2023

जयप्रकाश पुत्र स्व. श्री प्रदीप कुमार आयु करीब 34 वर्ष निवासी- 403, प्रथम तल, कैलाश -नगर- प्रथम, विजय नगर, तहसील व जिला गाजियाबाद। ...वादी

बनाम

श्रीमती रेनू पत्नी जयप्रकाश पुत्री लालाराम आयु करीब 33 वर्ष निवासी- 4/41, दक्षिणपुरी अम्बेडकर नगर, पुष्पा भवन साउथ दिल्ली, दिल्ली-110062. ...प्रतिवादी

हरगाह वादी ने आपके नाम एक नालिश वाद बाबत तलाक की डिक्री प्राप्ति हेतु दायर किया है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख **01 माह 08 सन् 2024** बवक्त **10.00** बजे दिन के असालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमे के हालात से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और कुल उमूरात अहम मुताल्लिका मुकदमा का जवाब दे हाजिर हो और जवाब देही दावा की करे और आपका लाजिम है कि उसी रोज अपने जुमला दस्तावेज पेश करें जिन पर आप बताईद अपनी जवाब देही के इस्तदमाल करना चाहते हों ।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आप मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख **26 माह 07 सन् 2024** ई. जारी किया गया।

आज्ञानुसारः
न्यायालय अपर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय सं.-2, गाजियाबाद
जी-

IN THE COURT OF **Sh. Rinku Jain,** Administrative Civil Judge-Cum-Commercial Civil Judge-Cum-Addl. Rant Controller, (North-East), Room No. 316, Karkardooma Courts, Delhi.
Petition No. SC-25/2024.
Smt. Kiran W/o Sh. Brij Kumar D/o Late Sh. Manglu Ram, R/o 1/2480/A, Moti Ram Road, Near Mukherjee School, Ram Nagar, Shahdara, Delhi-110032. PresentlyAt-29-B/5, Ground Floor, Gali No.4, Arjun Mohalla, Maujpur, Ganesh Gali, Delhi-110053.
Versus
State And Ors.
FOR SUCCESSION CERTIFICATE UNDER INDIAN SUCCESSION ACT, 1925.
To,
ALL CONCERNED

Whereas in the above noted petition the applicant/petitioner has applied for Succession Certificate to the Hon'ble Court Under Section 372 of the Indian Succession Act, 1925 in respect of the debt and securities etc. to be standing in the name of (the deceased) Late Shri Manglu Ram S/o Late Sh. Bhushan Singh R/o H. No. A/46, Gali No.2, Subhash Mohalla, North Ghonda, Garhi Mendu, North East, Delhi-110053.

Whereas the **05th day of August, 2024 at 10:00 O'** clock in the forenoon has been fixed for hearing of the application, notice is hereby given to all concerned.

Given under my hand and the seal of the court, on this **27th day of July, 2024.**

ACJ-CUM-CCJ-CUM-ARC (North-East), Karkardooma Courts, Delhi.
D-

अदालती सूचना

PROCLAMATION REQUIRING ATTENDANCE OF DEFENDANT
(ORDER 5, RULE 20 OF THE CODE OF CIVIL PROCEDURE)
IN THE COURT OF IN THE COURT OF **Sh. Kishor Kumar, LD.,** Additional District Judge-04, (North District), Room No.407, 4th Floor, Rohini Court, Delhi.
CS DJ-508/2018
Nikhil Gupta
V/s
M/s Supreflex Industries Pvt. Ltd.
To
Defendant:- 1. M/s Suprerflex Industries Pvt. Ltd. B-182, B Block, Hari Nagar, Mayapuri, Delhi-110064. 2. Kapil Anand (Director), M/s Suprerflex Industries Pvt. Ltd. B-182, B Block, Hari Nagar, Mayapuri, Delhi-110064.

Whereas you are intentionally evading service of summons it is hereby notified that if you shall not defend the case on the **29th day of August, 2024** the day fixed for the final disposal, it will be heard and determined ex-parte.

Given under my hand and the seal of the court, this **06th day of June, 2024.**

Additional District Judge -04 (North) Rohini Courts, Delhi.
D-

IN THE COURT OF **Sh. Vinod Joshi**, Administrative Civil Judge-Cum-Commercial Civil Judge-Cum-Addl. Rant Controller, Room No. 23, 1stFloor, Karkardooma Courts, Delhi.
FOR SUCCESSION CERTIFICATE UNDER INDIAN SUCCESSION ACT, 1925
Petition No. Succession Court/67/2023
N.D.O.H. 05.08.2024
Smt. Varsha & Ors. W/o Late Sh. Vipin Kumar, R/o H. No.17/488, Chilla Saroda Khadar, Kalyan Puri, East Delhi, Delhi-110091. Also At: House No.73, Gali No.1, Indergarhi Akash Nagar, Ghanshyam Farm House, Near Tyagi Hostel, Ghaziabad, U.P.
….. Petitioner
V/s
The State (NCT of Delhi) &Ors.
...Respondent
To,
Ms. Preeti Verma, R/o Sikhohabad, U.P.

Whereas in the above noted Petition the applicant/petitioner has applied for Succession Certificate to the Hon'ble Court Under Section 372 of the Indian Succession Act, 1925 in respect of the amount of debts, and Securities and all service benefits to be standing in the name of Late Sh. Vipin Kumar S/o Sh. Jagdish Prashad (Deceased).

Whereas the **05/08/2024 at 10 O'clock** in the forenoon has been fixed for hearing or the publication notice is hereby given to all concerned to file their objection if any.

Given under my hand and the seal of the court, this **04th day of July, 2024.**

Administrate Civil Judge, Cum-Commercial Civil Judge-Cum-Addl. Rent Controller (East), Karkardooma Courts, Delhi.
D-

PROCLAMATION REQUIRING ATTENDANCE OF DEFENDANT (ORDER 5, RULE 20 OF THE CODE OF CIVIL PROCEDURE)
IN THE COURT OF **Ms. Shivali Bansal**, District Judge, (North)-03, Room No.301, 3rd Floor, District Courts, Rohini Delhi.
CS DJ-673/2019
Hare Ram ...(Plaintiff)
V/s
Suresh Paswan @ Suresh Kumar @ S.K. Bihari ...(Defendant)
To
Suresh Paswan @ Suresh Kumar @ S.K. Bihari (Mob. No.9560132395) S/o Late Fauddar Paswan, R/o H. No.590, Sindhi Colony, Gali No.9, Swaroop Nagar, Delhi-110042. Premanently At: R/o 19, Sarari, Sarari City, Madhopur, Aanchal Mohanpur, Distt. Samastipur-848504, Bihar. Also Persently At-C/o Sh. Yadav Lal Paswan (Samdhi of Defendant) Gali No.16, D-Block, Vill. Kushak, Kushak, Near Sawroop Nagar, Delhi.

Whereas you are intentionally evading service of summons it is hereby notified that if you shall not defend the case on the **06th day of September, 2024 At 10 AM** the day fixed for the final disposal, it will be heard and determined ex-parte.

Given under my hand and the seal of the court, this **10th day of July, 2024.**

District Judge-03, (North) Rohini Court, Delhi.
D-

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान कुटुम्ब न्यायालय कोटद्वार जनपद-पौड़ी गढ़वाल
वै. वाद संख्या-192/22
कुसुम
बनाम
विजय सिंह
अन्तर्गत धारा-13(1)(ia) हि.वि.अधि.

श्रीमती कुसुम देवी पत्नी श्री विजय सिंह, पुत्री स्व. ओमप्रकाश हाल मायका ध्रुवपुर निकट-पंचायत घर पट्टी, सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला-पौड़ी गढ़वाल।

समन बनाम-श्री विजय सिंह पुत्र श्री शेर सिंह, निवासी-क्वालखाल, तहसील-चौबट्टाखाल, जनपद-पौड़ी गढ़वाल।

हाल निवासी-रामपार्क इलामचीपुर, गाँव-निकट एच.डी.एफ.सी. बैंक एवं सत्यम बिल्डर्स प्रधान इन्क्लेव, पोस्ट-लोनी, थाना-टोनिका सिटी, जनपद-गाजियाबाद उ.प्र.।

हरगाह प्रार्थिनी ने एक तलाक वाद अन्तर्गत धारा-13(1)(ia) हि.वि.अधि. आपके विरुद्ध मेरे न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिसमें सुनवाई हेतु दिनाँक 07.09.2024 की तिथी नियत है।

अतः आपको आदेशित किया जाता है कि आप नियत तिथि दिनांक 07.09.2024 को ठीक 10:00 बजे प्रातः मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर मामले की पैरवी करें अन्यथा आपके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

आज दिनाँक 27.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी।

न्यायालय परिवार न्यायाधीश (बिल) कोटद्वार गढ़वाल

निविदा सूचना

उ. प्र. पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लि.

ई-निविदा सूचना : अनुभवी कार्यदायी संस्थाओं / फर्मों से विद्युत 400 केवी उपसंस्थान खण्ड-द्वितीय मुरादनगर के अन्तर्गत निम्न कार्य सम्पादन हेतु ई-निविदाएं निम्न विवरणानुसार टी-01, निविदा तिथि 24.08.2024 को मध्याह्न 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जोकि दिनांक : 24.08.2024 को मध्याह्न 16.00 बजे (यदि अवकाश हो तो अगले कार्य दिवस में) को खोली जाएंगी। आमंत्रित ई-निविदाओं से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी वेबसाइट **www.etender.up.nic.in** पर उपलब्ध है ई- निविदाओं से सम्बन्धित विवरण निम्नलिखित है- 1. ई-निविदा संख्या टी-01/वि. 400 केवी उ.ख.-।।(मु.)/24-25, विद्युत 400 केवी उपकेन्द्र मुरादनगर-।। पर स्थापित **SCADA** प्रणाली का वार्षिक आधार पर अनुरक्षण सम्बन्धित कार्य हेतु धरोहर राशि रु. 2000/-, निति 24.08.2024, निशु रु. 590/- निविदा शुल्क, धरोहर राशि एवं अन्य व्यवसायिक प्रपत्र हार्ड कापी में अथवा व्यक्तिगत संवाहक के माध्यम से इस खण्ड कार्यालय में प्राप्त नहीं किये जाएंगें। ई- निविदा को बिना कारण बताए अस्वीकार करने का अधिकार अधिशासी अभियन्ता, विद्युत 400 केवी उपसंस्थान-द्वितीय के पास सुरक्षित रहेगा। ई-निविदा की अन्य नियम व शर्तें यथावत रहेंगी। **"राष्ट्रहित में बिजली बताएं साधारण बल्ब के स्थान पर एल.ई.डी. बल्ब का प्रयोग करें।"** अधिशासी अभियन्ता, विद्युत 400 केवी उपकेन्द्र खण्ड-।।, उ.प्र. पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लि., रावली रोड, मुरादनगर मोबाइल नं.-9412748666 गाजियाबाद। पत्रांकः 226/ वि. 400 केवी. उ. ख.-।।/मु./टी-01/2024-25 दिनांकः- 29.07.2024

राष्ट्रीय सहारा (हिन्दी दैनिक)

समाचार पत्र में **वर्गीकृत एवं अदालती सूचना** संबंधी विज्ञापन प्रकाशित कराने हेतु संपर्क करें :-

सी-1, 2, 3, सेक्टर-11, सहारा इंडिया कॉम्प्लेक्स, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर (उ.प्र.)

नोएडा
0120-2598452, 9811222337
7065477487, 9711999076

राष्ट्रीय सहारा

वर्गीकृत विज्ञापन बुकिंग केंद्र

दिल्ली

- **साईं एडवरटाइजिंग** ई-6, नियर गुरुद्वारा प्रताप नगर, दिल्ली। मो.नं. : 9811117748
- **वरुण एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग** ए-6, मैन कान्ति नगर, आजाद नगर चौक, कृष्णानगर, दिल्ली। मो.नं. : 9818027231
- **ओसियन कम्युनिकेशन** 341/3ए, शालीमार पार्क, एक्सटेंशन, शाहदरा, दिल्ली। मो.नं. : 9871007194
- **तहसीन एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग** वी-52, स्ट्रीट नं.- 27, विजय पार्क, दिल्ली-110053, मो.नं. : 9899289136
- **कर्मा एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग** यू.जी.-14, शिवलोक हाउस, द्वितीय, कॉमर्सियल कॉम्प्लेक्स, करमपुरा, नई दिल्ली। फोन नं. : 011-41427751
- **इकबाल एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग** सी-656, द्वितीय तल, जहांगीरपुरी, नई दिल्ली। फोन नं. : 9811913196
- **आयुषी एडवरटाइजिंग एजेंसी** 515, डी.डी.ए. जनता फ्लैट्स, पॉकेट-सी, ग्रुप-1, हस्तसाल, विकासपुरी, नई दिल्ली, मो.नं. : 9810701389
- **मां पीताम्बरा एडवरटाइजिंग** आई-1/ 21ए, बुद्ध विहार, फेस-1, दिल्ली- 110086, मो.नं. : 9911112238
- **एड मास्टर एडवरटाइजर** 2778, पीपल महादेव, हौज काजी, दिल्ली- 110006 फोन नं. : 011-23280716, मो.नं. : 9810716157
- **टू प्रोग्रेस मीडिया एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग** 196, गली नं.- 6, मंडोली एक्सटेंशन, बैंक कालोनी रोड, नई दिल्ली-110093, मो.नं. : 9871414767
- **एन.के. चौहान एडवरटाइजिंग** 114 (वाधवा कॉम्प्लेक्स, स्ट्रीट नं. 10, डी- 288, लक्ष्मीनगर, नई दिल्ली, मो.नं. : 9315495617
- **अंश एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग** सी-3, गुरुद्वारा रोड, विकास नगर एक्सटेंशन, मैन संटे बाजार, उत्तम नगर, नई दिल्ली। मो.नं. : 9953240249
- **त्रिमूर्ति एडवरटाइजिंग** जी-39, विशाल टॉवर, डिस्ट्रिक सेंटर जनकपुरी, नई दिल्ली। फोन नं. : 011-25530307

नोएडा

- **जय लक्ष्मी एडवरटाइजर** प्रथम तल कार्यालय, 55, कौशिक बिल्डिंग, मेट्रो पिलर नं. 223, मैन रोड होशियारपुर, निकट सी.टी. प्राइड बैंकट, सेक्टर-51, नोएडा मो.नं. : 9873807457/9810707457
- **यूनिक एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग ग्रुप** टी-12, तृतीय तल, मास्टर कॉम्प्लेक्स, सेक्टर-5, नोएडा, मो.नं. : 8826977227

गाजियाबाद

- **तिरुपति बालाजी एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग** प्लॉट नं. 516, , सेक्टर-12, फ्रेंड्स कॉपरेटिव सोसाइटी, नजदीक गेट नं. 2, वसुन्धरा, गाजियाबाद (उ.प्र.) 201012, मो.नं. : 9818373200, 9871895198, 8130640000
- **अवन्तिका कम्युनिकेशन** 24, सूरज मार्केट, ओम नगर, मोहन नगर, गाजियाबाद। मो.नं. : 9313368021/01204100324
- **आशा एडवरटाइजमेंट** गली नं. 4, हाउस नं. 72, शंकर विहार, अपोजिट रिलायंस पेट्रोल पम्प के सामने, गाजियाबाद। मो.नं. : 9971480036
- **राकेश कुमार एडवरटाइजिंग** शान्ति एन्क्लेव नियर लाल बहादुर शास्त्री स्कूल अपोजिट सर्वानन्द बिल्डिंग मेटेरियल, टिब्रा रोड, मोदी नगर, गाजियाबाद (उ.प्र.) मो.नं. 07599052228, 09650288737

फरीदाबाद

- **सारांश एड एण्ड मार्केटिंग** 56 प्रथम तल नीलम फ्लाईओवर मार्केटिंग एनआईटी फरीदाबाद। मो.नं. : 9811502088, 9818078183

मेरठ

- **दैनिक प्रचार माध्यम** 393/ए, रजबन छोटा बाजार, मेरठ कैण्ट-250001, मोबाइ नं. : 8791541952, 9456991952

नई दिल्ली। मंगलवार ● 30 जुलाई ● 2024
राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com

अंग्रेज चले गए लेकिन बांटो और राज करो की नीति कांग्रेस ने आज तक नहीं छोड़ी। हिंदुओं को बांटने के लिए राहुल गांधी जाति जनगणना की रट लगाए बैठा है। कोई इनसे पूछे अरे भई केवल हिंदुओं की ही जाति जनगणना क्यों ? जब यही करने की मंशा है तो फिर मुसलमानों की भी जाति जनगणना करो ना।

—— ओशन जैन @ocjain4

कोचिंग हादसे के दोषियों पर हो कड़ी कार्रवाई

■ नई दिल्ली (भाषा)।

राज्यसभा में सोमवार को विभिन्न दलों के सदस्यों ने राष्ट्रीय राजधानी के एक कोचिंग सेंटर में तीन विद्याथियों की पानी में डूबने से हुई मौत की घटना पर शोक व्यक्त करते हुए इसके दोषी लोगों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की तथा देश में कुकरमुत्तों की तरह पनप रहे कोचिंग केंद्रों के नियमन के लिए कड़े कानून बनाये जाने का सुझाव दिया।

उच्च सदन में प्राधिकारियों की कथित लापरवाही के कारण हाल ही में दिल्ली के एक कोचिंग संस्थान में छात्रःछात्रा की मृत्यु की दुखद घटना पर अल्पकालिक चर्चा की शुरुआत करते हुए भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि सदन में इस विषय पर सभी ने समान स्वरों में चिता प्रकट की है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की एक सदस्य की तरफ से भी यह विषय लाया गया है जिससे पता चलता है कि इस मुद्दे की गंभीरता क्या है। उन्होंने कहा कि छात्र कोचिंग के जरिये अपना करियर बनाने के लिए बड़ी संख्या में राष्ट्रीय राजधानी आते है। उन्होंने कहा कि यह बहुत हृदय विदारक घटना है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के ऊपर इस घटना का दायित्व है, वह लापरवाही के साथ भ्रम फैलाते हुए नजर आये। त्रिवेदी ने कहा कि इस मामले में छात्रों ने कई बार शिकायत की। उन्होंने कहा कि करोलबाग के एक छात्र ने इस कोचिंग संस्थान के खिलाफ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र प्रशासन को 26 जून को एक शिकायत दी थी। उन्होंने कहा कि इस छात्र ने बाद में दो बार अपनी शिकायत के बारे में स्मरण भी दिलाया था। उन्होंने कहा कि इस बीच अग्निशमन विभाग ने इस इमारत को अनापत्ति प्रमाणपत्र भी दे दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह लापरवाही नहीं, आपराधिक लापरवाही का मामला है जिसमें बच्चों के जीवन को खतरे में डाल दिया गया।

> ■ राज्यसभा सदस्यों ने घटना पर किया शोक व्यक्त
>
> ■ कोचिंग संस्थानों को नियमित करने का काम केंद्र सरकार को करना है : संजय सिंह
>
> ■ देश में कुकरमुत्तों की तरह पनप रहे कोचिंग केंद्रों के नियमन के लिए कड़े कानून बनाये जाने का सुझाव दिया

उन्होंने कहा कि इस विषय के विभागीय मंत्री या विभाग की ओर से तथ्यात्मक आंकड़ा क्या जनता के समक्ष रखा गया है? उन्होंने पूछा कि सीवर की सफाई के लिए इस विभाग ने कितना कोष खर्च किया? भाजपा सदस्य ने कहा कि जनता को यह जानने का अधिकार है कि जब प्रचार के मद में दिल्ली सरकार का खर्चा 50 प्रतिशत बढ़ सकता है तो सीवर की सफाई पर कितना खर्च किया गया है, उसमें कितनी वृद्धि की गयी? उन्होंने घटना की समुचित जांच कर दोषी व्यक्तियों को सजा दिलाने की मांग की।

तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओब्रायन ने कहा कि आज एक बड़ा विषय है..शिक्षा को जिंस बनाया जाना। उन्होंने कहा कि शिक्षा को जिंस बनाये जाने के मुद्दे पर क्या नयी शिक्षा नीति में विचार किया गया है? द्रमुक के तिरुचि शिवा ने इस घटना पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि सदन को इसे एक परंपरा मानते हुए इस तरह की घटनाओं पर आगे भी चर्चा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि इसी तरह की घटना नीट कोचिंग संस्थान में होती तो उन्हें नहीं पता कि सत्तारूढ़ के सदस्यों की क्या प्रतिक्रिया होती?

आम आदमी पार्टी के संजय सिह ने कहा कि कोचिंग संस्थानों को नियमित करने का काम केंद्र सरकार को करना है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कोचिंग संस्थान बेसमेंट में, आज से नहीं बल्कि 25 वर्ष से चल रहे है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के मंत्रियों ने अधिकारियों को नालों की सफाई के कई बार आदेश दिये, किंतु अधिकारी मंत्री की नहीं बल्कि उपराज्यपाल की बात सुनते हैं। कांग्रेस के रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि इस मामले में राजनीति नहीं की जानी चाहिए क्योंकि यह एक दर्दनाक विषय है। उन्होंने कहा कि जिन सदस्य ने मौत पर राजनीति की, क्या उनकी आत्मा उनको नहीं कचोटेगी? उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार ने शिक्षा का निजीकरण और व्यावसायीकरण कर दिया है। उन्होंने सुझाव दिया कि कोचिंग का नियमन किया जाए तथा शिक्षा के ढांचे के नियमन के लिए कानून लाया जाए। बीजू जनता दल की सुलता देव ने कहा कि ऐसी व्यवस्था बनायी जानी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

कोचिंग संस्कृति 'गैस चैंबर' से कम नहीं

■ नई दिल्ली (भाषा)।

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि कोचिंग सेंटरों की संस्कृति किसी 'गैस चैंबर' से कम नहीं है। साथ ही उन्होंने अखबारों में विज्ञापनों पर होने वाले भारी खर्च की जांच करने की आवश्यकता पर बल दिया। दिल्ली के एक कोचिंग सेंटर में जलभराव के कारण 'यूपीएससी' के तीन अभ्यर्थियों की मौत की घटना पर सोमवार को राज्यसभा में नियम 176 के तहत अल्पकालिक चर्चा हुई।

चर्चा की अनुमति देते हुए धनखड़ ने कहा, 'मुझे लगता है कि देश के युवा जनसांख्यिकीय लाभांश को पोषित किया जाना चाहिए। मुझे यह भी लगता है कि कोचिंग वस्तुतः व्यवसाय बन गई है।' उन्होंने कोचिंग सेंटरों द्वारा अर्जित की जाने वाली बड़ी रकम की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा, 'कोचिंग उच्च रिटर्न वाला एक फलता-फूलता उद्योग बन गया है...जब भी हम अखबार का पहला पन्ना पढ़ते हैं तो एक या दो पेज विज्ञापनों के होते हैं...विज्ञापन पर खर्च किया जाने वाला हर पैसा छात्रों से आ रहा है, हर नयी इमारत छात्रों (के पैसों) से आ रही है।' कोचिंग संस्कृति की तुलना 'गैस चैंबर' से करते हुए

> ■ विज्ञापन पर होने वाले खर्च की जांच करने की जरूरत

सभापति ने कहा, 'ऐसे देश में जहां अवसर बढ़ रहे हैं, यह एक समस्या बन रहा है... वे गैस चैबर से कम नहीं हैं।'

उन्होंने सदस्यों से युवाओं को देश में उपलब्ध विभिन्न रोजगार और कौशल अवसरों के बारे में बताने का आग्रह किया। धनखड़ ने सदन में कुछ दलों के नेताओं द्वारा चर्चा के लिए बुलाए जाने और सदन के कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए सुझाव देने के लिए अध्यक्ष के कक्ष में नहीं आने और नजरअंदाज करने के चलन पर भी दुख जताया।

कोचिंग हादसे को लेकर राजनीति नहीं की जानी चाहिए : जया बच्चन

नई दिल्ली (भाषा)। राज्यसभा में सोमवार को समाजवादी पार्टी की सदस्य जया बच्चन ने कोचिंग सेंटर हादसे को लेकर राजनीति नहीं करने की अपील करते हुए कहा कि पीड़ितों के परिवारों के दुख के बारे में कुछ भी नहीं कहना बेहद क्षुब्ध करने वाला है। प्राधिकारियों की कथित लापरवाही के कारण हाल ही में दिल्ली के एक कोचिंग संस्थान में छात्रःछात्रा की मृत्यु की दुखद घटना पर राज्यसभा में हुई अल्पकालिक चर्चा में हिस्सा ले रहीं जया बच्चन ने कहा 'बच्चों के परिवारों के बारे में किसी ने कुछ नहीं कहा। उन पर क्या गुजरी होगी! तीन युवा बच्चे चले गए।' उन्होंने कहा कि पीड़ितों के परिवारों के दुख के बारे में कुछ भी नहीं कहना बेहद क्षुब्ध करने वाला है। उन्होंने कहा 'मैं एक कलाकार हूं, मैं बॉडी लैंग्वेज और चेहरे के भाव समझती हूं। सब लोग अपनी-अपनी राजनीति कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

छह दिवसीय विदेश यात्रा पर जाएंगी राष्ट्रपति मुर्मु

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पांच अगस्त से फिजी, न्यूजीलैंड और तिमोर-लेस्ते की छह दिवसीय यात्रा पर जाएंगी।

विदेश मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। मुर्मु का पहला गंतव्य फिजी होगा, जहां वह राष्ट्रपति कैटोनीवर और प्रधानमंत्री सीटिवेनी राबुका के साथ बैठक करेंगी। विदेश मंत्रालय ने मुर्मु की 5-6 अगस्त की द्वीप राष्ट्र यात्रा के बारे में कहा, 'यह भारत के किसी राष्ट्रपति की फिजी की पहली यात्रा होगी।' इसने कहा, 'अपनी यात्रा के दूसरे चरण में, राष्ट्रपति मुर्मु न्यूजीलैंड की गवर्नर जनरल डेम सिंडी कीरो के निमंत्रण पर 7-9 अगस्त को न्यूजीलैंड का दौरा करेंगी।'

गुजरात से 110 करोड़ की ट्रामाडोल जब्त की

अहमदाबाद। गुजरात के कच्छ जिले के मुंद्रा बंदरगाह पर सीमा शुल्क विभाग ने पश्चिम अफ्रीकी देशों सिएरा लियोन और नाइजर भेजी जा रहीं 110 करोड़ रुपए मूल्य की ट्रामाडोल की 68 लाख गोलियां जब्त की है। एक बयान में इसकी जानकारी दी गयी है। आईएसआईएस लड़ाकों के लंबे समय तक जागने के लिए इस दवाई का सेवन करने संबंधी खबरों के बाद से ट्रामाडोल हाल के दिनों में 'लड़ाकू दवा' के रूप में कुख्यात हो गई है।

बूढ़ा केदार में फंसे 21 कांवड़ियों को बचाया

देहरादून। भारी बारिश के बीच टिहरी जिले के बूढा केदार क्षेत्र में भटक गए 21 कावड़ियों को एसडीआरएफ ने सोमवार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। रविवार रात नौ बजे के आसपास बूढा केदार क्षेत्र में 21 कावड़ियों के एक समूह के गंगोत्री से लौटते समय रास्ता भटक गया था। एसडीआरएफ की टीम सुबह छह बजे सभी 21 कावड़ियों को भारी बारिश के बीच दुर्गम पहाड़ी मार्ग और उफनती नदी के किनारे से सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

एनईपी के कार्यान्वयन ने अध्ययन को और अधिक जीवंत बनाया : प्रधान

■ सहारा न्यूज ब्यूरो
नई दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति एनईपी 2020 की चौथी वर्षगांठ के अवसर पर शिक्षा मंत्रालय की ओर से आज अखिल भारतीय शिक्षा समागम का आयोजन किया गया। इस समागम में एनईपी से जुड़ी अनेक नई पहलों का शुभारंभ किया गया। इस दौरान अपने संदेश में केन्द्रीय शिक्षा, कौशल विकास व उद्यमिता मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि एनईपी के कार्यान्वयन ने अध्ययन को और अधिक जीवंत बना दिया है।

> ■ एनईपी की वर्षगांठ पर अखिल भारतीय शिक्षा समागम का आयोजन

शिक्षा मंत्रालय की ओर से राजधानी दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर ऑडिटोरियम में आयोजित अखिल भारतीय शिक्षा समागम में केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री और कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी और शिक्षा एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार के अलावा उच्च शिक्षा विभाग के सचिव के. संजय मूर्ति, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार सहित शिक्षाविद, विश्वविद्यालयों के कुलपति, अधिकारी और अनेक छात्र शामिल थे। इस दौरान विभिन्न भारतीय भाषाओं को सीखने की सुविधा के लिए समर्पित टीवी चैनल, एक तमिल चैनल, 25 भारतीय भाषाओं में शुरुआती कक्षाओं के लिए प्राइमरी स्कूलों में अध्ययन को एक मजेदार, तनाव मुक्त अनुभव में बदलने के लिए बैग के बिना 10 दिन के दिशानिर्देश, करियर मार्गदर्शन दिशानिर्देश आदि अनेक पहलों का शुभारंभ किया। उन्होंने छात्रों और शिक्षकों के बीच भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चार पुस्तकों और व्याख्यान नोट्स का भी अनावरण किया। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने संदेश में कहा कि एनईपी 2020 की चार साल की यात्रा देश की शिक्षा प्रणाली में परिवर्तनकारी बदलाव ला रही है।

मप्र में 'बेसमेंट' में संचालित कोचिंग सेंटरों का होगा सर्वेक्षण

■ भोपाल/इंदौर, (भाषा)।

दिल्ली में भारी बारिश के बाद एक कोचिंग सेंटर के 'बेसमेंट' में पानी भर जाने से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन अभ्यर्थियों की मौत की घटना के बाद सोमवार को मध्यप्रदेश सरकार ने नगर निकायों को 'बेसमेंट' में संचालित किए जा रहे कोचिंग सेंटर के सर्वेक्षण और ऐसे परिसरों में सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सोमवार को राज्य सचिवालय में हुई समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अधिकारियों को ये निर्देश दिए।

यादव ने कहा कि दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर में सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन युवाओं की मौत दुखद और दर्दनाक है। अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) राजेश राजौरा ने कहा, 'नगर निगम आयुक्तों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र में इमारतों के 'बेसमेंट' में संचालित किए जा रहे कोचिंग सेंटर और अन्य संस्थानों का निरीक्षण करें तथा रिपोर्ट प्रस्तुत करें।' जांच के दायरे में वे संस्थान भी आएंगे जिसमें आवास सुविधाएं है। प्रमुख सचिव (राजस्व) निकुंज कुमार श्रीवास्तव ने कहा, 'मुख्यमंत्री के निर्देश के तहत 'बेसमेंट' में

> ■ समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दिए निर्देश

संचालित किए जा रहे कोचिंग सेंटर में जलभराव की स्थिति में पानी निकासी व्यवस्था तथा सुरक्षित विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है।' इस बीच, इंदौर में सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों ने कोचिंग संस्थानों में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए और दावा किया कि कई कोचिंग संस्थानों में क्षमता से बेहद ज्यादा विद्यार्थियों को बैठाकर पढ़ाया जाता है।

इंदौर में सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी में जुटे अभ्यर्थियों के अगुवा आकाश पाठक ने आरोप लगाया कि शहर में संचालित कई कोचिंग संस्थानों में क्षमता से बेहद ज्यादा विद्यार्थियों को बैठाकर पढ़ाया जाता है और वहां सुरक्षा इंतजामों का अभाव है। पाठक के मुताबिक इंदौर में फिलहाल करीब चार लाख विद्यार्थी सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी कर रहे है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'दिल्ली की घटना से सबक लेते हुए इंदौर के कोचिंग संस्थानों की जांच की जानी चाहिए और सुरक्षा मापदंडों की अनदेखी करने वाले संस्थानों को तुरंत सील किया जाना चाहिए। हमने इस बारे में प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ ही इंदौर के जिलाधिकारी और पुलिस आयुक्त को ज्ञापन भेजा है।' जिलाधिकारी आशीष सिंह ने बताया, 'हम इंदौर के कोचिंग संस्थानों की जांच करेंगे। जांच दल में प्रशासन, इंदौर नगर निगम, पुलिस और अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को शामिल किया गया है।'

उन्होंने बताया, 'हम नगर निगम के जरिये जानकारी जुटा रहे है कि इमारतों के बेसमेंट में कितने कोचिंग संस्थान संचालित किए जा रहे है? हम इन संस्थानों में आग, बाढ़ और बिजली से जुड़ी दुर्घटनाओं के खतरों से निपटने के इंतजामों की जांच करेंगे।' दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके में शनिवार (27 जुलाई) को भारी बारिश के बाद एक कोचिंग सेंटर के 'बेसमेंट' में पानी भर जाने से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन अभ्यर्थियों की डूबकर मौत हो गई थी।

रिक्त पदों की असलियत बताए सरकार : विपक्ष

नई दिल्ली (एसएनबी)। माकपा सांसद जॉन ब्रिटास ने पूछा कि सरकार बताए कि पीएसयू और रेल में कितने पद खाली हैं ? बजट पर चर्चा में भाग लेकर उन्होंने कहा कि कोई कहता है कि सरकार में 30 लाख पद खाली हैं और कोई कहता है कि 25 लाख पद खाली है, इसलिए बेहतर यही है सरकार ही बता दे कि कितने पद खाली हैं। वहीं तृणमूल कांग्रेस के सांसद साकेत गोखले ने कहा कि यह बजट संघवाद की भावना के खिलाफ है क्योंकि केंद्र सरकार राज्यों से कर की राशि तो ले लेती है लेकिन उन्हें बजट में पर्याप्त हिस्सा नहीं देती। उन्होंने सरकार पर पश्चिम बंगाल की उपेक्षा का भी आरोप लगाया। शिवसेना सांसद संजय राउत ने केन्द्रीय जांच एजेन्सियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि टमाटर सौ रुपए किलो बिक रहा हो वहां वित्त मंत्री के पास महंगाई के लिए शब्द नहीं हैं। इसी दल के सांसद राजीव शुक्ला ने कहा कि बिहार और आंध्र प्रदेश की विशेष राज्य की मांग भी बजट में पूरी नहीं हुई। बसपा सांसद रामजी ने कहा कि सबके लिए शिक्षा को मुफ्त किया जाए।

वहीं भाजपा के सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने सरकार की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि आंकड़े गवाह हैं कि पिछले दस वर्ष में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की क्षेत्र में उपलब्धियां है।

छत्तीसगढ़ की योजनाओं की हुई सराहना

■ सहारा न्यूज ब्यूरो
नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में भाजपा मुख्यालय में आयोजित मुख्यमंत्री परिषद की बैठक के दूसरे दिन, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य की प्रमुख योजनाओं, आम लोगों के शासन के प्रति फीडबैक और राजनीतिक घटनाक्रमों पर विस्तृत जानकारी दी। जिसमें छत्तीसगढ़ द्वारा अपनाई गई तकनीक और रणनीतियों की विशेष जानकारी शामिल थी। इस बैठक में छत्तीसगढ़ की योजनाओं की सराहना की गई ।

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ की विकास योजनाओं की सफलता को रेखांकित करते हुए बताया कि राज्य सरकार ने महिलाओं, युवाओं, आदिवासियों, किसानों, और नक्सल उन्मूलन के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की है। इन पहलों ने छत्तीसगढ़ को शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करने में एक आदर्श राज्य बनाया है। मुख्यमंत्री ने अपनी रिपोर्ट में छत्तीसगढ़ की रणनीतियों की प्रभावशीलता का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने

> ■ मुख्यमंत्री परिषद की बैठक में विष्णुदेव साय ने राज्य की प्रमुख योजनाओं की दी जानकारी

बताया कि राज्य ने ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में स्थानीय निवासियों की भागीदारी को सुनिश्चित किया है, जिससे योजनाओं की सफलता में वृद्धि हुई है और स्थानीय लोगों का शासन में विश्वास भी बढ़ा है।

बीजेपी मुख्यालय में आयोजित इस बैठक में छत्तीसगढ़ की योजनाओं की सराहना की गई और अन्य भाजपा शासित राज्यों को छत्तीसगढ़ की रणनीतियों और तकनीकों को अपनाने की सलाह दी गई। मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ ने गांव-गांव और घर-घर तक अपनी योजनाओं को विभिन्न माध्यमों से पहुँचाया, जिसमें प्रचार तंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मुख्यमंत्री ने बताया कि विभागों के कामकाज और योजनाओं को पारदर्शी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं।

संसद परिसर में मीडिया से हटी 'पाबंदी'

■ सहारा न्यूज ब्यूरो
नई दिल्ली।

संसद भवन परिसर में सोमवार को अजीबोगरीब स्थिति पैदा हो गई। सीआईएसफ ने मीडिया कर्मियों को संसद भवन के मुख्य प्रांगण मकरध्वज द्वार पर वीडियोग्राफी नहीं करने दी और बाइट नहीं लेते दी। सभी कर्मियों को दूर बने केबिन में एकत्रित कर किया गया। टीवी चैनलों ने भी बहिष्कार किया और कोई कवरेज नहीं की। बाद में कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सदन में मामला उठाया और फिर लोकसभा अध्यक्ष ने नेताओं और पत्रकारों से बात की। बिरला ने कहा कि पत्रकारों की स्वतंत्रता का हनन नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने पाबंदी हटाई और कहा कि कल से सभी पत्रकार पहले की तरह कवरेज करने से लिए स्वतंत्र हैं।

कुछ दिन पहले राहुल गांधी से मिलने के लिए किसान नेता संसद भवन आए थे। तब उन्होंने राहुल के साथ मीडिया को बाइट दी थी। यह बात ऊपर वालों को पसंद नहीं आई। वैसे नियम भी यही है कि सांसदों के अलावा कोई भी व्यक्ति या आगतुंक मीडिया से बात नहीं करेगा। इस बहाने से सीआईएसएफ वालों को निर्देश आया कि मीडिया वालों को मुख्य गेट से हटाकर उनके लिए तय किए गए केबिन में बिठा दें।

> ■ राहुल गांधी ने लोकसभा में उठाया था मुद्दा
>
> ■ सीआईएसएफ ने मीडिया कर्मियों को कर दिया था एकत्रित

इस पर मीडिया वाले नाराज हुए। मीडिया के लोगों ने लोकसभा अध्यक्ष के ऑफिस, राहुल गांधी और दूसरे दलों के नेताओं से संपर्क किया। राहुल गांधी ने बजट पर हो रही चर्चा में हिस्सा लेते हुए मीडिया पर लगी पाबंदी का मामला उठाया और लोकसभा अध्यक्ष से पाबंदी हटाने की अपील की। लोकसभा अध्यक्ष ने सभी दलों के नेताओं को अपने कक्ष में बुलाया और इस मुद्दे पर चर्चा की। उसके बाद उन्होंने पत्रकारों से भी बात की। पूरे मामले को समझने के बाद कहा कि मीडिया की स्वतंत्रता को आंच नहीं आने दी जाएगी। सभी पत्रकार पहले की तरह काम करते रहेंगे।

सदन के बाहर नीतिगत निर्णय की घोषणा पर ओडिशा विस में हंगामा

भुवनेश्वर (भाषा)। ओडिशा विधानसभा का सत्र जारी रहने के दौरान मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी द्वारा सदन के बाहर अग्निवीरों के लिए आरक्षण की घोषणा किए जाने पर सोमवार को विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) और कांग्रेस ने आपत्ति जतायी और सदन में हंगामा किया। इस वजह से सदन की कार्यवाही शाम चार बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

> ■ मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सदन के बाहर अग्निवीरों के लिए आरक्षण की घोषणा की थी

कांग्रेस सदस्य तारा प्रसाद बाहिनीपति ने मुख्यमंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया और उन पर विधानसभा का अनादर करने तथा 26 जुलाई को सदन के बाहर नीतिगत निर्णय की घोषणा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब सदन चल रहा हो तो सरकार को सदन के बाहर किसी नीतिगत निर्णय की घोषणा नहीं करनी चाहिए। कांग्रेस और बीजद के सदस्यों ने विधानसभा अध्यक्ष सुरमा पाढी से विशेषाधिकार नोटिस स्वीकार करने और इसे विशेषाधिकार समिति को भेजने का अनुरोध किया। अध्यक्ष ने कहा कि वह नोटिस की जांच करेंगी। अध्यक्ष के फैसले से नाराज दोनों विपक्षी दलों के सदस्यों ने आसन के पास आकर हंगामा किया जिसके बाद सदन की कार्यवाही पहले 20 मिनट के लिए और फिर दोपहर 12:20 बजे तक और बाद में दोपहर 12:24 बजे से शाम चार बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। शून्यकाल शुरू होते ही अध्यक्ष ने संसदीय कार्य मंत्री मुकेश महालिंग से बयान देने को कहा जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा 26 जुलाई को की गई घोषणा को पढ़ा। कांग्रेस सदस्य तारा प्रसाद ने महालिंग को मुख्यमंत्री की घोषणा पढ़ने की अनुमति देने पर आपत्ति जताई, जिसके आधार पर उन्होंने विशेषाधिकार नोटिस दिया है।

उद्यमी बन रोजगार पैदा करें युवा : धनखड़

■ सहारा न्यूज ब्यूरो
नई दिल्ली।

युवाओं को उद्यमी बन रोजगार पैदा करना चाहिए। देश मे ऐसी नीतियां है जो आपको आर्थिक और अन्य रूप से मदद करेंगी।

> ■ हंसराज कॉलेज के 77वें स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि हुए शामिल

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने यह बातें दिल्ली विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हंसराज कॉलेज के 77वें स्थापना दिवस समारोह में कही। उपराष्ट्रपति ने युवाओं के लिए उपलब्ध रोजगार के अवसरों पर बात करते हुए कहा कि मै युवाओं से उद्यमी ओर रोजगार पैदा करने वाले बनने का आग्रह करता हूं। उन्होंने युवाओं को अपने लाभ के लुई प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने भारत की तकनीकी क्षमता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारा प्रति व्यक्ति इंटरनेट उपभोग अमेरिका और चीन के संयुक्त उपभोग से भी अधिक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि युवा देश के सबसे महत्वपूर्ण हितधारक है। उन्होंने कहा कि युवा तीन चीजों से थक चुके है, पहला भ्रष्टाचार, दूसरा संरक्षण-समानता का अधिकार और तीसरा जलवायु। कॉलेज में छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी तंत्र है समानता लाकर असमानताओं को समाप्त करता है। शिक्षा इस राष्ट्र की रीढ़ है। उन्होंने शिक्षा के व्यवसायीकरण की निंदा करते हुए बताया कि यह कैसे राष्ट्र के विकास को बाधित कर रहा है। इस अवसर पर डीयू कुलपति प्रो योगेश सिंह, डीएवी कॉलेज प्रबंध समिति उपाध्यक्ष जस्टिस प्रीतम पॉल समेत कॉलेज प्रिंसिपल डॉ रमा ओर अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

तिरंगे के लिए नवीन जिंदल की प्रशंसा की

नई दिल्ली (एसएनबी)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जनसामान्य की खातिर राष्ट्रीय ध्वज लगाना सुगम बनाने के लिए सांसद नवीन जिंदल की प्रशंसा की है। उन्होंने हंसराज कॉलेज के स्थापना दिवस के मौके पर वहां के होनहार छात्र के रूप में नवीन जिंदल को सम्मानित किए जाने के मौके पर कहा कि राष्ट्रीय ध्वज के लिए उनका कानूनी संघर्ष हमेशा याद रखा जाएगा। उप राष्ट्रपति ने कहा कि नागरिकों को साल के 365 दिन तिरंगा फहराने का अधिकार दिलाने के उद्धेश्य के प्रति जिंदल इतने समर्पित थे कि सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गए। उन्होंने जिंदल से आग्रह किया कि वह सैनिक स्कूल चितौड़गढ़ में भी विशाल राष्ट्रीय ध्वज स्थापित कराएं, इसी स्कूल से उपराष्ट्रपति पढ़े हैं और वहां के छात्रों ने उनसे इसके लिए अपील की थी। जिंदल ने हंसराज कॉलेज से कॉमर्स में डिग्री हासिल की है। नवीन जिंदल को हंसराज कॉलेज के स्थापना दिवस पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह और हंसराज कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रमन ने महात्मा हंसराज गौरव सम्मान से अलंकृत किया। इस कार्यक्रम में उप राष्ट्रपति मुख्य अतिथि थे।

उत्तराखंड के लकड़ी घोटाले के 'मास्टरमाइंड' को बेल से इनकार

नई दिल्ली (भाषा)। उत्तराखंड के हाई कोर्ट ने लकड़ी व्यापार घोटाले के 'मास्टरमाइंड' को जमानत पर रिहा करने से इनकार करते हुए कहा कि आरोपी ने तथ्यों को गलत तरीके से पेश किया और उसका अपराध 'गंभीर प्रकृति' का है। आरोपी मो. शाहनवाज हुसैन ने कथित तौर पर उधम सिह नगर जिले के जसपुर क्षेत्र में अन्य व्यक्तियों के साथ फर्जी कंपनियां संचालित कीं और कमीशन के आधार पर राज्य के भीतर और बाहर विभिन्न खरीदारों को लकड़ी के फर्जी चालान जारी किए। इस कृत्य से केंद्र और राज्य सरकार को राजस्व का भारी नुकसान हुआ। जीएसटी विभाग द्वारा गहन जांच करने और आपत्तिजनक सबूत एकत्र करने के बाद 22 अक्टूबर, 2023 को हुसैन को गिरफ्तार किया गया था। सत्र न्यायालय से जमानत अर्जी खारिज होने के बाद उसने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। हुसैन को जमानत देने से इनकार करते हुए उच्च न्यायालय ने कहा, 'इस मुद्दे की जांच करने के लिए इस न्यायालय ने उस आरोप की भी जांच की जो प्रकृति में गंभीर प्रतीत होता है और वर्तमान आवेदक निश्चितरूप से आर्थिक अपराध करने में लिप्त है, जिसके कारण उसने राजस्व और कर नुकसान के रूप में सरकारी खजाने को 20 करोड़ रुपये से अधिक का चूना लगाया।'

> ■ उत्तराखंड हाईकोर्ट ने कहा, अपराध की प्रकृति गंभीर

उच्च न्यायालय ने यह भी पाया कि हुसैन ने गलत बयानी के साथ-साथ भौतिक तथ्यों को छिपाकर जमानत हासिल करने के लिए हर संभव प्रयास किया। न्यायाधीश राकेश थपलियाल ने अपने आदेश में कहा कि राज्य सरकार के वकील ने दलील दी है कि वर्तमान आवेदक ने जमानत का दुरुपयोग किया है क्योंकि वह गवाहों को धमकी दे रहा था और यह पहलू भी जमानत रद्द करने के लिए प्रासंगिक कारकों में से एक है।

अनमोल वचन

शब्दों के भी भाग्य होते हैं
-आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

खामियाजा भरना नामुमकिन

दिल्ली के ओल्ड राजेन्द्र नगर स्थित नामी कोचिंग सेंटर राव के बेसमेंट में जलभराव से तीन छात्रों की मौत वाकई दुखद है। कोचिंग संस्थान, सिविक एजेंसी और सरकारी मशीनरी की काहिली से यह जानलेवा स्थिति बनी। यहां बरसात का पानी अचानक भर गया, वहां बनी लाइब्रेरी में तकरीबन 35 छात्र पढाई कर रहे थे। बता रहे हैं, शुरुआत में पानी थोड़ा था पर अचानक बरसाती पानी की रफ्तार बहुत तेज हो गई। तेज स्पार्किंग के साथ धमाका हुआ और बिजली गुल हो गई। अफरा-तफरी में वे बाहर की तरफ भागे मगर बायोमैट्रिक लगा होने के कारण दरवाजा नहीं खुला। पांच मिनट में भूतल में 10-12 फीट पानी भर गया था। बचाव दल ने छात्रों को बमुश्किल निकाला। दो छात्रों का पोस्टमार्टम में उनकी मौत डूबने व गंदा पानी फेफड़ों में भरने से होने की रपट है,

एक छात्र के परिजन के पहुंच न पाने के कारण शव सुरक्षित रखा गया। मामले में कोचिंग सेंटर के मालिक अभिषेक गुप्ता समेत कुल सात आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। नियमानुसार जिस भूतल को केवल स्टोर के लिए इस्तेमाल करना था, वहां कक्षा है और पुस्तकालय भी। राजधानी में केंद्र सरकार की नाक के नीचे ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटना की देश भर में काफी निंदा की जा रही है। दमकल विभाग का कहना है, वहां मौजूद तमाम कोचिंग सेंटरों ने मुख्यद्वार स्लाइडिंग बनाए हैं। ताकि बरसात का पानी वहां न आ पाए। ऐसे तेरह सेंटरों को आनन-फानन सील भी कर दिया गया है। नौ माह का शुल्क डेढ़ लाख से अधिक लेने वाले राव जैसे अन्य सेंटरों के कुछ छात्र इस अव्यवस्था की लिखित शिकायत भी कर चुके थे। यहां संकरी गलियों के छोटे-छोटे घरों में रहने व पढाई करने वाले छात्रों का जमावड़ा रहता है। कुछ ही दिन पहले ऐसे ही सेंटर में आग लगने की घटना हो चुकी है। सरकार ने मुंह छिपाने के लिए आनन-फानन नए नियम लागू कर दिए हैं। मगर इन होनहार छात्रों के जीवन का खामियाजा तो किसी भी तरह नहीं भरा जा सकता। सख्त सजा से जरूरी है, देश भर के छात्रों की सुरक्षा व्यवस्था पर कड़ी नजर रखी जाए और लापरवाही करने वाले संस्थानों को यूं ही मुक्त न छोड़ दिया जाए। मालिकों व प्रबंधकों के अतिरिक्त इस हादसे की सरकार भी कम जिम्मेदार नहीं है। उसे अपनी लापरवाही को सुधारना होगा। कुल मिलाकर खराब जल निकासी और सरकारी तंत्र की घोर लापरवाही के चलते दूरदराज से अधिकारी बनने का ख्वाब लिए बच्चों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। दिल दुखाने वाली इस घटना की टीस लंबे आजीवन रहेगी।

मनु ने फैलाई खुशियां

मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर पिछले दो ओलंपिक खेलों से निशानेबाजी में चले आ रहे सूखे को खत्म कर दिया है। मनु भाकर ओलंपिक निशानेबाजी में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं। इससे पहले भारत ने निशानेबाजी में चार पदक जीते हैं और यह पदक जीतने वाले सभी चारों निशानेबाज पुरुष हैं। मनु भाकर ने ओलंपिक खेलों की शुरुआत में ही पदक पर निशाना साधकर इन खेलों में भाग ले रहे शूटरों का ही नहीं बल्कि पूरे भारतीय दल की बॉडी लेंग्वेज बदल दी है। इससे अन्य खिलाड़ियों को अपना बेस्ट देने की प्रेरणा मिलेगी, जिससे भारत अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल हो सकता है। यह मनु की सफलता का ही प्रभाव था कि रमिता झिंदल ने 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल में स्थान बनाया। हालांकि वह फाइनल में पहुंचकर भी पदक नहीं पा सकीं और उन्हें

सातवें स्थान से ही संतोष करना पड़ा। हम सभी जानते हैं कि भारतीय निशानेबाज यदि तीन चार पदकों पर निशाना साधने में सफल हो जाएं तो भारतीय पदकों की संख्या दो अंकों में पहुंच सकती है। भाकर 2021 में हुए टोक्यो ओलंपिक में पिस्टल खराब हो जाने की वजह से अपना बेस्ट नहीं दे सकीं थीं। इसके बाद उनके कोच जसपाल राणा से संबंध खत्म हो गए थे, लेकिन जसपाल ने अलग होने के बाद उनके प्रदर्शन में गिरावट आती गई। वह तो खुदा का शुक्र है कि उन्हें सही समय पर जसपाल राणा से फिर से जुड़ने की जरूरत महसूस हुई। मनु ने पदक जीतने के बाद कहा कि एक बार पदक पक्का हो जाने पर खुशी हुई। पर आगे नहीं बढ़ पाने का अफसोस है। वह कहती हैं कि अगली स्पर्धा में पदक का रंग पीला यानी गोल्ड करने का प्रयास करूंगी। वह अपना ध्यान केंद्रित रखने के लिए गीता का पाठ करती हैं, जिसमें कहा गया है कि खुद के कर्म पर भरोसा रखो। यह बात भारतीय दल के सभी सदस्यों पर लागू होती है। भारत इस समय निशानेबाजी के अलावा बैडमिंटन, टेबल टेनिस, हॉकी, बॉक्सिंग आदि में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और एथलेटिक्स और कुश्ती शुरू होने पर भारत की पदक संभावनाएं और बढ़ेंगी। बहुत संभव है कि हम इस बार दर्जन भर पदकों तक पहुंच जाएं। पर हमें यहीं संतुष्ट होकर नहीं बैठना चाहिए क्योंकि अभी हम आबादी के हिसाब से विश्व स्तर से काफी पीछे हैं।

टू दि प्वाइंट/ आलोक पुराणिक

सर्वर उर्फ फूफा

माइक्रोसाफ्ट का सर्वर ठप हो गया, तो तमाम एयरलाइंस, टीवी चैनल बैंक वगैरह समेत जाने क्या क्या ठप हो गया। सर्वर ने जो ठप ना किया, उसे कई निकम्मे इंप्लाइज ने ठप कर दिया। एक सरकारी बैंक के कर्मचारी ने जवाब दिया कि आज कुछ ना हो सकता, सर्वर ठप है। जबकि कस्टमर ने सिर्फ यह पूछा था कि भाई साहब बहुत गरमी है पानी मिल सकता है क्या। भानगढ़ किले के भूत ने उस भुतहा टीवी कार्यक्रम में आने से इनकार कर दिया यह कहते हुए कि सर्वर ठप है। वैसे भानगढ़ किले का भूत परमानेंट न्यूज से गायब हो जाए, ऐसे सर्वर ठप्पीकरण का तो वेलकम किया जाना चाहिए। सर्वर चलता रहा है, तो कोई ना पूछता था। सर्वर रुक गया, तो चर्चा हो गई।

मतलब मामला कुछ-कुछ शादी के नाराज फूफा टाइप हो लिया। किसी शादी में कोई फूफा टाइप बहुत शराफत से खा पीकर चले जाएं, तो कोई नोटिस नहीं करता। अगर कोई फूफा नाराज हो जाएं, हल्ला सा काट दें, तो सब तरफ उनका नोटिस लिया जाता है। यानी चलते सर्वर और शरीफ साढ़ू का कोई नोटिस नहीं लेता। ठप सर्वर और नाराज साढ़ू को सब नोटिस करते हैं और उसकी चर्चा करते हैं। कई निकम्मों ने अपने निकम्मेपन की जिम्मेदारी सर्वर पर डाल दी।

एक शराबी दारू पीकर दादर स्टेशन पर लुढ़क गया, पुलिस ने डपटा तो उसने बताया कि सर्वर ठप है। अब बस यह ना हो कि राहजन आपको रिवाल्वर दिखाकर कहे कि निकाल दीजिए रकम और यह बहाना मत बनाइए कि सर्वर ठप है, बिना सर्वरबाजी के आपकी रकम मेरी जेब में आ सकती है। सर्वर ठप हुआ तो प्लेन ना उड़े, जिसके पास जितने एडवांस्ड कंप्यूटर वाले प्लेन उसके प्लेन उतने ही ज्यादा ठप। पाकिस्तानी एयर फोर्स ने बयान जारी करके कहा कि हम तो अमेरिकन सर्वर पर डिपेंड ही नहीं करते, हम तो चाइनीज प्लेन्स पर डिपेंड हैं, दस में पांच बार तो चाइनीज प्लेन उड़ ही जाते हैं।

पहले भी दस में से पांच उड़ते थे, अब भी दस में से पांच उड़ रहे हैं, कोई असर नहीं। तालिबानियों ने कहा कि हमारा क्या काम कंप्यूटर सर्वर से, हम तो हाथ से खींचकर ले जाते हैं राकेट, सर्वर चले या ना चले, हमें क्या।

बदलते आयाम और स्वरूप

मानव तस्करी के विरुद्ध विश्व दिवस

राजेश मणि

मानव तस्करी के खिलाफ हमारी लड़ाई में, हमें लगातार नवाचार के माध्यम से जुड़ने और एकजुट होने का प्रयास करना चाहिए, जिसमें डिजिटल प्रौद्योगिकी के हमारे उपयोग का अनुकूलन भी शामिल है। तस्कर दूसरों का शोषण करने के लिए इंटरनेट की लगातार बदलती प्रकृति का लाभ उठाते हैं; यह जरूरी है कि हम भी इस प्रवृत्ति का मुकाबला करने के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाएं। डिजिटल तकनीक ने हमें तस्करी को रोकने, पीड़ितों की रक्षा करने, बुरे लोगों पर मुकदमा चलाने और इस अपराध से निपटने के लिए वैश्विक साझेदारी बनाने के नए तरीके दिए हैं।

डिजिटल तकनीक और मानव तस्करी के बीच एक तरह का संबंध तब हो सकता है जब तस्कर पीड़ितों का शोषण करने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि यह कोई नई घटना नहीं है, लेकिन इस मुद्दे पर नए सिरे से ध्यान दिया गया क्योंकि कई लोगों ने कोविड-19 महामारी के चरम पर अपनी दैनिक गतिविधियों को ऑनलाइन कर दिया। कई देशों की रिपोर्टों ने ऑनलाइन वाणिज्यिक यौन शोषण और यौन तस्करी में भारी वृद्धि को प्रदर्शित किया, जिसमें बच्चों का ऑनलाइन यौन शोषण (OSEC 'Online sexual exploitation of Children'), और बाल यौन शोषण सामग्री (CSAM 'Child sexual abuse material') की मांग और वितरण शामिल है। तस्करों ने पीड़ितों को तैयार करने, धोखा देने, नियंत्रित करने और उनका शोषण करने के लिए डिजिटल उपकरणों का उपयोग करके व्यक्तियों का शोषण करने की योजनाओं को आगे बढ़ाना जारी रखा है।

इनमें से कुछ योजनाएं लोगों को सैकड़ों मील दूर, सीमाओं के पार भी लुभाती हैं, जबकि अन्य के लिए उन्हें अपने घरों से बाहर निकलने की आवश्यकता नहीं होती है। मानव तस्करी के पीड़ितों और बचे लोगों ने तेजी से साझा किया है कि वे पहली बार अपने तस्करों से ऑनलाइन जुड़े थे, जबकि तस्कर डिजिटल तकनीकों के अपने उपयोग को परिष्कृत और उन्नत करना जारी रखते हैं, सरकारों और अन्य तस्करी विरोधी हितधारकों को मानव तस्करी से निपटने के लिए ऐसा ही करना चाहिए। तस्कर संभावित पीड़ितों की पहचान और उन्हें तैयार करने के लिए इंटरनेट का उपयोग करते हैं। यूएनओडीसी (United Nations Office on Drugs and Crime) के अनुसार, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म तस्करों को सक्रिय रूप से और गुमनाम रूप से एक विशिष्ट प्रकार के व्यक्ति की खोज करने में मदद करते हैं, जिनके बारे में उन्हें लगता है कि वे उनकी योजना को आगे बढ़ाने के लिए विशेष रूप से अतिसंवेदनशील हैं (शिकार प्रक्रिया), या ऑनलाइन पोस्ट करके और प्रतिक्रिया की

प्रतीक्षा करके संभावित पीड़ितों को निष्क्रिय रूप से आकर्षित करते हैं (मछली पकड़ने की प्रक्रिया)। अपराधी संभावित पीड़ितों के साथ बातचीत करते समय नकली खातों और प्रोफाइल के माध्यम से अपनी असली पहचान छिपाने के लिए सोशल मीडिया, ऑनलाइन विज्ञापन, वेबसाइट, डेटिंग ऐप और गेमिंग प्लेटफॉर्म-या ऐसे उपकरणों की धोखाधड़ी या भ्रामक नकल-का उपयोग कर सकते हैं।

एक बार जब संभावित पीड़ितों की पहचान हो जाती है और संपर्क स्थापित हो जाता है, तो इंटरनेट के माध्यम से संचार शिक्षा, रोजगार, आवास या रोमांटिक संबंधों के झूठे वादों के साथ व्यक्तियों को धोखा देने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में कार्य करता है, केवल उन्हें श्रम और यौन तस्करी की स्थितियों में लुभाने के लिए। उदाहरण के लिए, एक तस्कर एक ऑनलाइन व्यावसायिक वेबसाइट बना सकता है, जिस पर वे अक्सर पीड़ित का विश्वास जीतने के लिए यथार्थवादी तस्वीरें शामिल करते हैं और उन्हें विश्वास दिलाते हैं कि अवसर प्रामाणिक है और उनके करियर को आगे बढ़ाने या उनके जीवन को बेहतर बनाने में मदद करेगा। इंटरनेट शोषणकारी योजना को आगे बढ़ाने के लिए एक मंच के रूप में भी काम कर सकता है, जिसमें सेक्सटॉर्शन के माध्यम से भी शामिल है। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) सेक्सटॉर्शन को एक गंभीर अपराध के रूप में परिभाषित करता है जो तब होता है जब अपराधी पीड़ित द्वारा यौन प्रकृति की तस्वीरें, यौन एहसान या पैसे न दिए जाने पर निजी और संवेदनशील सामग्री वितरित करने की धमकी देता है।

इसके अतिरिक्त, तस्कर जबरन अपराध को बढ़ावा देने के लिए इंटरनेट का उपयोग कर सकते हैं, जो एक तेजी से आम तंत्र है जिसमें तस्कर अपने पीड़ितों को ऑनलाइन घोटाले के संचालन से लेकर व्यावसायिक सेक्स तक के कामों में शामिल होने या उनका समर्थन करने के लिए मजबूर करते हैं। तस्कर बड़े पैमाने पर ऑनलाइन नौकरी लिस्टिंग के माध्यम से पीड़ितों को भर्ती करते हैं, उन्हें परिसरों में बंद कर देते हैं और गंभीर नुकसान की धमकी देकर उन्हें ऑनलाइन आपराधिक गतिविधि में शामिल होने के लिए मजबूर करते हैं। ऑनलाइन घोटाले के संचालन में अवैध ऑनलाइन जुआ, क्रिप्टोकरेंसी निवेश योजनाएं और रोमांस घोटाले शामिल हैं, जिनमें से सभी में तस्करी का शिकार व्यक्तियों के साथ संबंध बनाता है ताकि उन्हें महत्त्वपूर्ण रकम का धोखा दिया जा सके। संक्षेप में, तस्कर अपने तस्करी कार्यों की पहुंच, पैमाने और गति को बढ़ाने के लिए इंटरनेट जैसे डिजिटल उपकरणों का उपयोग करते हैं। हालांकि तकनीकी विकास के साथ तरीके और साधन विकसित हो सकते हैं, लेकिन तस्करी के मूल में शोषण अभी भी जारी है, जो इस अपराध की जांच और उससे निपटने के लिए व्यापक और अभिनव दृष्टिकोण की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है।

हम सभी को विशेषकर बच्चों पर ध्यान देने की आवश्यकता है या मॉनिटिरंग करने की आवश्यकता है। तस्कर आए दिन अपने तरीके बदलते रहते हैं। अपने देश में इस मुद्दे को यानी मानव तस्करी को गृह मंत्रालय मॉनिटर करता है और इस संगठित अपराध को कम करने के लिए संकल्पित भी है। गृह मंत्रालय ने एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग थाने का गठन करने के लिए सभी प्रदेशों को आदेश भी दिया है। आदेश के बाद लगभग राज्यों में इसका गठन हो भी चुका है। साथ ही प्रमुख स्टेकहोल्डर्स के प्रिशिक्षण के लिए भी गृह मंत्रालय कार्य कर रहा है।

(लेखक मानव सेवा संस्थान सेवा के निदेशक हैं)

> हम सभी को विशेषकर बच्चों पर ध्यान देने की आवश्यकता है या मॉनिटिरंग करने की आवश्यकता है डिजिटल प्रयोग कितना है और किस प्रकार का है। तस्कर आये दिन अपने तरीके बदलते रहते हैं। अपने देश में मानव तस्करी को गृह मंत्रालय मॉनिटर करता है और इस संगठित अपराध को कम करने के लिए संकल्पित भी है। गृह मंत्रालय ने एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग थाने का गठन करने के लिए सभी प्रदेशों को आदेश भी दिया है। लगभग राज्यों में गठन हो भी चुका है

हाइड्रोजन ईंधन से हवाई सफर

- चॉमर्स यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, स्वीडन की एक अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक, 2050 तक वैश्विक उड्डयन का 30 से 40 फीसद हिस्सा हाइड्रोजन ईंधन पर चलना शुरू कर सकता है
- स्वीडन ने हाइड्रोजन फ्यूल को लेकर शोध एवं विकास (रिसर्च एंड डिवेलपमेंट-आरएंडडी) पर काफी निवेश किया हुआ है

(स्रोत : मीडिया इनपुट्स)

भारत में भी नेशनल हाइड्रोजन प्रोग्राम के तहत काम चल रहा है, और देश का लक्ष्य 2050 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करना है

दिल्ली के शीर्ष नौकरशाह किसके प्रति जवाबदेह हैं? एलजी या दिल्ली सरकार के मंत्रियों के प्रति। यदि जल निकासी डी-सिल्टिंग पर चर्चा के लिए 28 जून को बैठक बुलाई गई थी, तो कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई? कब तक बिना किसी जवाबदेही वाले अधिकारियों की इन बहु-श्रृंखलाओं के कारण कीमती जानों की कीमत चुकानी पड़ेगी। क्या दिल्ली अब भगवान भरोसे है?

राजदीप सरदेसाई, पत्रकार
@sardesairajdeep

खत्म करने की चुनौती

भुखमरी | **रविशंकर**

दुनियाभर के लिए भुखमरी आज एक वैश्विक समस्या बन गई है। जनसंख्या बढ़ने के साथ ही विश्वभर में भुखमरी का आंकड़ा भी दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। जबकि पृथ्वी पर हर एक इंसान का पेट भरने लायक पर्याप्त भोजन का उत्पादन हो रहा है, लेकिन फिर भी दुनिया के कुछ हिस्सों में भुखमरी बढ़ती जा रही है।हकीकत ये है कि आधुनिक दुनिया में आज हर 11वां इंसान अभी भी खाली पेट सोने को मजबूर है। मतलब की दुनिया में 73.3 करोड़ लोग ऐसे है,जिन्हें भरपेट खाना नसीब नहीं हो रहा है। यदि 2019 की तुलना में देखें तो इन लोगों की संख्या में 15.2 करोड़ का इजाफा हुआ है।

अफ्रीका में हालात तो और भी कहीं ज्यादा खराब है, जहां हर पांचवां इंसान भुखमरी का सामना करने को मजबूर है। ये जानकारी दुनिया में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति पर जारी एक नई रिपोर्ट में सामने आई है। 'द स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड 2024' नामक ये रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ), अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास कोष (आईएफएडी), यूनिसेफ, विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने संयुक्त रूप से प्रकाशित की है।

इस रिपोर्ट में बताया गया है कि आज दुनिया की एक तिहाई आबादी ऐसी है, जो पोषण युक्त आहार खरीदने में सक्षम नहीं है। रिपोर्ट में जो आंकड़े साझा किए गए हैं वो खाद्य सुरक्षा की एक गंभीर तस्वीर पेश कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में 233 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिन्हें नियमित तौर पर पर्याप्त भोजन हासिल करने के लिए जूझना पड़ रहा है। इनमें 86.4 करोड़ लोग वो हैं जिन्हें गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ा। यानी उन्हें कुछ समय बिना खाए ही गुजारा करना पड़ा है। वास्तविकता में देखें तो पोषण के मामले में दुनिया 15 साल पीछे चली गई है और कुपोषण का स्तर 2008-2009 के स्तर पर पहुंच चुका है। हालांकि देखा जाए तो ये स्थिति तब है जब सतत विकास के लक्ष्यों के तहत 2030 तक किसी को खाली पेट न सोने देने की बात कही गई थी। मतलब की इन छह वर्षों में दुनिया को एक लंबा सफर तय करना है। रिपोर्ट में ये चेतावनी भी दी गई है कि अगर मौजूदा हालात इसी तरह से जारी रही, तो 2030 तक लगभग 58 करोड़ से ज्यादा लोग गंभीर

कुपोषण का शिकार हो जाएंगे। इनमें से आधे अफ्रीका में होंगे। साफ है, दुनियाभर में तमाम प्रोग्राम और संयुक्त राष्ट्र की कोशिशों के बावजूद खाद्य असामनता और कुपोषण जैसे मुद्दे पर अभी तक सफलता नहीं मिल पाई है। यूं तो इंसान पांच दशक पहले ही चांद पर पहुंच गया, लेकिन इसी दुनिया में आज भी करोड़ों लोगों को चांद रोटी में नजर आता है। ताजा रिपोर्ट देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि दुनिया में भुखमरी की संख्या घटने की बजाए तेजी से बढ़ रही है। साफ है, भूख की समस्या को पूरी तरह समाप्त करने के लिए अभी दुनिया को एक लंबा रास्ता तय किया जाना बाकी है। ये कैसी विडंबना है एक ओर हमारे और आपके घर में रोज सुबह रात का बचा हुआ खाना बासी समझ कर फेंक दिया जाता है तो वहीं दूसरी ओर कुछ लोग ऐसे भी हैं जिन्हें एक वक्त का खानातक नसीब नहीं हो रहा है और वे भूख से जूझ और मर रहे है। दुनिया भर में हर साल जितना भोजन तैयार होता है उसका लगभग एक-तिहाई बर्बाद हो जाता है। बर्बाद किया जाने वाला खाना इतना होता है कि उससे दो अरब लोगों के भोजन की ज़रूरत पूरी हो सकती है। गौर करने वाली बात ये है कि दुनिया में बढ़ती संपन्नता के साथ ही लोग खाने के प्रति असंवेदनशील हो रहे हैं। खर्च करने की क्षमता के साथ ही लोगों में खाना फेंकने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। कमोबेश हर विकसित और विकासशील देश की यही कहानी है। अगर इस बर्बादी को रोका जा सके तो कई लोगों का पेट भरा जा सकता है। वहीं दूसरी तरफ, खाद्यान्न की क्षति और बर्बादी न केवल संसाधनों के कुप्रबंधन का मुद्दा है बल्कि ये बड़े पैमाने पर ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में भी योगदान देती है। खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) का अनुमान है कि वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के आठ प्रतिशत के लिए खाद्य अपशिष्ट भी जिम्मेदार होते हैं।

वर्तमान समय में हर देश विकास के पथ पर आगे बढ़ने का दावा करता है। अल्पविकसित देश विकासशील देश बनना चाहते हैं तो वहीं विकासशील देश विकसित देशों की श्रेणी में शामिल होना चाहते हैं। इसके लिए देशों की सरकारें प्रयास भी करती हैं तथा विकास के संदर्भ में अपनी उपलब्धियों को गिनाती हैं। यहां तक कि विकास दर के आंकड़े से ये अनुमान लगाया जाता है कि कोई देश किस तरह विकास कर रहा है कैसे आगे बढ़ रहा है? ऐसे में जब कोई ऐसा आंकड़ा सामने आ जाए जो आपको ये बताए कि अभी तो देश 'भूख' जैसी 'समस्या को भी हल नहीं कर पाया है, तब विकास के आंकड़े झूठे लगने लगते हैं। ये कैसा विकास है जिसमें बड़ी संख्या में लोगों को भोजन भी उपलब्ध नहीं है।

शून्यता का अनुभव | **ओशो**

ध्यान में तुम्हें कभी कभी एक तरह की शून्यता का अनुभव होता है; वह वास्तविक शून्यता नहीं है। मैं उसे एक तरह की रिक्तता कहता हूं। ध्यान में कुछ क्षणों के लिए तुम्हें ऐसा अनुभव होगा जैसे कि

विचार की प्रक्रिया ठहर गई है। शुरू-शुरू में ऐसे अंतराल आएंगे, लेकिन क्योंकि तुम्हें ऐसा अनुभव होता है जैसे कि विचार की प्रक्रिया ठहर गई है, इसलिए यह भी एक विचार ही है बहुत सूक्ष्म विचार। तुम क्या कर रहे हो? तुम भीतर-भीतर कह रहे हो। 'विचार की प्रक्रिया ठहर गई है।' लेकिन यह क्या है? यह एक सूक्ष्म विचार प्रक्रिया है, जो अब आरंभ हुई है। और तुम कहते हो, यह शून्यता है। तुम कहते हो, अब कुछ घटित होने वाला है। यह क्या है? फिर एक नई विचार प्रक्रिया आरंभ हो गई। जब ऐसा फिर हो तो उसके शिकार मत बनना। जब तुम्हें लगे कि कोई मौन उतर रहा है, तो उसे शब्द देना मत शुरू कर देना। शब्द देकर तुम उसे नष्ट कर देते हो। प्रतीक्षा करो; किसी चीज की प्रतीक्षा नहीं, सिर्फ प्रतीक्षा करो। कुछ करो मत। यह भी मत कहो कि यह शून्यता है। जैसे ही तुम यह कहते हो, तुम उसे नष्ट कर देते हो। उसे देखो, उसमें प्रवेश करो, उसका साक्षात करो। लेकिन प्रतीक्षा करो, उसे शब्द मत दो। जल्दी क्या? शब्द देकर मन फिर दूसरे रास्ते से प्रवेश कर गया; उसने तुम्हें धोखा दे दिया। मन की इस चालबाजी के प्रति सजग रहो। शुरू-शुरू में ऐसा होना अनिवार्य है। तो जब फिर ऐसा हो तो रुको, प्रतीक्षा करो। उसके जाल में मत फंसो। कुछ कहो मत; चुप रहो। तब तुम गहरे प्रवेश करोगे, और तब वह खोएगी नहीं। क्योंकि तुम एक बार सच्ची शून्यता को जान लो तो फिर वह खोती नहीं है। सच्ची शून्यता कभी नहीं खोती है, यही उसकी गुणवत्ता है। और एक बार तुमने अपने आंतरिक खजाने को जान लिया, एक बार तुम अपने अंतरतम केंद्र के संपर्क में आ गए, तो फिर तुम अपने काम धाम में लगे रह सकते हो, तुम जो चाहो कर सकते हो, तुम सामान्य सांसारिक जिंदगी जी सकते हो और यह शून्य तुम्हारे साथ रहेगा। तुम इसे भूल नहीं सकते; भीतर वह शून्य बना रहेगा। तुम जो भी करोगे, करना सतह पर रहेगा, भीतर तुम शून्य के शून्य रहोगे। और अगर तुम भीतर शून्य रह सके, करना सिर्फ सतह पर चलता रहा, तो तुम जो भी करोगे वह दिव्य हो जाएगा, तुम जो भी करोगे उसमें भगवत्ता का स्पर्श होगा। क्योंकि अब कृत्य तुमसे नहीं आ रहा है, अब कृत्य मूलभूत शून्यता से आ रहा है।

रीडर्स मेल

दर्ज हो हत्या का मुकदमा

अपनी आंखों में सिविल सेवा का सपना संजोए हुए अनेकों युवा दिल्ली का रुख करते हैं। नियम-कानून को ताक पर रखकर देश में कोचिंग उद्योग कुकुरमुत्ता की तरह छा गया है। दिल्ली में सिविल सेवा की तैयारी कराने वाले एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से तीन छात्रों की मौत लापरवाही की पराकाष्ठा है। बेसमेंट में स्टोर या पार्किंग की अनुमति प्रदान किया गया था, लेकिन नगर निकाय की मिलीभगत से बेसमेंट में लाइब्रेरी चलाया जा रहा था द्य मामले की लीपापोती के लिए आनन -फानन में कोचिंग संस्थान के दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। इस घटना के लिए नगर निकाय के जिम्मेदार पदाधिकारियों पर गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज करना चाहिए। इस तरह की घटनाओं की पुनरावृति को रोकने के लिए समस्या की जड़ पर प्रहार करना अनिवार्य है।

हिमांशु शेखर, गया

है पदक की उम्मीद

पेरिस ओलंपिक में भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने कांस्य पदक जीतकर भारत का मान बढ़ाया है। इसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम होगी। इससे अन्य खिलाड़ियों को भी अपने खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी। विगत कुछ वर्षों में अनुभव किया जा रहा है कि ओलंपिक में हमारा प्रदर्शन आशानुरूप नहीं रहता। वर्तमान खेल नीति व क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों की घटती लोकप्रियता के कारण अन्य खिलाड़ी स्वयं को उपेक्षित महसूस करते हैं। आजकल बच्चे मोबाइल में व्यस्त रहते है। यदि वास्तविक रूप से हम ओलंपिक में प्रदर्शन अच्छा करना चाहते हैं तो ऐसी नई खेल नीति बनाई जाए जिसमें किशोरावस्था से ही बच्चे खेलों के प्रति प्रेरित हों। तहसील व जिला स्तर से ही खेलों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। स्कूली स्तर पर प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें प्रोत्साहित किया जाए। बहरहाल, अब भारत की झोली में एक पदक आ चुका है, अत यह उम्मीद की जानी चाहिए कि खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

गोपाल सोनी, धार, मप्र

ये बहाना नहीं चलेगा

उत्तर प्रदेश के शिक्षकों के पास काम न करने के कई बहाने हैं। कभी वो कहते हैं रास्ते में पानी भरा है, कभी ज्यादा सर्दी तो कभी गर्म मौसम का बहाना बनाते हैं। हालांकि ये दिक्कतें तो सभी कामकाजी लोगों के लिए है। सभी अपना काम कर रहे हैं। इसमें कोई बहाना नहीं है। क्योंकि आदमी पेट के लिए तो ये सब करता है। देखा गया है कि बहाने बनाने में सरकारी शिक्षक सबसे आगे हैं। सघन जांच के वक्त ये शिक्षक जब-तब गायब मिलते हैं। पेपर में पढ़ा कि एक शिक्षिका गर्मी को बर्दाश्त ना कर पाने के कारण बेहोश हो गई। इससे पहले भी ये शिक्षक रास्ते में पानी भराव का बहाना बनाकर ऑनलाइन हाजिरी का विरोध करते दिखे। मीठा-मीठा हप्प कड़वा कड़वा थू थू। ये नहीं चलेगा। ये शिक्षक चाहते तो यही हैं कि काम पर ना जाना पड़े और वेतन मिलता रहे। सरकार का सख्त रवैया भी इस मामले में काबिलेतारीफ है। आखिर सरकार उन्हें वेतन दे रही है वह जनता का ही पैसा है। और नेताओं को भी इस अव्यवस्था का जनता को जवाब देना है। इसलिए सरकार चाहती है शिक्षक ड्यूटी के प्रति चौकस रहें।

दिलीप कुमार गुप्ता, बरेली
letter.editorsahara@gmail.com

हमें गर्व है हम भारतीय हैं

राष्ट्रीय सहारा • राष्ट्रीयता • कर्तव्य • समर्पण
वर्ष-33, अंक 347

सहारा इण्डिया मास कम्युनिकेशन के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक जिया कादरी द्वारा सहारा इंडिया मास कम्युनिकेशन प्रेस, सी-2,3,4, सेक्टर-11, नोएडा में मुद्रित तथा 705-706, सातवां तल, नवरंग हाउस, 21 के.जी. मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित। । समूह संपादक - डॉ. विजय राय। स्थानीय संपादक - रत्नेश मिश्र* ।
दूरभाष - दिल्ली कार्यालय - 23352368, 23352369, 23352371, 23352372, फैक्स - 23352370, दूरभाष - नोएडा प्रेस 0120-2444755, 2444756 फैक्स - 2550750
आर.एन.आई. सं. 53469/91, पंजीकरण संख्या UP/BR /GZB- 38/2024-2026
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों के लिए उत्तरदायी

राहुल गांधी का कहना है, 'बजट से पहले हलवा वितरण समारोह होता है।' मैंने हलवा वितरण समारोह की तस्वीरें देखी। हलवा वितरण समारोह में एक भी एससी/एसटी/ओबीसी अधिकारी मुझे नहीं दिखे।' ये सुनते ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपना माथा पकड़ लिया।

—— पांचजन्य@epanchjanya

सुप्रीम कोर्ट की सात पीठें दो बजे लगाएंगी लोक अदालत

सीजेआई ने वकीलों से कहा, अपने मामले लोक अदालतों में लाएं

नई दिल्ली (एसएनबी)। भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने सोमवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय की पहली सात पीठें आज से शुक्रवार तक दोपहर दो बजे एक विशेष लोक अदालत में सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए सूचीबद्ध मामलों पर सुनवाई करेंगी। शीर्ष अदालत लंबित मुकदमों में कमी लाने के प्रयास के तौर पर तीन अगस्त तक विशेष लोक अदालत लगा रही है।

सीजेआई ने सोमवार को मुकदमों की सुनवाई शुरू होने पर कहा, 'आज से शुक्रवार तक, हम उच्चतम न्यायालय की लोक अदालत लगाएंगे और पहली सात पीठ मुकदमों पर सुनवाई करेंगी। अगर वकीलों के पास ऐसे मामले हैं जो लोक अदालत में जा सकते हैं तो कृपया उन्हें लाइए।'

सीजेआई ने पहले नागरिकों से आग्रह किया था कि अगर उनके मामले शीर्ष अदालत में लंबित हैं तो वे अपने विवादों का सौहार्दपूर्ण और तेजी से निपटारा करने के लिए विशेष लोक अदालत में भाग लें। उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड एक वीडियो संदेश में न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, 'उच्चतम न्यायालय 29 जुलाई से तीन अगस्त 2024 तक विशेष लोक अदालत का आयोजन कर रहा है। यह उन गतिविधियों की एक श्रृंखला का हिस्सा है जिसे उच्चतम न्यायालय अपनी स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाने के लिए आयोजित कर रहा है।'

उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि न्यायालय के प्रति समर्पित न्यायाधीश बड़े पैमाने पर मामले लंबित होने को लेकर चिंतित हैं। सीजेआई ने कहा, 'अपने सभी सहयोगियों और उच्चतम न्यायालय के कर्मचारियों की ओर से, मैं उन सभी नागरिकों या वकीलों से अपील करूंगा, जिनके मुकदमे उच्चतम न्यायालय में लंबित है कि वे अपने मुकदमों का तेजी से निपटारा करने की कवायद के तहत इस अवसर का फायदा उठाएं।'

विस अध्यक्ष के फैसले के खिलाफ शरद गुट की याचिका पर अजित पवार से मांगा जवाब

नई दिल्ली (एसएनबी)। उच्चतम न्यायालय ने अजित पवार के गुट को असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) मानने के महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के फैसले के खिलाफ शरद पवार खेमे की याचिका पर उपमुख्यमंत्री (अजित पवार) और उनके 40 विधायकों से जवाब तलब किया।

प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने शरद पवार गुट की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी की दलीलों पर गौर किया कि राज्य विधानसभा के बचे हुए संक्षिप्त कार्यकाल को ध्यान में रखते हुए याचिका पर तत्काल सुनवाई की जरूरत है। राज्य विधानसभा का कार्यकाल इस वर्ष नवंबर में समाप्त हो रहा है। पीठ ने कहा कि वह शरद पवार गुट के विधायकों जयंत पाटिल और जितेंद्र आव्हाड की अर्जी पर उद्धव ठाकरे खेमे की इसी तरह की याचिका पर सुनवाई के तुरंत बाद विचार करेगी।

उद्धव ठाकरे गुट ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके विधायकों के पक्ष में विधानसभा अध्यक्ष के फैसले को चुनौती देते हुए इसी तरह की याचिका दायर की है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, 'हम नोटिस जारी करेंगे। विचारणीयता के आधार समेत सभी आपत्तियों पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।' महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने 15 फरवरी को अपने फैसले में कहा था कि अजित पवार के नेतृत्व वाला राकांपा गुट असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी है। अजित पवार अपने चाचा शरद पवार के खिलाफ बगावत कर कई विधायकों के साथ भाजपा-शिवसेना सरकार में शामिल हो गये थे। नार्वेकर ने प्रतिद्वंद्वी समूहों द्वारा एक-दूसरे के विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया था।

पुल ढहने पर बिहार और NHAI से जवाब तलब

बिहार सरकार और एनएचएआई समेत अन्य को सुप्रीम कोर्ट से नोटिस

नई दिल्ली (एसएनबी)। उच्चतम न्यायालय ने उस जनहित याचिका पर बिहार सरकार और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) समेत अन्य से सोमवार को जवाब मांगा, जिसमें बिहार में पिछले कुछ हफ्तों में कई पुल ढह जाने के मद्देनजर राज्य में पुल की सुरक्षा और स्थिरता को लेकर चिंताएं व्यक्त की गई हैं। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने जनहित याचिका पर बिहार सरकार तथा अन्य को नोटिस जारी किए।

याचिका में उन पुल की पहचान करने के लिए एक संरचनात्मक ऑडिट और एक विशेषज्ञ समिति गठित करने के लिए दिशा-निर्देश दिए जाने का अनुरोध किया गया है, जिन्हें इसके निष्कर्षों के आधार पर या तो मजबूत बनाया जा सकता है या ध्वस्त किया जा सकता है। बिहार और एनएचएआई के अलावा शीर्ष न्यायालय ने सड़क निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के अध्यक्ष और ग्रामीण कार्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को भी नोटिस जारी किए। पिछले चार हफ्तों में बिहार के सीवान, सारण, मधुबनी, अररिया, पूर्वी चंपारण और किशनगंज जिलों में पुल गिरने की 10 घटनाएं सामने आई हैं। कई लोगों ने दावा किया कि इन पुल के गिरने के पीछे भारी बारिश वजह हो सकती है।

वकील ब्रजेश सिंह द्वारा दायर जनहित याचिका में राज्य में पुल की सुरक्षा और स्थिरता को लेकर चिंताएं व्यक्त की गई हैं। बिहार में मानसून के दौरान भारी बारिश होने से अक्सर बाढ की समस्या सामने आती है। याचिका में एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित करने के अलावा केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के मानदंडों के अनुसार पुल की निगरानी करने का भी अनुरोध किया गया है। याचिकाकर्ता ने कहा कि यह गंभीर चिंता का विषय है कि बिहार भारत में बाढ़ के लिहाज से सबसे अधिक संवेदनशील राज्य है। राज्य में बाढ़ से प्रभावित होने वाला कुल क्षेत्र 68,800 वर्ग किलोमीटर है, जो उसके पूर्ण भौगोलिक क्षेत्र का 73.06 फीसदी है।

याचिकाकर्ता ने कहा, 'अतः, बिहार में पुल गिरने की इस तरह की आए दिन होने वाली घटना अधिक विनाशकारी है, क्योंकि इससे बड़े पैमाने पर लोगों का जीवन खतरे में है। इसलिए लोगों की जान बचाने के लिए इस अदालत के तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता है, क्योंकि निर्माणाधीन पुल बनने से पहले ही ढह जाते हैं।' पुल ढहने की घटनाओं के मद्देनजर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सड़क निर्माण और ग्रामीण कार्य विभाग को राज्य के सभी पुराने पुल का सर्वेक्षण करने और तत्काल मरम्मत की आवश्यकता वाले पुल की पहचान करने का निर्देश दिया है।

संक्षिप्त खबरें

हेमंत की जमानत के खिलाफ ईडी की याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत देने के झारखंड उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका सोमवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय का 28 जून का आदेश 'बेहद तर्कपूर्ण' था। पीठ ने कहा, 'हम संबंधित आदेश में हस्तक्षेप करने के इच्छुक नहीं हैं।' झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष सोरेन ने मामले में ईडी द्वारा 31 जनवरी को गिरफ्तार किए जाने से कुछ समय पहले ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। मामले में जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद वह चार जुलाई को फिर से मुख्यमंत्री पद पर काबिज हुए। उच्च न्यायालय में सोरेन की जमानत अर्जी का विरोध करते हुए ईडी ने आरोप लगाया था कि उन्होंने राज्य की राजधानी रांची के बार्गेन क्षेत्र में 8.86 एकड़ जमीन 'गैरकानूनी' तरीके से हासिल करने के लिए मुख्यमंत्री पद का दुरुपयोग किया।

अखिलेश ने नेता प्रतिपक्ष चुनने में पीडीए की उपेक्षा की : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का चयन करने में पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों (पीडीए) की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। अखिलेश यादव ने रविवार को यहां पार्टी मुख्यालय में एक बैठक के बाद सिद्धार्थनगर जिले के इटवा विधानसभा क्षेत्र से सातवीं बार विधायक चुने गए माता प्रसाद पांडेय को नेता प्रतिपक्ष नियुक्त करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष को पत्र भेजा। बसपा प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा 'सपा मुखिया ने लोकसभा आम चुनाव में, खासकर संविधान बचाने की आड़ में यहाँ पीडीए (पिछडे, दलित, अल्पसंख्यकों) को गुमराह किया और उनका वोट ले लिया, लेकिन उप्र विधानसभा में प्रतिपक्ष का नेता बनाने में जो इन समुदायों की उपेक्षा की गई, यह भी सोचने की बात है।''

राज्यसभा में पूर्व सदस्य प्रभात झा को दी गई श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। राज्यसभा ने सोमवार को उच्च सदन के पूर्व सदस्य प्रभात झा के निधन पर शोक जताया और सदस्यों ने उनके सम्मान में कुछ देर का मौन रखा। सदन की कार्यवाही आरंभ होते ही सभापति जगदीप धनखड़ ने प्रभात झा के निधन का उल्लेख करते हुए पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की और कहा कि उनके लेखों में आम आदमी की चिता झलकती थी। उन्होंने कहा, उनके निधन से देश ने एक शानदार लेखक, पत्रकार और योग्य सांसद खो दिया। इसके बाद सदस्यों ने कुछ देर मौन रहकर झा को श्रद्धांजलि दी। प्रभात झा का गत शुक्रवार सुबह गुरुग्राम के एक अस्पताल में निधन हो गया था। वह 67 वर्ष के थे और पिछले कुछ समय से बीमार थे।

देश में नौकरियों की कोई कमी नहीं : श्रम मंत्री

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने 'नेशनल करियर सर्विस पोर्टल' पर उपलब्ध 19 लाख से अधिक रोजगार के अवसर का हवाला देते हुए सोमवार को लोकसभा में कहा कि देश में नौकरियों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने सदन में प्रश्नकाल के दौरान तृणमूल कांग्रेस के सदस्य कल्याण बनर्जी के पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने रोजगार सृजन के लिए कई योजनाएं चलाई हैं और अब बेरोजगारी दर घटकर 3.2 प्रतिशत रह गई है तथा भविष्य में इसके तीन प्रतिशत से नीचे आने की उम्मीद है।

मांडविया ने कहा, 'जब किसी देश की अर्थव्यवस्था सात-आठ प्रतिशत की दर से आगे बढ़ती है तो यह उस समय बढ़ती है जब विनिर्माण क्षेत्र बढ़ता है, सेवा क्षेत्र बढ़ता है, क्रय शक्ति बढ़ती है। यह सब होता है तो रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। चिता करने की बात नहीं है।' उनके मुताबिक, 'नेशनल करियर सर्विस पोर्टल' पर नियोक्ताओं ने 19 लाख रोजगार के अवसर पोस्ट कर रखे हैं जहां लोग आवेदन कर सकते हैं। मंत्री का कहना था, 'आपके परिवार में किसी को नौकरी चाहिए...अगर उनकी योग्यता होगी तो नौकरी मिलेगी। देश में नौकरियों की कोई कमी नहीं है।' मांडविया ने कहा, 'पहले बेरोजगारी दर छह प्रतिशत थी। मोदी सरकार में रोजगार सृजन हुआ, कई योजनाएं चलाई गईं। आज बेरोजगारी दर 3.2 प्रतिशत है, भविष्य में तीन प्रतिशत से कम होगी।'

इंदिरा गांधी की वजह से हकीकत बना 'प्रोजेक्ट टाइगर': कांग्रेस

नई दिल्ली (एसएनबी)। देश में कई बाघ अभयारण्य के गंभीर खतरे में होने का दावा करते हुये कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि प्रोजेक्ट टाइगर ' पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की वजह से ही अस्तित्व में आ सका। कांग्रेस ने यह भी दावा किया कि कई बाघ अभयारण्य आज गंभीर खतरे में है, जिनमें से कुछ जलवायु परिवर्तन से जुड़ी अनिश्चितताओं का सामना कर रहे हैं, लेकिन कुछ लोग बुनियादी ढांचे के नाम पर गलत सोच वाली परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के दबाव में हैं।

कांग्रेस महासचिव और पूर्व पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने कहा कि 29 जुलाई को दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस रूप में मनाया जाता है, जिसकी शुरुआत 2010 में हुयी थी। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'यह दिन एक अप्रैल, 1973 को कॉर्बेट नेशनल पार्क से लॉन्च किए गए प्रोजेक्ट टाइगर की बड़ी सफलता के कारण है। प्रारंभ में परियोजना के तहत नौ बाघ अभयारण्यों की पहचान की गई थी, लेकिन आज 55 है। रमेश ने कहा, प्रोजेक्ट टाइगर केवल एक महिला की वजह से वास्तविकता बन सका, जो एक भावुक प्रकृतिवादी थीं और जिनका मानना था।

अग्निवीरों के मामले में राहुल ने गुमराह करने की कोशिश की : राजनाथ सिंह

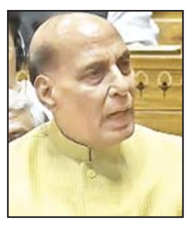

कहा, देश की सुरक्षा का मुद्दा संवेदनशील

नई दिल्ली (भाषा)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिह ने सोमवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के वक्तव्य का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने 'अग्निवीरों' को लेकर देश को गुमराह करने का प्रयास किया और बजट पर भ्रांति पैदा की है। राहुल गांधी ने केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए आरोप लगाया कि 'सेना के जवानों को अग्निपथ के चक्रव्यूह में फंसाया गया तथा बजट में अग्निवीरों को पेंशन के लिए रुपया नहीं दिया गया।' उनका भाषण संपन्न होने के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिह ने कहा, 'नेता प्रतिपक्ष ने बजट से संबंधित जो भी भ्रांतियां पैदा की हैं, उस पर वित्त मंत्री जवाब देते समय बात करेंगी। मेरा मानना है कि बजट को लेकर कई भ्रांतियां पैदा की गई हैं।'

सिंह ने कहा, 'देश की सुरक्षा का मुद्दा संवेदनशील मुद्दा है। सेना से जुड़े अग्निवीरों को लेकर देश को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है। जब भी आपका (लोकसभा अध्यक्ष) आदेश होगा मैं अग्निवीरों को लेकर अपना बयान देने के लिए तैयार हूं।' राहुल गांधी ने कहा कि रक्षा मंत्री ने पहले भी कहा था कि एक 'शहीद' अग्निवीर के परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया। कांग्रेस नेता ने कहा, 'उनकी बात गलत थी। उस परिवार को बीमा दिया गया था, मुआवजा नहीं। यह सच है। इसे कोई नकार नहीं सकता।' राहुल गांधी के भाषण के दौरान संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को सदन के नियमों के बारे में पता होना चाहिए और उन्हें सदन की कार्य प्रक्रियाओं का पालन करना चाहिए।

सपा सांसद ने अयोध्या में जमीन की खरीद में घोटाले का आरोप लगाया

सांसदों की समिति से जांच की मांग

नई दिल्ली (भाषा)। उत्तर प्रदेश की फैजाबाद लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद अवधेश प्रसाद ने अयोध्या में जमीन में खरीद में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए सांसदों की एक समिति भेजकर जांच कराने की मांग सोमवार को निचले सदन में उठाई।

लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए प्रसाद ने कहा कि इस बजट में कहीं भी उत्तर प्रदेश और अयोध्या का नाम नहीं है। उन्होंने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर अयोध्या के नाम पर राजनीति और व्यापार करने का आरोप लगाते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता ने सत्तारूढ़ दल को नकार दिया है। प्रसाद ने आरोप लगाया कि अयोध्या में रामपथ और हवाई अड्डे समेत अन्य के निर्माण के लिए 'गरीब लोगों के घरों को बुलडोजर से ढहाया गया'।

उन्होंने दावा किया कि उच्चतम न्यायालय द्वारा राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किए जाने के बाद अयोध्या में भाजपा के लोगों ने सस्ते दर पर जमीन खरीदकर ऊंचे दामों में बेचा। उन्होंने कहा कि सदन की एक समिति को भेजा जाए जो वहां जमीनों की खरीद में घोटाले की जांच करे और एक रिपोर्ट इस सदन में पेश करे। चर्चा में भाग लेते हुए तृणमूल कांग्रेस की सदस्य शताब्दी रॉय ने कहा कि यह बजट 'भाजपा बचाओ बजट' है और उम्मीद है कि अगली बार 'देश बचाओ बजट' पेश किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में भी मानसून के मौसम में अन्य राज्यों की तरह बाढ़ आती है, लेकिन बजट में केंद्र ने राज्य के लिए कोई राहत नहीं दी है। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने रेलवे में सुरक्षा, पर्यटन आदि के बारे में भी बजट में कोई चिंता नहीं की है। तृणमूल कांग्रेस सांसद ने सांसद क्षेत्र विकास निधि (एमपीलैड) बढ़ाने की मांग भी की।

प्रयागराज : सावन के दूसरे सोमवार के मौके पर भगवान शिव के मंदिर में जलाभिषेक करते श्रद्धालु।

विपक्ष केवल 'नकारात्मक' राजनीति कर रहा : भाजपा

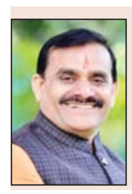

विष्णु दत्त शर्मा ने कहा, देश के विकास की राह हुई प्रशस्त

नई दिल्ली (एसएनबी)। कांग्रेस समेत विपक्ष पर 'केवल नकारात्मक और छल कपट की राजनीति' करने का आरोप लगाते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने सोमवार को कहा कि केंद्रीय बजट में अवसंरचना के लिए किए गए प्रावधान ने देश के विकास की राह को प्रशस्त किया है। लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए शर्मा ने कहा कि यह बजट 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने का बजट है। उन्होंने सदन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के भाषण का जिक्र करते हुए कहा, 'विपक्ष केवल नकारात्मक, झूठ और छल-कपट की राजनीति कर रहा है।' शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में युवाओं और किसानों के लिए विकास के अनेक काम हुए है। उन्होंने बजट में मध्य प्रदेश के लिए 97,907 करोड़ रुपये के आवंटन का जिक्र करते हुए कहा कि यह राशि पिछले बजट की तुलना में 11 हजार करोड़ रुपये अधिक है।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 'दिल में मध्य प्रदेश बसता है' और इसलिए राज्य की जनता ने हाल में लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री की विजय के लिए मतदान किया और सभी 29 सीटों पर भाजपा को जीत मिली। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की पहल पर शुरू हुई प्रत्यक्ष धनांतरण (डीबीटी) योजना से गरीबों को लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि बजट में युवाओं के लिए दो लाख करोड़ का प्रावधान किया गया है। शर्मा ने कहा, 'बजट में अवसंरचना के लिए आवंटन ने देश के विकास की राह को प्रशस्त किया है।'

शरद पवार ने महाराष्ट्र में अशांति की आशंका जताई

ठाणे (भाषा)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र में मणिपुर जैसी अशांति की आशंका पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि देश के विकास के लिए सामाजिक एकता जरूरी है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि वह ऐसा क्यों सोचते हैं।

रविवार शाम को सामाजिक एकता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पवार ने मणिपुर में जातीय संघर्ष से निपटने के केंद्र सरकार के तरीके की भी आलोचना की। मणिपुर में पिछले साल मई में शुरू हुए जातीय संघर्ष में अब तक 200 से अधिक लोग मारे गए हैं। पवार ने कहा, 'हमारे देश के विकास और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सामाजिक एकता आवश्यक है। तनाव और विभाजन की वर्तमान स्थिति चिंताजनक है। देश में बढते मतभेद के लिए जाति, धर्म और भाषा से परे एकता की आवश्यकता है। सामाजिक एकता को बढावा देने की जिम्मेदारी सरकार की है।'

विजयवर्गीय के स्वागत पर कांग्रेस पदाधिकारी सस्पेंड

भाजपा नेता की आवभगत को पार्टी ने अनुशासनहीनता बताया

मप्र के कैबिनेट मंत्री इंदौर कांग्रेस कार्यालय में गए थे कार्यक्रम का न्योता देने

इंदौर (भाषा)। इंदौर के कांग्रेस कार्यालय में सूबे के काबीना मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के स्वागत को 'अनुशासनहीनता' करार देते हुए कांग्रेस संगठन ने पार्टी की शहर और जिला इकाई के अध्यक्षों को निलंबित कर दिया है। कांग्रेस के एक नेता ने सोमवार को यह जानकारी दी।

विजयवर्गीय, इंदौर में 'एक पेड़ मां के नाम' से आयोजित पौधारोपण अभियान में शामिल होने का न्योता देने 12 जुलाई को स्थानीय कांग्रेस कार्यालय गए थे और कांग्रेस नेताओं को उनकी जमकर आवभगत करते देखा गया था। इस दौरान चाय-नाश्ते के वक्त कांग्रेस नेताओं ने विजयवर्गीय के साथ खूब ठहाके भी लगाए थे। कांग्रेस की शहर इकाई के अध्यक्ष सुरजीत सिंह चड्ढा और जिला इकाई के अध्यक्ष सदाशिव यादव को पार्टी संगठन की ओर से जारी नोटिस में कहा गया, 'एक ऐसा व्यक्ति जिसने मां अहिल्या की नगरी में लोकतांत्रिक मूल्यों की हत्या की और इंदौर की जनता से उसके मत का अधिकार छीनने का कृत्य करके देश-विदेश में शहर को शर्मसार किया, ऐसे व्यक्ति का स्वागत-सत्कार इंदौर की जिला कांग्रेस समिति के कार्यालय गांधी भवन में करना अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है।' नोटिस में चड्ढा और यादव से सात दिन के भीतर स्पष्टीकरण तलब किया गया और कहा गया कि वे इस अवधि में उनके पद से निलंबित रहेंगे।

सोमवार को सामने आए इस नोटिस पर 20 जुलाई की तारीख दर्ज है। प्रदेश कांग्रेस समिति के मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने चड्ढा और यादव को यह नोटिस जारी किए जाने की पुष्टि की। उन्होंने बताया,'कांग्रेस संगठन को दोनों नेताओं से नोटिस का संतोषजनक जवाब नहीं मिला है और वे अब भी अपने पद से निलंबित हैं।'

नायक ने विजयवर्गीय पर आरोप लगाया कि उन्होंने इंदौर लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस के घोषित प्रत्याशी अक्षय कांति बम को अपनी गाड़ी में बैठाकर उनसे ऐन मौके पर पर्चा वापस दिलवाया। उन्होंने कहा कि चड्ढा और यादव ने कांग्रेस के इंदौर कार्यालय में विजयवर्गीय का स्वागत करके उनके साथ अनावश्यक सौजन्यता बरती जो दरअसल पार्टी के साथ 'बेईमानी' है।

इंदौर से कांग्रेस प्रत्याशी घोषित किए गए बम ने पार्टी को तगड़ा झटका देते हुए नामांकन वापसी की आखिरी तारीख 29 अप्रैल को अपना पर्चा वापस ले लिया था और वह इसके तुरंत बाद भाजपा में शामिल हो गए थे। नतीजतन इस सीट के 72 साल के इतिहास में कांग्रेस पहली बार चुनावी दौड़ से बाहर हो गई थी। इस घटनाक्रम के बाद निवर्तमान सांसद और भाजपा उम्मीदवार शंकर लालवानी ने अपने नजदीकी प्रतिद्वंद्वी बहुजन समाज पार्टी प्रत्याशी संजय सोलंकी को 11.75 लाख वोट के रिकॉर्ड अंतर से हराया था। यह पिछले लोकसभा चुनाव में देश भर की 543 सीट में जीत का सबसे बड़ा अंतर है।

प्रतियोगी परीक्षाओं की पुरानी पद्धति बहाल करे सरकार : रामगोपाल

नई दिल्ली (एसएनबी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के रामगोपाल यादव ने सोमवार को राज्यसभा में मांग की कि सरकार संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विषय आधारित प्रश्न पत्र के पारंपरिक प्रारूप पर वापस लौटे। उच्च सदन में शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए यादव ने इसे 'गंभीर' करार दिया और तर्क दिया कि शिक्षा का उद्देश्य मुख्य रूप से व्यक्ति के संपूर्ण व्यक्तित्व के विकास से जुड़ा होता है। उन्होंने परीक्षा की पुरानी पद्धति का उल्लेख करते हुए कहा कि इसने देश को शिक्षाविद, अधिवक्ता और वैज्ञानिक दिए हैं। यादव ने कहा, 'हालांकि, प्रतियोगी परीक्षाओं ने पुरानी पद्धति को छोड़ दिया है। यादव ने सुझाव दिया कि वर्तमान वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रारूप ही परीक्षा में अनियमितताओं और पेपर लीक के मामलों में वृद्धि का 'सबसे बड़ा कारण' है। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी व्यक्ति की तर्क क्षमताओं का आकलन करने के लिए व्यक्तिपरक प्रश्न महत्वपूर्ण होते हैं।

महंगाई समेत कई मुद्दों पर रास में सदस्यों ने जताई गई चिंता

नई दिल्ली (एसएनबी)। राज्यसभा में सोमवार को शून्यकाल के दौरान अनेक सदस्यों ने देश में निरंतर बढ़ती महंगाई, शिक्षा पद्धति में बदलाव और बिजली गिरने से मौत होने जैसे कई मुद्दे उठाये। भाजपा के सुमेर सिंह सोलंकी ने मानसून के समय में बिजली गिरने से मौतों का मामला उठाते हुए कहा कि हर वर्ष इस मौसम में दस से 15 हजार लोगों की मौत हो जाती है। गांवों और खुले स्थानों पर इनकी रोक के लिए तड़ीचालक लगाये जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करते हुए इसके लिए समान मुआवजा राशि दी जानी चाहिए।

के सी (एम) पार्टी के जोश के. मणि ने प्लास्टिक कचरे से होने वाली हानि का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार ने दस वर्ष पहले जो स्वच्छता अभियान शुरू किया था, वह इससे निपटने में विफल रहा है। भारत दुनिया में सबसे अधिक प्लास्टिक कचरा पैदा करने वाले देशों में शामिल है। कांग्रेस के शक्तिसिंह गोहिल ने गुजरात में भीषण बाढ़ से लोगों के प्रभावित होने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि गुजरात के शहर और गांव बाढ़ से बदहाल हैं। उन्होंने कहा कि बारिश के पानी की निकासी का समुचित कार्य नहीं होने से यह हालत बनी है। अवैध अतिक्रमण और निर्माण से भी पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। बीजद के डा. सस्मित पात्रा ने ओडिशा के लिए पिछले 12 वर्षो से लंबित कोयला रॉयल्टी की दरों को बढ़ाने का मुद्दा उठाया। तृणमूल कांग्रेस के प्रकाश चिक बारईक ने खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों पर चिंता व्यक्त की और कहा कि देश में महंगाई की दर 9.36 प्रतिशत पहुंच गयी है। इसने देश के हर नागरिक को प्रभावित किया है। उन्होंने अनेक खाद्य वस्तुओं की कीमतों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह चिंता का विषय है क्योंकि इससे गरीब व्यक्ति सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाया जाना जरूरी है। शिव सेना की प्रियंका चतुर्वेदी ने पांच वर्ष तक की उम्र के बच्चों में एनीमिया के बढ़ते मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस समस्या से निपटने के लिए ठोस कदम उठाये जाने चाहिए।

करगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए सिग्नल कोर के डेयरडेविल्स की टीम ने 10800 फीट की ऊंचाई पर 31 जवानों ने 7 मोटरसाइकिलों पर मानव पिरामिड बनाकर 5 किमी की दूरी तय की। टीम ने नया विश्व रिकॉर्ड भी कायम किया।

मेरठ में सोमवार को श्रावण माह में कांवड़ यात्रा में शामिल कांवड़िए।

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनास कोआला के बच्चे के साथ पोज देतीं। कोआला के इस बच्चे का नामकरण प्रियंका के नाम पर किया गया है।

देवघर में श्रावण मास के दूसरे सोमवार को बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचे शिव भक्त।

श्रीनगर में सोमवार को लंबे समय के बाद हुई बारिश से लोगों को चिलचिलाती गर्मी से राहत मिली। खुशनुमा मौसम में नाव चलाते लोग।

सोलन जिले में परवानू के पास सोमवार को भूस्खलन के दौरान गिरे पत्थरों से क्षतिग्रस्त वाहन।

कोलकाता में सोमवार को आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में सब्जियां लेकर प्रदर्शन करते कांग्रेस कार्यकर्ता।

बेंगलुरू में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर बाघ संरक्षण के लिए जागरूकता बढ़ाने के कार्यक्रम में मुखौटा पहने स्कूली छात्र।

न्यू जर्सी में बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन की प्रतिमा को गूगल मानचित्र पर पर्यटक आकर्षण के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

झूठ, पाखंड, धोखा, फरेब के खिलाफ कठोर कानून बनाना अति आवश्यक है। जब तक अधर्म का नाश नहीं होगा तब तक धर्म की जय नहीं होगी। जब तक धर्म की जय नहीं होगी तब तक प्राणियों में सद्भावना नहीं होगी। जब तक प्राणियों में सद्भावना नहीं होगी तब तक विश्व का कल्याण नहीं होगा। —— अश्विनी उपाध्याय @AshwiniUpadhyay

संक्षिप्त खबरें

असम लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष को 14 साल की कैद

गुवाहाटी। असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) के पूर्व अध्यक्ष राकेश पॉल को एक विशेष अदालत ने राज्य में कृषि विकास अधिकारियों की भर्ती से जुड़े 'पैसे लेकर नौकरी देने' के मामले में सोमवार को 14 साल की सजा सुनाई। विशेष न्यायाधीश दीपांकर ठाकुरिया ने अपने आदेश में एपीएससी के दो अन्य पूर्व सदस्यों बसंत कुमार डोले और समेदुर रहमान को 10 साल की सजा सुनाई, जबकि 29 अन्य को चार साल की सजा सुनाई। पॉल और दो अन्य पूर्व सदस्यों को धोखाधड़ी के एक मामले में सात साल के कठोर कारावास, जालसाजी के लिए सात साल और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मामलों के लिए 10 साल की सजा सुनाई गई।

न्यूयॉर्क : पार्क में गोलीबारी एक की मौत, छह घायल

रोचेस्टर। न्यूयॉर्क के एक पार्क में रविवार को हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। रोचेस्टर पुलिस ने बताया कि उन्हें शाम छह बज कर करीब बीस मिनट पर मेपलवुड पार्क में गोलीबारी की सूचना मिली। मौके पर भारी भीड़ जमा थी और वहां कुछ लोग गोली लगने से घायल मिले। कैप्टन ग्रेग बेलो ने बताया कि 20 वर्ष से अधिक आयु के एक वयस्क की मौत हो गई, एक अन्य व्यक्ति को गंभीर चोट आई और पांच लोगों को मामूली चोटों के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल मृतक की पहचान उजागर नहीं की गई है। आयरनडेक्वोइट पुलिस, मोनरो काउंटी शेरिफ कार्यालय, रोचेस्टर पुलिस और न्यूयॉर्क राज्य पुलिस समेत कई पुलिस एजेंसियों ने पार्क में पहुंचकर घटना के संबंध में जानकारी ली।

जापान में भीषण गर्मी लू की चेतावनी जारी

टोक्यो। जापान के 47 प्रान्तों में से 38 प्रांत के लिये भीषण लू चलने की चेतावनी जारी की गई है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने बताया कि सोमवार को कुछ क्षेत्रों में भीषण लू चलने के आसार हैं। उच्च दबाव प्रणाली के कारण मुख्य रूप से पूर्वी और पश्चिमी जापान में धूप और गर्म मौसम बना रहेगा, तथा कुमागाया, कोफू और हमामात्सू शहरों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के आसार हैं। जेएमए के अनुसार, सैतामा, माएबाशी, क्योटो और ओकायामा शहरों में दिन का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है, जबकि मध्य टोक्यो, उत्सुनोमिया, ओत्सु और कोच्चि शहरों में 38 डिग्री सेल्सियस तापमान रहने के आसार हैं। मौसम अधिकारियों ने लोगों को इस मौसम में सतर्कता बरतने की सलाह दी।

सिसोदिया की जमानत अर्जी पर सुनवाई 5 को

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया की याचिका पर पांच अगस्त को सुनवाई करेगा। याचिका में उन्होंने कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार और धन शोधन के मामलों में जमानत देने का आग्रह किया है। यह मामला न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने पीठ को बताया कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने सिसोदिया की याचिका पर जवाब दाखिल कर दिया है, लेकिन वह रिकॉर्ड पर नहीं आया है। उन्होंने कहा कि ईडी का जवाबी हलफनामा तैयार है।

तटरक्षकों के लिए नौकाओं की खरीद को मंजूरी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना के बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों (एएफवी) के लिए नौवहन प्रणाली (एएलएनएस) और तटरक्षक के वास्ते 22 इंटरसेप्टर नौकाओं की खरीद को सोमवार को मंजूरी दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने अधिग्रहण प्रस्तावों को मंजूरी दी। नौवहन प्रणाली और 'इंटरसेप्टर' नौकाओं की खरीद पर होने वाले खर्च के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली है। डीएसी ने कई अन्य खरीद प्रस्तावों पर भी विचार-विमर्श किया। मंत्रालय ने कहा, 'भारतीय सेना के बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों (एएफवी) के लिए उन्नत भूमि नौवहन प्रणाली (एएलएनएस) की खरीद को मंजूरी दे दी गई है।'

किसी भी देश को दूसरे देश पर हावी नहीं होना चाहिए

- 'क्वाड' की बैठक के बाद चीन को स्पष्ट संदेश
- संगठन ने स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि की

टोक्यो (भाषा)। चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) समूह के सदस्य देशों ने सोमवार को चीन को स्पष्ट संदेश देते हुए स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत को लेकर अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की। इसके साथ ही एक ऐसा क्षेत्र बनाने की दिशा में काम करने का संकल्प लिया, जहां कोई भी देश दूसरे देश पर हावी न हो और प्रत्येक राष्ट्र हर प्रकार के दबाव से मुक्त हो। यहां हुई बैठक में 'क्वाड' देशों के विदेश मंत्रियों ने स्वतंत्र एवं नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखने और राष्ट्रों की स्वतंत्रता, मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक मूल्यों, संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांतों का सम्मान करने का भी आह्वान किया। बैठक में विदेश मंत्री जयशंकर, अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन, जापान की विदेश मंत्री योको कामिकावा और ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने हिस्सा लिया।

चारों विदेश मंत्रियों ने सीधे तौर पर बगैर नाम लिए पूर्वी और दक्षिण चीन सागर में स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की और किसी भी ऐसी एकतरफा कार्रवाई के प्रति 'क्वाड' के कड़े विरोध को दोहराया जिसके जरिए बल या दबाव से यथास्थिति को बदलने की कोशिश की जाती है। मंत्रियों ने कहा, क्षेत्रीय शांति, स्थिरता एवं समृद्धि में योगदान देने में सभी देशों की भूमिका है। हम एक ऐसा क्षेत्र चाहते है, जिसमें किसी देश का प्रभुत्व न हो और कोई देश किसी अन्य देश पर हावी न हो, प्रतिस्पर्धा का प्रबंधन जिम्मेदारी से किया जाए, हर देश सभी प्रकार के दबाव से मुक्त हो और अपने भविष्य को खुद निर्धारित कर सके। 'क्वाड' ने स्वतंत्र, खुले और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र की दिशा में काम करने का भी संकल्प लिया। इस क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में चीन की सैन्य मौजूदगी में वृद्धि देखी गई है। मंत्रियों ने कहा, हम एक ऐसे स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए 'क्वाड' की दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि करते है, जो समावेशी और लचीला हो। हम स्वतंत्रता, मानवाधिकारों, कानून के शासन, लोकतांत्रिक मूल्यों, संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांतों और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के प्रति अपने मजबूत समर्थन के साथ स्वतंत्र और खुली नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखने की हमारी प्रतिबद्धता को लेकर एकजुट है। मंत्रियों ने दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती गतिविधियों, खासकर तट रक्षक और समुद्री मिलिशिया पोतों के खतरनाक इस्तेमाल का भी जिक्र किया। मंत्रियों ने दक्षिण और पूर्वी चीन सागर सहित नियम-आधारित वैश्विक समुद्री व्यवस्था के समक्ष चुनौतियों का समाधान करने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून, विशेष रूप से समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) में प्रतिबिंबित कानून के पालन के महत्व पर बल दिया।

स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत, नियम-आधारित व्यवस्था के लिए काम कर रहा 'क्वाड' : विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को कहा कि 'क्वाड' एक ऐसे स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत और नियम आधारित व्यवस्था के लिए काम कर रहा है, जो अनिश्चित एवं अस्थिर दुनिया को स्थिर करने वाला अपने आप में एक शक्तिशाली कारक है। जयशंकर ने 'क्वाड' देशों के विदेश मंत्रियों के बैठक के बाद कहा कि 'क्वाड' केवल बातचीत करने का मंच नहीं है, बल्कि एक ऐसा मंच है, जो व्यावहारिक परिणाम पैदा करता है। विदेश मंत्री ने कहा, उदाहरण के लिए, मानवीय सहायता एवं आपदा राहत संबंधी हमारी बातचीत हमारी नौसेनाओं के बीच समझ और मानक संचालन प्रक्रियाओं में प्रतिबिंबित होती है।

आईपीएमडीए के विस्तार की योजना

टोक्यो (भाषा)। 'क्वाड' समूह ने एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, सोमवार को अपने महत्वाकांक्षी हिंद-प्रशांत समुद्री क्षेत्र जागरूकता (आईपीएमडीए) कार्यक्रम को हिंद महासागर क्षेत्र तक विस्तारित करने की योजना की घोषणा की। इससे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जल क्षेत्र की बेहतर निगरानी हो सकेगी। 'क्वाड' की विदेश मंत्रिस्तरीय बैठक के बाद यह घोषणा हिंद महासागर में चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर नई दिल्ली की चिंताओं के बीच की गई। क्वाड ने यह भी कहा कि वह हिंद महासागर क्षेत्र के लिए भारत के सूचना केंद्र के माध्यम से अपने दक्षिण एशिया कार्यक्रम के शीघ्र संचालन के लिए काम कर रहा है।

चीन ने क्वाड देशों पर लगाया कृत्रिम रूप से तनाव पैदा करने का आरोप

बीजिंग (भाषा)। चीन ने सोमवार को क्वाड समूह के देशों पर एशिया प्रशांत क्षेत्र में अन्य देशों के विकास को रोकने के लिए कृत्रिम रूप से तनाव पैदा करने और टकराव भड़काने का आरोप लगाया। बीजिं का यह बयान तब आया है जब कुछ घंटों पहले क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों ने बैठक में स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत को लेकर अपनी दृढ प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की तथा एक ऐसा क्षेत्र बनाने की दिशा में काम करने का संकल्प लिया, जहां कोई भी देश दूसरे देश पर हावी न हो और प्रत्येक राष्ट्र हर प्रकार के दबाव से मुक्त हो। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों के संयुक्त बयान पर उनकी प्रतिक्रिया पूछे जाने पर कहा कि यह एशिया-प्रशांत में शांति एवं विकास और स्थिरता की वैश्विक प्रवृत्ति के खिलाफ है। चीन को स्पष्ट संदेश देते हुए बैठक में 'क्वाड' देशों के विदेश मंत्रियों ने स्वतंत्र एवं नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखने और राष्ट्रों की स्वतंत्रता, मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक मूल्यों, संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांतों का सम्मान करने का भी आह्वान किया।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तार के प्रति प्रतिबद्धता जताई

टोक्यो /नई दिल्ली (वार्ता)। भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के समूह क्वाड ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पुनर्गठन और इसमें स्थाई और अस्थाई सदस्यों की संख्या बढ़ाए जाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। क्वाड विदेश मंत्रियों के टोक्यो सम्मेलन के बाद सोमवार को जारी संयुक्त वक्तव्य में यह प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है। रविवार को संपन्न हुई इस बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने किया।

सदस्य देशों की ओर से जारी वक्तव्य में कहा गया है कि क्वाड एशिया प्रशांत क्षेत्र में स्वस्थ विकास स्थिरता और समृद्धि तथा क्षेत्र की आवश्यकताओं के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने के विषय में सामूहिक रूप से एक सकारात्मक और व्यवहारिक कार्य योजना को आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रहा है। क्वाड विदेश मंत्रियों ने बहुपक्षीय अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा है कि देश की सीमाओं के निर्धारण में बल प्रयोग का कोई स्थान नहीं है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पुनर्गठन के बारे में कहा गया कि हम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थाई और गैरस्थाई सीटों के विस्तार सहित व्यापक संयुक्त राष्ट्र सुधार एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस संबंध में, हम सुरक्षा परिषद सुधारों पर अंतर-सरकारी वार्ता (आईजीएन) प्रक्रिया में सक्रिय और रचनात्मक भागीदारी के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जंजीर से बंधी मिली महिला, अमेरिकी पासपोर्ट की फोटोकॉपी बरामद

- महाराष्ट्र के सिधुदुर्ग जिले की घटना

मुंबई (भाषा)। महाराष्ट्र के सिधुदुर्ग जिले के एक जंगल में 50 वर्षीय महिला लोहे की जंजीर से पेड़ से बंधी मिली। उसके पास से अमेरिकी पासपोर्ट की फोटोकॉपी के साथ-साथ तमिलनाडु के पते वाला आधार कार्ड समेत अन्य दस्तावेज बरामद किए गए हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि शनिवार शाम को मुंबई से करीब 450 किलोमीटर दूर सोनुरली गांव में एक चरवाहे ने महिला की चीखने की आवाज सुनी और उसे जंजीरों में जकड़ा हुआ देखकर पुलिस को सूचना दी। अधिकारी ने बताया, 'महिला को सावंतवाड़ी (राज्य के कोंकण क्षेत्र में) और फिर सिधुदुर्ग के ओरोस के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मानसिक और स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए, उसे बेहतर उपचार के लिए गोवा मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है।' उन्होंने बताया, 'उसका उपचार करने वाले चिकित्सकों ने बताया कि महिला मानसिक समस्याओं से ग्रस्त है। हमें उसके पास से मेडिकल पर्चा मिला है। महिला फिलहाल खतरे से बाहर है।' उन्होंने बताया कि महिला के पास बरामद आधार कार्ड बरामद किया गया है जिस पर तमिलनाडु का पता है, उसके पास से हमें उसके अमेरिकी पासपोर्ट का फोटोकॉपी भी मिला है। उसका वीजा समाप्त हो चुका है। महिला की पहचान तमिलनाडु की रहने वाली ललिता काई के तौर पर हुयी है।'

अधिकारी ने बताया कि हमलोग इन सभी दस्तावेजों का सत्यापन करवा रहे है, ताकि उसकी राष्ट्रीयता का पता लगाया जाये। उन्होंने बताया कि पुलिस विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय के भी संपर्क में है। पुलिस को मिली शुरुआती जानकारी के अनुसार, महिला पिछले 10 सालों से भारत में रह रही है।

यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने के फैसले के खिलाफ याचिका पर सुनवाई से इनकार

- सीजेआई ने वकील से कहा, छात्रों को आने दें

नई दिल्ली (एसएनबी)। उच्चतम न्यायालय ने प्रश्न पत्र कथित रूप से लीक होने के आधार पर यूजीसी-नेट (राष्ट्रीय योग्यता परीक्षा) परीक्षा रद्द करने के केंद्र सरकार के फैसले के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर विचार करने से सोमवार को इनकार कर दिया। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने हालांकि, कहा कि जनहित याचिका को खारिज करने का फैसला उसके गुण-दोष को लेकर सुनाया गया निर्णय नहीं है। उसने कहा कि इसे एक वकील ने दायर किया, न कि पीड़ित छात्रों ने।

प्रधान न्यायाधीश ने वकील से कहा, 'आप (वकील) क्यों आए हैं ? छात्रों को खुद यहां आने दीजिए।' उन्होंने कहा, 'इस जनहित याचिका को अस्वीकार करते हुए हम इसके गुण-दोष पर कुछ नहीं कहेंगे।' पीठ ने याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता उज्ज्वल गौड़ से कहा कि वह कानूनी मामलों पर ध्यान केंद्रित करें और ऐसे मुद्दों को पीड़ित व्यक्तियों के लिए छोड़ दें। यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने के केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के फैसले के खिलाफ न्यायालय में यह याचिका दायर की गई थी। परीक्षा की शुचिता से समझौता होने की जानकारी मिलने के बाद यह निर्णय लिया गया था। मंत्रालय ने 19 जून को यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने का आदेश दिया था और मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी थी।

झारखंड में राष्ट्रपति शासन लगाने नीट परीक्षा समाप्त करने की मांग

- लोकसभा में सांसदों ने उठाई मांग

नई दिल्ली (भाषा)। लोकसभा में सोमवार को भाजपा के एक सांसद ने झारखंड में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की, वहीं एक कांग्रेस सदस्य ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट' को समाप्त करने की मांग की। सदन में शून्यकाल में अन्य कई मुद्दे भी सदस्यों द्वारा उठाए गए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के निशिकांत दुबे ने आरोप लगाया कि गत 27 जुलाई को झारखंड के पांकुड़ में कुछ आदिवासी छात्र अपनी समस्याओं को लेकर आंदोलन करना चाह रहे थे लेकिन राज्य पुलिस ने छात्रावासों में छात्रों को 'बर्बरतापूर्ण' तरीके से पीटा। उन्होंने दावा किया कि पुलिस की पिटाई के बाद दो छात्र मरणासन्न अवस्था में हैं, और 11 अन्य छात्र गंभीर हालत में विभिन्न अस्पतालों में भर्ती है। दुबे ने कहा कि राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने घटना का संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा, 'राज्य सरकार बांग्लादेशियों को बसाने के लिए आदिवासियों को बर्बाद कर रही है। झारखंड में राष्ट्रपति शासन लगाया जाए।'

तमिलनाडु से कांग्रेस की सदस्य एस जोतिमणि ने राज्य में पिछले एक साल में मेडिकल प्रवेश की तैयारी कर रहे 80 विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या किए जाने का दावा करते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई 'नीट' परीक्षा सामाजिक न्याय के खिलाफ है और इसे समाप्त किया जाना चाहिए। शून्यकाल में ही द्रमुक के डीएम कथिर आनंद ने तमिलनाडु में बीड़ी मजदूरों की समस्या का मुद्दा उठाया।

भाजपा के राजीव प्रताप रूड़ी ने दावा किया कि देश में हर साल 30 से 40 लाख लोगों को सांप काट लेते है जिनमें से 50-60 हजार लोगों की मौत हो जाती है। उन्होंने कहा कि सांप काटने से मौत के सर्वाधिक मामले बिहार में होते है। उन्होंने राज्य में हर साल सांपों के काटने से 10 हजार से अधिक लोगों के मारे जाने का दावा किया। रूड़ी ने कहा कि वह इस समस्या की ओर केंद्र सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहते हैं। शिरोमणि अकाली दल की सदस्य हरसिमरत कौर बादल ने पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार पर एकीकृत बाल विकास योजना (आईसीडीएस) में भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि राज्य में इस योजना के तहत फर्जी लाभार्थी दिखाकर दोगुना बजट लिया जा रहा है और निजी क्षेत्र के लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है।

रूस : वोल्गोग्राड में ट्रेन पटरी से उतरी, 100 से ज्यादा घायल

मॉस्को (आईएएनएस)। रूस के दक्षिणी वोल्गोग्राड क्षेत्र में सोमवार को यात्री ट्रेन पटरी से उतर गई। हादसे में 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। ट्रेन में 800 से ज्यादा लोग सवार थे। पटरी से उतरने से पहले ट्रेन एक ट्रक से टकराई थी। हालांकि, हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

अधिकारियों ने ये जानकारी दी। रूस टुडे के मुताबिक, 20 डिब्बों वाली यह ट्रेन रूस के तातारस्तान गणराज्य के कज़ान से सोची के पास रिसोर्ट शहर एडलर जा रही थी। स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 12.30 बजे यह हादसा हुआ। वोल्गोग्राड क्षेत्र के गवर्नर एंड्री बोचारोव ने एक बयान में कहा कि नौ डिब्बे पटरी से उतर गए हैं। उन्होंने बताया कि ट्रेन में 813 यात्री सवार थे। कई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कम से कम 110 यात्री घायल हुए हैं और करीब 16 को अस्पताल में भती कराया गया है। किसी के मरने की खबर नहीं है। ट्रक चालक बच गया है, लेकिन उसके सिर और पैरों में चोटें आई हैं। रूस टुडे ने बताया कि घटना की आपराधिक जांच शुरू कर दी गई है।

इस्राइल ने लेबनान में 15 ठिकानों पर दागे गोले

साउथ लेबनान (वार्ता)। लेबनान के आंदोलन हिजबुल्लाह के खिलाफ धमकियों के बाद इस्राइली सेना ने पूर्वी और दक्षिणी लेबनान में 15 बस्तियों पर गोलाबारी की है। लेबनानी न्यूज चैनल अल मनार ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। गौरतलब है कि इस्राइल ने शनिवार को हिजबुल्लाह पर गोलान हाइट्स पर गोलाबारी करने का आरोप लगाया था। चैनल के अनुसार इस्राइल ने पूर्वी लेबनान के बालबेक क्षेत्र में तराईय्या शहर पर गोलाबारी की। वहीं, दक्षिणी लेबनान के बिंट जबील जिले में आयता अश शब, यारून, रामयेह और ऐतरौन की बस्तियों पर बमबारी की। इसके साथ ही इस्राइल की सीमा के पास मरजायून जिले में खियाम, कफरकेला, मीस एल जबल और मरकाबा शहरों पर भी बमबारी की। इसके अलावा बोर्ज एल चमली, अल अब्बासिया, टायर, तैर हरफा, नकौरा और चिहिन शहरों पर हमला किया।

'रूसी सेना की ओर से यूक्रेन के खिलाफ लड़ने के लिए भेजे गए' व्यक्ति की मौत

- परिवहन संबंधी कार्य के लिए गए थे रूस
- रूसी सेना ने युक्रेन युद्ध में अग्रिम मोर्चे पर भेजा

चंडीगढ़ (भाषा)। हरियाणा के 22 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई जिसे 'रूसी सेना ने यूक्रेनी सेना के खिलाफ लड़ने के लिए अग्रिम मोर्चे पर भेजा था।' युवक के परिवार ने सोमवार को यह दावा किया। युवक के भाई अजय मौन ने बताया कि मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास ने रवि मौन की मौत की पुष्टि की है। रवि हरियाणा के कैथल जिले के मटौर गांव के निवासी थे। अजय ने दावा किया कि रवि 13 जनवरी को परिवहन संबंधी नौकरी के लिए रूस गए थे, लेकिन उन्हें सेना में भर्ती कर लिया गया। अजय ने अपने भाई के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए दूतावास को 21 जुलाई को पत्र लिखा था। उन्होंने कहा, 'दूतावास ने हमें बताया कि उनकी मौत हो गई है।' परिवार ने कहा कि दूतावास ने शव की पहचान के लिए उनसे डीएनए परीक्षण रिपोर्ट भेजने के लिए भी कहा।

अजय ने कहा, 'रवि 13 जनवरी को रूस गए थे। एक एजेंट ने उन्हें परिवहन संबंधी नौकरी के लिए रूस भेजा था लेकिन उन्हें रूसी सेना में शामिल कर लिया गया।' रूस ने उसकी सेना में शामिल भारतीय नागरिकों को नौकरी से शीघ्र मुक्त करने और उनकी वापसी सुनिश्चित करने की भारत की मांग मानने पर कुछ ही दिन पहले सहमति जताई थी। अजय मौन ने आरोप लगाया कि रूसी सेना ने उनके भाई से कहा था कि वह यूक्रेनी सेना के खिलाफ लड़ने के लिए अग्रिम मोर्चे पर जाएं या फिर 10 साल जेल की सजा भुगतें। उन्होंने कहा कि रवि को खाई खोदने का प्रशिक्षण दिया गया था और बाद में उन्हें अग्रिम मोर्चे पर भेज दिया गया। अजय ने कहा, 'हम 12 मार्च तक उनके संपर्क में थे और वह बहुत परेशान थे।' अजय मौन के पत्र पर भारतीय दूतावास ने जवाब दिया, 'दूतावास ने संबंधित रूसी प्राधिकारियों से उनकी मृत्यु की पुष्टि करने और उनके पार्थिव शरीर को भेजे जाने का अनुरोध किया है।' उसने कहा, 'रूसी पक्ष ने उनकी मौत की पुष्टि की है। हालांकि, शव की पहचान के लिए उन्हें उनके करीबी रिश्तेदारों के डीएनए की जांच करने की आवश्यकता है।' अजय मौन ने अपने भाई के शव को वापस लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी अनुरोध किया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'हमारे पास उनके शव को वापस लाने के लिए पर्याप्त धन नहीं है।' उन्होंने कहा कि परिवार ने एक एकड़ जमीन बेचकर उन्हें रूस भेजने के लिए 11.50 लाख रुपए खर्च किए। रूस ने अपनी सेना में सहायक कर्मियों के रूप में भारतीयों की भर्ती बंद करने और बल में कार्यरत भारतीयों की स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने की भारत की मांग मानने पर इस महीने की शुरुआत में सहमति जताई थी। रूसी पक्ष ने सभी भारतीय नागरिकों को रूसी सेना से जल्द सेवामुक्त करने का वादा किया था।

मस्क ने हैरिस की आवाज की नकल वाला वीडियो साझा किया

- राजनीति में एआई के इस्तेमाल को लेकर चिंता बढ़ी

न्यूयॉर्क (एपी)। अरबपति उद्योगपति एलन मस्क ने छेड़छाड़ किया हुआ एक ऐसा वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है जिसमें अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की संभावित उम्मीदवार कमला हैरिस की आवाज की नकल की गई है और वे बातें कही गई है जो उपराष्ट्रपति ने कभी नहीं कही है। इस वीडियो के कारण चुनाव में एआई की गुमराह करने की ताकत को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

मस्क ने इसे शुक्रवार शाम को अपने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इस वीडियो को साझा किया, हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट रूप से नहीं बताया कि इसे पैरोडी (ऐसा वीडियो जिसमें किसी का उपहास उड़ाने के लिए उसकी आवाज और उसके अंदाज की नकल की जाती है) के रूप में जारी किया गया था। वीडियो में हैरिस के कुछ असल दृश्य जोड़े गए है लेकिन वीडियो में पीछे हैरिस की आवाज से मेल खाती जो आवाज सुनाई दे रही है वह वास्तव में उनकी नहीं है। वीडियो में हैरिस जैसी आवाज में कहा गया है, मैं, कमला हैरिस, राष्ट्रपति पद के लिए आपकी डेमोक्रेट उम्मीदवार हूं क्योंकि जो बाइडन ने बहस में आखिरकार उजागर कर दिया कि वह बूढ़े हो गए है। वीडियो में कहा गया है कि हैरिस देश चलाने के बारे में कुछ नहीं जानतीं। वीडियो में हैरिस के कुछ प्रामाणिक पुराने क्लिप भी जोड़े गए है। हैरिस के प्रचार अभियान की प्रवक्ता मिया एहरनबर्ग ने कहा, हमारा मानना है कि अमेरिकी लोग वास्तविक स्वतंत्रता, अवसर और सुरक्षा चाहते है, जो उपराष्ट्रपति हैरिस दे रही है, न कि एलन मस्क एवं डोनाल्ड ट्रंप के नकली, हेरफेर कर फैलाए गए झूठ।बड़े पैमाने पर साझा किया जा रहा यह वीडियो इस बात का उदाहरण है कि कैसे एआई द्वारा छवियों, वीडियो या ऑडियो क्लिप का उपयोग मजाक उड़ाने और ऐसे समय में राजनीति में गुमराह करने के लिए किया जा रहा है, जब अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव होने वाले है। यह वीडियो इस बात को उजागर करता है कि कैसे उच्च गुणवत्ता वाले एआई उपकरण अधिक सुलभ हो गए है लेकिन उनके उपयोग को विनियमित करने के लिए अभी तक महत्वपूर्ण संघीय कार्रवाई का अभाव है। वीडियो को सबसे पहले पोस्ट करने वाले सोशल मीडिया उपयोगकर्ता 'मिस्टर रीगन' ने 'यूट्यूब' और 'एक्स' दोनों पर बताया है कि यह छेड़छाड़ किया गया वीडियो एक 'पैरोडी' है लेकिन मस्क ने अपने खाते से यह वीडियो साझा करते हुए शीर्षक में हंसी वाली 'इमोजी' के साथ केवल इतना ही लिखा- 'यह शानदार है'। मस्क द्वारा साझा किए वीडियो को 12 करोड़ 30 लाख लोग देख चुके हैं।

मस्क ने गूगल पर जताया राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप करने का संदेह

वॉशिंगटन (वार्ता)। अमेरिका के अरबपति उद्यमी एलन मस्क ने सर्च इंजन गूगल पर अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप करने का संदेह जताया है। मस्क ने एक्स पर कहा, वाह, गूगल ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बारे में खोज पर प्रतिबंध लगा दिया है! चुनाव में हस्तक्षेप? उन्होंने एक स्क्रीनशॉट संलग्न करते हुए दिखाया कि जब सर्च बार में 'राष्ट्रपति डोनाल्ड' टाइप किया जाता है, तो ब्राउजर के सुझाव 'राष्ट्रपति डोनाल्ड डक' और 'राष्ट्रपति डोनाल्ड रेगन' होते है। बाद में, मस्क ने एक और पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा कि अगर गूगल वास्तव में राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप कर रहा था, तो उसके लिए गंभीर संकट उत्पन्न हो जाएगा। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव पांच नवंबर को होने वाला है। डेमोक्रेटिक पार्टी का प्रतिनिधित्व वर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा किया जाना था, लेकिन रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप के साथ जून की बहस में उनके बेहद खराब प्रदर्शन के बाद डेमोक्रेट्स के बीच बहुत तेजी से उन्हें राष्ट्रपति पद की दौड़ से हटाए जाने की मांग उठने लगी।

भारत का कार्यक्रम

निशानेबाजी

ट्रैप पुरुष क्वालीफिकेशन - पृथ्वीराज तोंडइमन - दोपहर 12:30 बजे।

ट्रैप महिला क्वालीफिकेशन - श्रेयसी और राजेश्वरी कुमारी - दोपहर 12:30 बजे।

10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम कांस्य पदक मैच - भारत (मनु भाकर और सरबजोत) बनाम कोरिया - 1.00 बजे

हॉकी

पुरुष पूल बी मैच - भारत बनाम आयरलैंड - शाम 4:45 बजे

तीरंदाजी

महिला व्यक्तिगत 1/32 एलिमिनेशन राउंड - अंकिता भकत (शाम 5:15 बजे) और भजन कौर (शाम 5:30 बजे)।

पुरुष व्यक्तिगत 1/32 एलिमिनेशन राउंड - डी. बोम्मादेवरा (रात 10:45 बजे)।

बैडमिंटन

पुरुष युगल (ग्रुप चरण) - सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी बनाम अल्फियन फजर और मुहम्मद रियान अर्दियांतो (इंडोनेशिया) - शाम 5:30 बजे।

महिला युगल (ग्रुप चरण) - अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो बनाम सेतयाना मपासा और एंजेला यू (आस्ट्रेलिया) - शाम 6:20 बजे।

मुक्केबाजी

पुरुषों का 51 किग्रा राउंड ऑफ 16 - अमित पंघाल बनाम पैट्रिक चिन्येम्बा (जाम्बिया) - शाम 7:15 बजे।

महिलाओं का 57 किग्रा राउंड ऑफ 32 - जैस्मीन लेम्बोरिया बनाम नेस्टी पेटेसियो (फिलिपींस) - रात 9:25 बजे।

महिलाओं का 54 किग्रा राउंड ऑफ 16 - प्रीति पवार बनाम येनी मार्सेला एरियास (कोलंबिया) - रात 1:20 बजे (31 जुलाई)।

संक्षिप्त खबरें

भारतीय पुरुष तीरंदाजी टीम ने भी किया निराश

पेरिस। तरुणदीप राय, धीरज बोम्मादेवरा, प्रवीण जाधव की भारतीय पुरुष तीरंदाजी टीम ओलंपिक क्वार्टर फाइनल में सोमवार को यहां तुर्किये से 2-6 से हार गयी। भारतीय टीम ने शुरुआती दो सेट गंवाने के बाद तीसरे सेट में वापसी की लेकिन तुर्किये के तीरंदाजों ने चौथा सेट जीतकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। भारत को 53-57, 52-55, 55-54, 54-58 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले महिला तिकड़ी भजन कौर, अंकिता भकत और दीपिका कुमारी को नीदरलैंड ने 6-0 से हराकर बाहर किया था।

भारत 2025 में टी-20 एशिया कप की मेजबानी करेगा

क्वालालंपुर। भारत 2025 में टी-20 प्रारूप में पुरुष एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के अगले सत्र की मेजबानी करेगा, जो 2026 में देश में होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले होगा। एशियाई क्रिकेट परिषद ने 'रुचि की अभिव्यक्ति के लिए आमंत्रण' (आईईओआई) में इसकी घोषणा की। एशिया कप को हमेशा वैश्विक आयोजन की तैयारियों के रूप में इस्तेमाल किया जाता है और उसी प्रारूप में खेला जाता है जिसमें विश्व कप आयोजित किया जाएगा। एशिया कप के 2023 सत्र की मेजबानी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने 'हाईब्रिड मॉडल' पर की थी। बांग्लादेश 2027 में वनडे प्रारूप में इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा क्योंकि 2027 में दक्षिण अफ्रीका में वनडे विश्व कप खेला जाना है। भारत में टी-20 प्रारूप और बांग्लादेश में 50 ओवर के प्रारूप में खेले जाने वाले एशिया कप में 13-13 मैच होंगे। एसीसी ने आईईओई में जारी बयान में कहा, 'पुरुष एशिया कप टूर्नामेंट' का मतलब एसीसी द्वारा नामित सदस्यों के बीच दो साल के अंतराल पर आयोजित होने वाला पुरुष क्रिकेट टूर्नामेंट।

16 साल की जिया इंग्लिश चैनल पार करने वाली दुनिया की सबसे युवा पैरा तैराक बनी

मुंबई। 'ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर' से पीड़ित मुंबई की 16 वर्षीय जिया राय इंग्लिश चैनल पार करने वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की और सबसे तेज पैरा तैराक बन गई हैं। उन्होंने यह उपलब्धि 28-29 जुलाई को हासिल की। जिया ने 28 से 29 जुलाई के बीच 17 घंटे और 25 मिनट के समय में इंग्लैंड के एबट्स क्लिफ से फ्रांस के प्वाइंट डे ला कोर्टे-ड्यून तक इंग्लिश चैनल को तैरकर पार किया। उन्होंने 34 किलोमीटर की दूरी तय की। वह मुंबई में सेवारत नौसेना के मदन राय की बेटी हैं। पश्चिमी नौसेना कमान (डब्ल्यूएनसी) ने युवा पैरा तैराक को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

मनु और सरबजोत मिश्रित टीम कांस्य पदक मुकाबले में, कांसे से चूके अर्जुन

शेटराउ (भाषा)। आत्मविश्वास से ओतप्रोत मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में दूसरे पदक की ओर कदम बढ़ाते हुए सरबजोत सिंह के साथ सोमवार को 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा के कांस्य पदक के मुकाबले के लिए भी क्वालीफाई कर लिया। वहीं अर्जुन बबूता 10 मीटर एयर राइफल में कांस्य से मामूली अंतर से चूक गए। रमिता जिंदल महिलाओं के 10 मीटर एयर राइफल में सातवें स्थान पर रही।

निशानेबाजी

मनु ने रविवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था और ओलंपिक पदक जीतने वाली वह पहली भारतीय महिला निशानेबाज बनी। भारत को उन्होंने ओलंपिक की निशानेबाजी रेंज पर 12 साल बाद पदक दिलाया था। मनु और सरबजोत ने मिश्रित टीम स्पर्धा में 580 स्कोर कर पदक के दौर में प्रवेश किया जहां उनका सामना मंगलवार को कोरिया के ओह यि जिन और ली वोन्हो से होगा।

पुरुषों 10 मीटर एयर राइफल में अर्जुन बबूता पदक जीतने के करीब पहुंचने के बाद पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहे। बबूता ने 208.4 स्कोर किया। क्रोएशिया के मिरान मारिसिच के 10.7 के जवाब में उनका 9.5 का शॉट भारी पड़ गया। उन्होंने फाइनल की शुरुआत 10.7 से की और फिर 10.2 स्कोर किया। तीसरे शॉट पर 10.5 स्कोर के साथ वह चौथे स्थान पर पहुंच गए और फिर 10.4 के साथ तीसरे स्थान पर पहुंचे।

पहली सीरिज उन्होंने 10.6 पर खत्म की। दूसरी सीरिज में 10.7, 10.5, 10.8 के पहले तीन शॉट लगाए। इस समय उनके और विश्व रिकार्डधारी चीन के शेंग लिहाओ से 0.1 अंक ही पीछे थे। लिहाओ ने 252.2 के ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। स्वीडन के विक्टर लिडग्रेन को रजत और क्रोएशिया के मारिसिच को कांस्य पदक मिला। इससे पहले रियो ओलंपिक में अभिनव बिंद्रा इसी स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहे थे। 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम में भारत की रिदम सांगवान और अर्जुन सिंह चीमा की जोड़ी 576 के स्कोर के साथ दसवें स्थान पर रही और पदक की दौड़ में शामिल नहीं हो सकी।

क्वालीफिकेशन में 582 के ओलंपिक रिकॉर्ड की बराबरी करने वाले तुर्किए और सर्बिया (581) के बीच स्वर्ण पदक का मुकाबला होगा। मनु ने पहली दो सीरिज में 98 स्कोर किया लेकिन तीसरे सेट में 95 स्कोर कर सकी। वहीं पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के व्यक्तिगत दौर में फाइनल से चूके सरबजोत ने दूसरे और तीसरे सेट में 97 स्कोर किया जबकि पहले सेट में उनका स्कोर 95 था। वहीं भारत की रमिता जिदल महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल में सातवें स्थान पर रही।

रमिता ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 145.3 स्कोर किया। वह दस शॉट के बाद सातवें स्थान पर थी जब एलिमिनेशन शुरू हुआ। इसके बाद उसने 10.5 का शॉट लगाकर छठा स्थान हासिल किया और नॉर्वे की हेग लीनेट डस्टाड बाहर हो गई। अगले शॉट पर रमिता बाहर हुई। रविवार को क्वालीफिकेशन में वह पांचवें स्थान पर रही थी।

10 मी. एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा निशाना साधते सरबजोत। साथ में है मनु भाकर।

अफगान जूडो खिलाड़ी सपना पूरा करने 6000 किमी की यात्रा कर पहुंचा पेरिस

शेटराउ (भाषा)। ओलंपिक खेलने पहुंचे लगभग सभी खिलाड़ियों को तैयारियों के लिए पूरी सुविधाएं दी जाती है लेकिन जब खिलाड़ी युद्ध से जर्जर अफगानिस्तान जैसे देश से हो तो उसे खेलों के इस महासमर में भाग लेने का अपना सपना पूरा करने के लिए छह हजार किलोमीटर और पांच देशों की यात्रा भी करनी पड़ सकती है।

अफगानिस्तान के जूडो खिलाड़ी सिबगातुल्लाह अरब 2021 में तालिबान के कब्जे वाले अफगानिस्तान से भाग निकले। इसके बाद पांच देशों में शरण ली और आखिर में 6000 किलोमीटर का सफर तय करके जर्मनी पहुंचे। वह अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की शरणार्थी टीम का हिस्सा हैं और पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की जूडो स्पर्धा के 81 किलोवर्ग में उतरेंगे। अफगानिस्तान में टीवी पर जूडो की विश्व चैंपियनशिप देखकर उन्हें इस खेल से मुहब्बत हो गई लेकिन उनके शौक को परवान चढ़ाने का कोई जरिया नहीं था। तालिबान के कब्जे के बाद वह यूरोप भाग गए जिस समय उनकी उम्र सिर्फ 19 साल थी।

उन्होंने कहा, 'जब मैंने अफगानिस्तान छोड़ा तो पता नहीं था कि बचूंगा या नहीं। इतनी दिक्कतें झेली है।' नौ महीने में उन्होंने ईरान, तुर्किये, यूनान, बोस्निया और स्लोवेनिया की यात्रा की और आखिर में जर्मनी में बस गए। उन्होंने कहा, 'रास्ते में मेरी तबीयत बहुत बिगड़ गई थी और मैं तनाव में भी था।' मोंशेंग्लाबाख में एक जूडो क्लब से जुड़े इस खिलाड़ी ने मैड्रिड में 2023 यूरोपीय ओपन में सातवां स्थान हासिल किया। उन्होंने कहा, 'मेरे माता पिता अभी भी अफगानिस्तान में हैं और मुझसे रोज बात होती है। वे मुझे अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं।'

सीन नदी का पानी खराब होने से लगातार दूसरे दिन ओलंपिक ट्रॉयथलन तैराकी अभ्यास फिर रद्द

पेरिस (एपी)। सीन नदी के पानी का स्तर खराब होने से ओलंपिक ट्रॉयथलन की तैराकी स्पर्धा के लिए तैयारी लगातार दूसरे दिन रद्द कर दी गई। आयोजकों ने उम्मीद जताई है कि मंगलवार को स्पर्धा शुरू होने पर ट्रॉयथलीट इस नदी में तैराकी कर सकेंगे। विश्व ट्रॉयथलन, उसकी मेडिकल टीम और शहर प्रशासन ने उम्मीद जताई है कि अगले 36 घंटों में धूप खिलने और तापमान बढ़ने से पानी की गुणवत्ता बेहतर होगी। विश्व ट्रॉयथलन ने पानी की गुणवत्ता की समीक्षा के लिए बैठक के बाद तैराकी का अभ्यास रद्द करने का फैसला किया। अधिकारियों ने कहा कि उद्घाटन समारोह के दिन आई बारिश के कारण पानी की गुणवत्ता पर विपरीत असर पड़ा है। सीन नदी का जल प्रदूषित होने के कारण पिछले सौ साल से यहां तैराकी पर प्रतिबंध है।

शेटराउ : 10 मीटर एयर राइफल में मामूली अंतर से कांस्य पदक चूकने के बाद भारतीय शूटर अर्जुन बबूता।

लक्ष्य ने कैरेगी को हराया, सात्विक-चिराग की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में

पेरिस (भाषा)। ओलंपिक में पदार्पण कर रहे भारत के स्टार खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने धीमी शुरुआत से उबरकर सोमवार को पेरिस ओलंपिक की पुरुष एकल स्पर्धा के ग्रुप एल में बेल्जियम के जूलियन कैरेगी को सीधे गेम में हरा दिया। वहीं अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो की महिला युगल जोड़ी लगातार दूसरी हार के बाद प्रतियोगिता से बाहर होने की कगार पर है। लक्ष्य ने ग्रुप के अपने पहले मैच में रविवार को केविन कोर्डन को हराया था लेकिन गुआटेमाला के खिलाड़ी के कोहनी की चोट के कारण प्रतियोगिता से हटने के बाद उनके सभी नतीजों को 'डिलीट' कर दिया गया।

बैडमिंटन

इस तरह ग्रुप एल में अब सिर्फ तीन खिलाड़ियों के बीच चुनौती की है जबकि पहले चार खिलाड़ी दावेदारी पेश कर रहे थे। भारत के दुनिया के 18वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने दुनिया के 52वें नंबर के खिलाड़ी कैरेगी को 43 मिनट में 21-19, 21-14 से शिकस्त दी। विश्व चैंपियनशिप के पूर्व कांस्य पदक विजेता लक्ष्य अब अपने अंतिम ग्रुप मैच में 31 जुलाई को इंडोनेशिया के दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी जोनाथन क्रिस्टी से भिड़ेंगे।

वहीं पदक की दावेदार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने एक मैच शेष रहते पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया जब एक जोड़ी प्रतियोगिता से हट गई जबकि दूसरी को हार का सामना करना पड़ा। विश्व की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी को सोमवार को मार्क लैम्सफस और मार्विन सीडेल की जर्मनी की जोड़ी से भिड़ना था जो उनका दूसरा ग्रुप सी मैच था। लेकिन लैम्सफस के चोटिल होने के कारण मैच रद्द कर दिया गया।

महिला युगल में अश्विनी और तनीषा को ग्रुप सी में जापान की नामी मत्सुयामा और चिहारू शिडा की दुनिया की दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी ने 48 मिनट चले मुकाबले में 21-11, 21-12 से हराया। इससे पहले कल भारत की यह जोड़ी किम सो यियोंग और कोंग ही योंग की दक्षिण कोरियाई जोड़ी से 18-21, 10-21 से हार गई थी।

पेरिस : जूलियन कैरेगी के खिलाफ स्मैश मारते भारत के लक्ष्य सेन।

पदक तालिका

देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
चीन	5	2	2	9
आस्ट्रेलिया	4	3	0	7
जापान	4	2	2	8
द. कोरिया	4	2	1	7
अमेरिका	3	6	3	12
फ्रांस	3	5	2	10
ग्रेट ब्रिटेन	2	3	3	8
जर्मनी	2	0	0	2
इटली	1	2	3	6
कजाकिस्तान	1	0	2	3
भारत (23वां)	**0**	**0**	**1**	**1**

आखिरी मिनटों में गोल कर भारत ने अर्जेंटीना को ड्रा पर रोका

अंतिम क्षणों में अर्जेंटीना के खिलाफ बराबरी का गोल दागने पर हरमनप्रीत के साथ जश्न मनाते खिलाड़ी।

पेरिस (भाषा)। आखिरी सीटी बजने से एक मिनट पहले पेनल्टी कॉर्नर पर कप्तान हरमनप्रीत सिंह के गोल के दम पर भारत ने पेरिस ओलंपिक पुरुष हॉकी स्पर्धा में पूल बी के मैच में रियो ओलंपिक चैंपियन अर्जेंटीना को 1-1 से ड्रा पर रोका। भारत को इस मैच में मिले दसवें पेनल्टी कॉर्नर पर यह पहला गोल आया जो सारी कहानी खुद कहता है। पिछले मैच में भी 59वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर हरमनप्रीत के गोल की बदौलत ही भारत ने न्यूजीलैंड को 3-2 से हराया था।

पुरुष हॉकी

टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम पूरे मैच में रंगत में नहीं दिखी। पेनल्टी कॉर्नर बेहद कमजोर रहा और मनप्रीत सिंह तथा हार्दिक सिंह जैसे अनुभवी मिडफील्डर मैच में कहीं दिखे ही नहीं। इसके अलावा अहम मौकों पर फॉरवर्ड पंक्ति ने कई गलतियां की और मौके गंवाए। अर्जेंटीना ने 22वें मिनट में लुकास मार्टिनेज के गोल के दम पर बढ़त बना ली और उसके बाद भारतीय टीम बराबरी के गोल के लिए तरसती रही।

भारतीयों ने सर्कल के भीतर कई बार हमले बोले लेकिन अर्जेंटीना के गोलकीपर सैंतियागो तोमास ने जबर्दस्त मुस्तैदी से भारत का हर वार नाकाम कर दिया। ऐसा लग रहा था कि अर्जेंटीना टोक्यो ओलंपिक के पूल चरण में भारत से 1-3 से मिली हार का बदला चुकता कर लेगा लेकिन भारत का किस्मत ने साथ दिया और 59वें मिनट में अहम पेनल्टी कॉर्नर मिला। भारतीय टीम पेनल्टी स्ट्रोक की मांग कर रही थी लेकिन रेफरल के बाद कार्नर दिया गया।

हरमनप्रीत ने इस पर गोल करके स्टेडियम में मौजूद भारतीय दर्शकों को निराश लौटने से बचा लिया। अब भारत को मंगलवार को आयरलैंड से खेलना है जिसके बाद बेल्जियम और आस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज टीमों से सामना होगा। ऐसे में कोच क्रेग फुल्टोन को कमजोर कड़ियों को कसना होगा। कप्तान हरमनप्रीत ने कहा, 'हमने कई मौके बनाए लेकिन फिनिशिंग तक नहीं ले जा सके। हमें इसमें सुधार करना होगा। अर्जेंटीना के डिफेंस से हमें सीखना चाहिए।'

मैंने अपना आखिरी मैच खेल लिया : बोपन्ना

पेरिस (भाषा)। अनुभवी भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने ओलंपिक के पुरुष युगल के पहले दौर में हार का सामना करने के बाद कहा कि उन्होंने भारत के अपना आखिरी मैच खेल लिया है। बोपन्ना देश के लिए अपने कॅरियर का अंत और बेहतर तरीके से करना चाहते थे लेकिन उन्हें इस बात पर गर्व है कि उन्होंने 22 साल के अपने कॅरियर में कई शानदार सफलता हासिल की। बोपन्ना और एन. श्रीराम बालाजी की पुरुष युगल जोड़ी यहां दुधिया रोशनी में रविवार रात को खेले गए मैच में एडवर्ड रोजर वासेलिन और गेल मोनफिल्स की फ्रांसीसी जोड़ी से 5-7, 2-6 से हार गयी।

इस जोड़ी की हार के साथ ही टेनिस में 1996 के बाद भारत के लिए ओलंपिक पदक का सूखा बरकरार रहा। दिग्गज लिएंडर पेस ने अटलांटा ओलंपिक के पुरुष एकल में कांस्य पदक जीता था। बोपन्ना 2016 में इस सूखे को खत्म करने के करीब आए थे लेकिन मिश्रित स्पर्धा में उनकी और सानिया मिर्जा की जोड़ी चौथे स्थान पर रही थी। बोपन्ना ने खुद को 2026 एशियाई खेलों से बाहर करते हुए कहा, 'यह निश्चित रूप से देश के लिए मेरा आखिरी टूर्नामेंट था। मैं पूरी तरह से समझता हूं कि मैं किस स्थिति में हूं। मैं अब जब खेल सकूंगा तब टेनिस का लुत्फ उठाउंगा।'

वह पहले ही डेविस कप से संन्यास की घोषणा कर चुके हैं। उन्होंने चेहरे पर मुस्कान के साथ कहा, 'मैं जहां हूं वह मेरे लिए पहले ही किसी बड़े बोनस की तरह है। मैं कभी सोचा भी नहीं था कि मैं दो दशकों तक भारत का प्रतिनिधित्व करूंगा। मैंने 2002 में कॅरियर की शुरुआत की थी और 22 साल बाद भी भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिल रहा है। मुझे इस पर बेहद गर्व है।'

श्रीलंका का सूपड़ा साफ करने उतरेगा भारत

पालेकल (भाषा)। नए कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व में भारतीय टीम किसी भी तरह से ढिलाई नहीं बरतेगी और मंगलवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में श्रीलंका की कमजोरियों का फायदा उठाकर तीन मैच की सीरीज में क्लीन स्वीप करने के लिए मैदान पर उतरेगी। भारत पहले दोनों मैच जीतकर सीरीज अपने नाम कर चुका है लेकिन उसका लक्ष्य अपना विजय अभियान जारी रखना होगा।

तीसरा टी-20 आज

■ **मैच भारतीय समय के अनुसार शाम 7:00 बजे से**

श्रीलंका के लिए सबसे बड़ी चिता उसके मध्यक्रम के बल्लेबाजों का प्रदर्शन है। दूसरी तरफ भारत ने अभी तक विश्व चैंपियन की तरह ही प्रदर्शन किया है। भारत ने अभी तक खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है। भारतीय खिलाड़ियों की रणनीति और कौशल में आत्मविश्वास साफ झलक रहा है तथा वह किसी भी समय दबाव में नहीं दिखे। कुछ अवसर ऐसे भी आए जबकि श्रीलंका की टीम मुकाबले में ही नहीं देखी।

भारतीय गेंदबाजों ने अभी तक उसके बल्लेबाजों को खुलकर नहीं खेलने गया है। सूर्यकुमार ने गेंदबाजी में प्रभावशाली परिवर्तन करके श्रीलंका की परेशानियां बढाई हैं। भारतीय कप्तान ने अभी तक 58 और 26 रन की पारियां खेल कर आगे बढ़कर नेतृत्व किया है। उनके कुशल नेतृत्व में भारतीय टीम ने शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाया है। यही वजह है कि भारत पहले मैच में 200 से अधिक रन बनाने में सफल रहा था। भारत ने दूसरे मैच में बल्लेबाजी क्रम में थोड़ा बदलाव किया था। उसने चोटिल उप कप्तान और सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल की जगह संजू सैमसन को टीम में रखा था।

यह देखना होगा कि गिल तीसरे मैच के लिए फिट हो पाते हैं या नहीं क्योंकि बारिश के कारण सैमसन को जब एक घंटे के इंतजार के बाद मौका मिला तो वह खाता खोले बिना आउट हो गए थे। श्रीलंका की तरफ से बल्लेबाजी में पथुम निसांका (111 रन) और कुसल परेरा (73) ने ही उपयोगी योगदान दे पाए हैं लेकिन उसकी सबसे बड़ी समस्या बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाना है।

डीडीसीए टी-20 लीग में चेतन बिष्ट का शतक

नई दिल्ली (एसएनबी)। मैन ऑफ द मैच चेतन बिष्ट (143 रन) के शानदार शतक, वैभव सूद (56) के अर्धशतक और प्रवीन दलाल (5/29) की घातक गेंदबाजी की मदद से बैंक ऑफ बड़ौदा (265/7) ने डीडीसीए टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में माउंट क्रिकेट क्लब (171/10) पर 94 रन से शानदार जीत दर्ज की। पराजित टीम की ओर से युगल सैनी ने 65 रन व मानस जोशी (34, 3/56) का शानदार ऑलराउंड खेल रहा।

सुभानिय क्लब की जीत

सोनू चिकारा (53 रन), जसमीत नैन (31 रन), कपिल (31 रन) और कारण डागर (3/2), संदर्भ सूद (3/17) के शानदार खेल की बदौलत सुभानियां क्लब (163/5) ने दिल्ली वंडर (12 ओवर में 56/10) पर 107 रन से शानदार जीत दर्ज की। पराजित टीम की ओर से अंकित पोरवाल (2/23) का खेल शानदार रहा।

सिद्धार्थ का ऑलराउंड खेल

मैन ऑफ द मैच सिद्धार्थ यादव (95 रन और 4/4) के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन, स्वास्तिक चिकारा (43 रन) और यशजीत (3/22) की गेंदबाजी से फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (232/6) ने फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब (19 ओवर में 149/10) को 83 रन से हरा दिया। पराजित टीम की ओर से शुभम कांत चंद्रा ने 53 रन व ईशान ने 43 रन बनाए। तन्मय गोयल ने दो विकेट लिए।

सुमित का हरफनमौला प्रदर्शन

मैन ऑफ द मैच सुमीत बेनीवाल (38 रन, 2/40), आयुष (47 रन) अक्षय सिंघल (2/32) के शानदार खेल की बदौलत दिल्ली कोल्ट्स क्लब (182/8) पीएमजी (173/6) को नौ रन हरा दिया। पराजित टीम की ओर से अक्षय सोलंकी ने 72 रन, कुश ने 44 रन की पारी खेली। शिवांक वशिष्ट ने दो विकेट लिए।

सुमित, शिवां की अच्छी गेंदबाजी

मैन ऑफ द मैच सुमित माथुर (3/),शिवांश पंडत (2/4) व आकाश मिश्रा (2/8) की शानदार गेंदबाजी और ध्रुव कौशिक (24 रन ना.) के खेल की मदद से रोहतक रोड जिमखाना (7 ओवर में 52/2) ने यंग क्रिकेटर्स (14 ओवर में 51/10) पर आठ विकट जीत दर्ज की।

यह मेरे लिए एक सुखद आश्चर्य था जब विशेषज्ञ नेपाली पर्वतारोही मिंगमा डेविड शेरपा ने माउंट एवरेस्ट पर अपनी हालिया चढ़ाई पर मेरी पुस्तक 'दोगलापन' को ले जाने और पढ़ने का फैसला किया। वह व्यक्ति पर्वतारोहण का दिग्गज है
अशनीर ग्रोवर@Ashneer_Grover

सेबी चेयरपर्सन माधबी पुरी-बुच से यह सवाल पूछने का मौका मिलने पर खुशी हुई कि पिछले कुछ वर्षों में भारतीय घरेलू बचत की गतिशीलता कैसे बदल गई है, भविष्य में बदलाव की उम्मीद है और क्या बुलबुले की तरह उठे बिना बाजार के लिए दोहरे अंक के रिटर्न का लक्ष्य रखा जा सकता है
फिरोज अजीज@feroze_azeez

समीक्षा सार

प्राइम डे पर रिकार्ड बिक्री

बेंगलुरु। अमेजन इंडिया ने घोषणा की है कि प्राइम डे 2024 अब तक का सबसे बड़ा प्राइम डे शॉपिंग इवेंट था, जिसमें रिकार्ड बिक्री हुई और पिछले किसी भी प्राइम डे इवेंट की तुलना में इस बार के दो दिवसीय इवेंट के दौरान अधिक आइटम बेचे गए। अमेजन प्राइम के डिलीवरी और रिटर्न एक्सपीरियंस, भारत और उभरते बाजारों के प्रमुख अक्षय साही ने कहा, 'हम भारत में अब तक का सबसे बड़ा प्राइम डे प्रदान करने में मदद करने के लिए अपने विक्रेताओं, ब्रांडों और बैंक भागीदारों का आभार मानना चाहते हैं।

लोहिया के 5 नए ई-तिपहिया

नई दिल्ली। लोहिया ने अपने इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के पोर्टफोलियो के तहत पांच नए 3 व्हीलर लांच किए हैं। नए माडल विभिन्न क्षेत्रों में पैसेंजर और कार्गो, दोनों तरह की जरूरतों को पूरा करेंगे। नए लाइनअप में हमसफर एल5 पैसेंजर, एल5 कार्गो, नारायण आईसीई एल3, नारायण डीएक्स, और नारायण सी+, नारायण बेस एसएस, आईसीएच, कम्फर्ट एफ2एफ+, यूटिलिटी व्हीकल शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक में कीलेस एंट्री, एलईडी लाइट और एक नए बटरफ्लाई डिजाइन जैसे एडवांस्ड फीचर्स भी हैं। यह जानकारी कंपनी के सीईओ आयुष लोहिया ने दी।

ज्वेलरी फेस्टिवल पहली से

नई दिल्ली। डायमंड सॉलिटेयर ज्वेलरी के प्रमुख ब्रांड, डिवाइन सॉलिटेयर्स एक से 31 अगस्त तक सॉलिटेयर्स फेस्टिवल का आयोजन करेगा। कंपनी ने इस बार अभिनेत्री वाणी कपूर को ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। इस मौके पर डिवाइन सॉलिटेयर के संस्थापक जिग्नेश मेहता ने कहा कि फेस्टिवल में डायमंड सॉलिटेयर ज्वैलरी की हर खरीद पर सुनिश्चित उपहार मिलेंगे। हर खरीद पर 11, 17 और 24 अगस्त को होने वाले साप्ताहिक लकी ड्रॉ का कूपन मिलेगा, जिसमें आईफोन से लेकर ऑल्टो कार तक के कई पुरस्कार मिलेंगे ड्रा 4 सितम्बर को होगा।

जेनसोल को मिला ठेका

नई दिल्ली। जेनसोल इंजीनियरिंग को गुजरात के खावड़ा आरई पावर पार्क में सौर संयंत्र स्थापित करने के लिए 463 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। इस ठेके के तहत जेनसोल सौर संयंत्र की इंजीनियरिंग, डिजाइन, खरीद, स्थापना, परीक्षण तथा उसे चालू करने का काम करेगी। जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड की सोलर ईपीसी (इंडिया) की मुख्य कार्यपालक अधिकारी शिल्पा उरहेकर ने कहा, 'यह ठेका जेनसोल की परियोजना प्रबंधन क्षमताओं और निष्पादन विशेषज्ञता के नेतृत्व में विश्वास दर्शाता है।

ग्रुनर ने 6 करोड़ डालर जुटाए

नई दिल्ली। ग्रुनर रिन्यूएबल एनर्जी ने छह करोड़ अमेरिकी डालर का वित्त पोषण हासिल किया है। इसका इस्तेमाल कंपनी हरित ऊर्जा क्षेत्र में उपस्थिति बढ़ाने के लिए करेगी। कंपनी बयान के अनुसार, ग्रुनर रिन्यूएबल एनर्जी की देश भर में नए संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र स्थापित करने की योजना है। उसने भारत में सीबीजी परियोजनाओं के विस्तार के लिए छह करोड़ अमेरिकी डालर जुटाए हैं। यह जानकारी ग्रुनर रिन्यूएबल एनर्जी के संस्थापक एवं सीईओ उत्कर्ष गुप्ता ने दी।

ब्लूपाइन को मिली वित्तीय मदद

नई दिल्ली। ब्लूपाइन एनर्जी को टाटा कैपिटल से 239 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता मिली है। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि इस राशि का इस्तेमाल छत्तीसगढ़ में सौर ऊर्जा परियोजना के लिए किया जाएगा। 75 मेगावाट की इस परियोजना से प्रतिवर्ष करीब 11. 7 करोड़ यूनिट (एमयू) ऊर्जा उत्पन्न होने तथा 107,000 टन से अधिक सीओ2 उत्सर्जन की भरपाई होने की उम्मीद है। ब्लूपाइन एनर्जी एक अग्रणी अक्षय ऊर्जा सेवा कंपनी है। इसकी जिसकी स्थापना एक्टिस द्वारा भारत में की गई है।

इंडियन बैंक को रिकार्ड लाभ

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक का चालू वित्त वर्ष की जून में समाप्त पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 41 प्रतिशत बढ़कर 2,403 करोड़ रुपये हो गया है। चेन्नई स्थित इस बैंक ने एक साल पहले इसी अवधि में 1,709 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। खराब कर्ज में कमी से बैंक के नतीजे बेहतर रहे हैं। इंडियन बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि समीक्षाधीन तिमाही के दौरान बैंक की कुल आय बढ़कर 16,945 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 14,759 करोड़ रुपये थी।(एजेंसियां)

पहली बार बिजली निर्यातक बना नेपाल

■ भारत से बिजली आयात पर खर्च होने वाली रकम से ज्यादा मूल्य की बिजली निर्यात की

काठमांडो (भाषा)।

नेपाल पहली बार शुद्ध बिजली निर्यातक बन गया है। अधिकारियों ने सोमवार को यहां बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 में बिजली निर्यात से होने वाली आय भारत से बिजली आयात पर होने वाले खर्च से अधिक रही है।

भारत ने 2021 में नेपाल को अपने बाजार में बिजली बेचने की अनुमति दी थी। इस समय नेपाल भारतीय बाजार में 690 मेगावाट बिजली का निर्यात कर रहा है। नेपाल जून से नवम्बर तक चलने वाले व्यस्त उत्पादन सत्र में अपनी अधिशेष बिजली भारत को निर्यात करता है। दूसरी ओर वह शुष्क मौसम के दौरान भारत से बिजली आयात करता है। नेपाल बिजली प्राधिकरण (एनईए) के प्रवक्ता चंदन घोष ने कहा, 'एनईए ने 2023-24 में भारत को 16.93 अरब रुपये की बिजली निर्यात की, जबकि हमने समान अवधि में उस देश से 16.81 अरब रुपये की बिजली आयात की।' इस तरह, एनईए को इस लेनदेन से 12 करोड़ रुपये का लाभ हुआ।

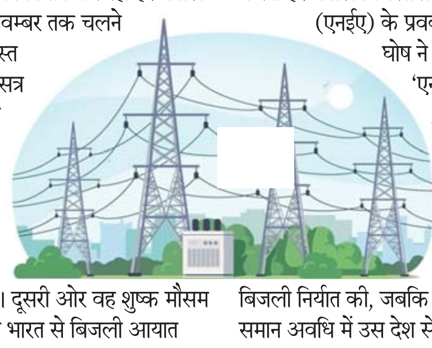

उन्होंने कहा, 'हमें आने वाले दिनों में भारत को अधिक बिजली निर्यात करके अधिक लाभ कमाने की उम्मीद है।' उन्होंने कहा कि नेपाल अपनी घरेलू मांगों को पूरा करने के बाद ही बिजली निर्यात करेगा। घोष ने कहा कि निजी क्षेत्र का उत्पादन बढ़ने से बिजली निर्यात में काफी वृद्धि हुई है।

एनबीसीसी को मेडिकल कालेज बनाने का ठेका

नई दिल्ली (भाषा)।

सार्वजनिक क्षेत्र की एनबीसीसी की शाखा को महाराष्ट्र में एक नए मेडिकल कालेज और 430 बिस्तरों वाले अस्पताल के निर्माण के लिए 411.45 करोड़ रुपये का ठेका मिला है।

एनबीसीसी ने बताया कि एचएससीसी (इंडिया) लिमिटेड को हाल ही में बुलढाणा में 100 छात्र क्षमता वाले नए सरकारी मेडिकल कॉलेज और 430 बिस्तरों वाले अस्पताल के निर्माण' का ठेका दिया गया है। यह ठेका उसे महाराष्ट्र सरकार के चिकित्सा शिक्षा और आयुष विभाग ने दिया है। एनबीसीसी परियोजना प्रबंधन परामर्श और रियल एस्टेट कारोबार में है।

वित्तीय क्षेत्र में डिजिटलीकरण का असर

कम लागत पर वित्तीय उत्पादों तक पहुंच हुई आसान

मुंबई (भाषा)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने सोमवार को कहा कि वित्तीय क्षेत्र में डिजिटलीकरण से अगली पीढ़ी की बैंकिंग का रास्ता खुल रहा है। उन्होंने कहा कि इससे सस्ती लागत पर वित्तीय सेवाओं तक पहुंच बेहतर हो रही है। गवर्नर ने 2023-24 के लिए मुद्रा और वित्त (आरबीएफ) पर रिपोर्ट की प्रस्तावना में यह भी कहा कि प्रमुख एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) ने अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए खुदरा भुगतान अनुभव में क्रांति ला दी है। इससे लेन-देन तेज और अधिक सुविधाजनक हो गया है।

■ डिजिटलीकरण से खुल रहा अगली पीढ़ी की बैंकिंग का रास्ता : शक्तिकांत
■ खुदरा भुगतान के क्षेत्र में यूपीआई से क्रांति आई
■ डिजिटल मुद्रा के क्षेत्र में सीबीडीसी के पायलट परीक्षण में ई रुपी आगे
■ ओपेन क्रेडिट इनेबलमेंट नेटवर्क, डिजि कामर्स के ओपेन नेटवर्क जैसी पहलों से मजबूत हो रहा है डिजिटलीकरण

डिजिटल मुद्रा क्षेत्र में रिजर्व बैंक ई-रुपी, केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) के पायलट परीक्षण के साथ सबसे आगे है। डिजिटल ऋण पारिस्थितिकी तंत्र ओपन क्रेडिट इनेबलमेंट नेटवर्क, डिजिटल कॉमर्स के लिए ओपन नेटवर्क और सुविधाजनक कर्ज के लिए सार्वजनिक प्रौद्योगिकी मंच जैसी पहलों के साथ मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनियां ऋण सेवा प्रदाताओं के रूप में बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के साथ सहयोग कर रही हैं। वे डिजिटल ऋण की सुविधा के लिए मंच भी संचालित कर रहे हैं।

दास ने कहा, 'वित्तीय क्षेत्र में डिजिटलीकरण से अगली पीढी की बैंकिंग का रास्ता खुल रहा है, सस्ती लागत पर वित्तीय सेवाओं तक पहुंच में सुधार हो रहा है, और लाभार्थियों को लागत-कुशल तरीके से प्रत्यक्ष लाभ अंतरण बढ रहा है।' उन्होंने कहा कि ये सभी नवाचार वित्तीय बाजारों को अधिक कुशल और एकीकृत बना रहे हैं।

सूचीबद्ध इकाई बनी रहेगी इंडिया सीमेंट

नई दिल्ली (भाषा)।

इंडिया सीमेंट लिमिटेड (आईसीएल) एक सूचीबद्ध इकाई बनी रहेगी। कंपनी का अधिग्रहण करने वाली अल्ट्राटेक की सीमेंट कंपनी को शेयर बाजार से हटाने की कोई योजना नहीं है। आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी अल्ट्राटेक ने शेयर बाजार को दी सूचना में यह जानकारी दी।

इंडिया सीमेंट के प्रवर्तक एन. श्रीनिवासन और उनके परिवार के नियंत्रण वाली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) क्रिकेट टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का स्वामित्व उनके पास बना रहेगा। अल्ट्राटेक के लिए खुली पेशकश का प्रबंधन कर रही एक्सिस कैपिटल ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि प्रमुख सीमेंट कंपनी आईसीएल के 8.05 करोड़ शेयरों का अधिग्रहण करेगी। यह चेन्नई की इंडिया सीमेंट्स में 26 प्रतिशत प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है।

इसमें कहा गया है, 'अल्ट्राटेक का इस खुली पेशकश के तहत आईसीएल की सूचीबद्धता समाप्त करने की कोई योजना नहीं है।' खुली पेशकश 390 रुपये प्रति शेयर के भाव पर की गयी है। इस हिसाब से यह पेशकश 3,142.35 करोड़ रुपये की बैठती है। यह सौदा भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) से मंजूरी पर निर्भर है। पेशकश कीमत शेयर भाव से 3.53 प्रतिशत अधिक है। आईसीएल का शेयर बीएसई में 376.70 रुपये पर कारोबार कर रहा है, जो पिछले बंद भाव से 0.56 प्रतिशत अधिक है। आदित्य बिड़ला समूह की प्रमुख कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट ने रविवार को इंडिया सीमेंट्स के प्रवर्तकों और उनके सहयोगियों से 3,954 करोड़ रुपये में 32.72 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने की घोषणा की।

कॉनकॉर के निजीकरण का प्रस्ताव ठंडे बस्ते में

■ कैबिनेट ने कंपनी में 30.8 फीसद हिस्सेदारी बेचने को दी थी मंजूरी

नई दिल्ली (भाषा)।

सरकार ने कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (कॉनकॉर) के निजीकरण को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कॉनकॉर में प्रबंधन नियंत्रण के साथ ही 30.8 प्रतिशत हिस्सेदारी की रणनीतिक बिक्री को मंजूरी दी थी। कॉनकॉर रेलवे मंत्रालय के तहत एक नवरत्न सार्वजनिक उपक्रम (पीएसयू) है। सरकार के पास वर्तमान में कॉनकॉर की 54.80 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

अधिकारी ने कहा, 'सरकार द्वारा कॉनकॉर की रणनीतिक बिक्री को आगे बढ़ाने की संभावना नहीं है। रेलवे मंत्रालय और निवेशकों की ओर से कुछ चिंताएं है।' अधिकारी ने आगे कहा कि कंपनी में सरकार की हिस्सेदारी 54.80 प्रतिशत होने के कारण, कॉनकॉर में बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाने की बहुत कम गुंजाइश है।

कॉनकॉर की बिक्री के लिए मंत्रिमंडल ने 2019 में मंजूरी दी थी, लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई सार्थक प्रगति नहीं हुई है और रणनीतिक बिक्री के लिए रुचि पत्र (ईओआई) भी आमंत्रित नहीं किए गए है।

■ रेल मंत्रालय की नवरत्न कंपनी है कॉनकॉर
■ सरकार के पास कंपनी में हैं 54.80% शेयर
■ रेल मंत्रालय व निवेशकों की चिंताओं की वजह से टली है बिक्री
■ वर्ष 2019 में मिली मंजूरी के बाद भी अब तक नहीं हुआ विनिवेश

7% से ज्यादा रह सकती है इकोनामी की रफ्तार

■ आर्थिक शोध संस्थान एनसीएईआर ने जताई उम्मीद

नई दिल्ली (भाषा)।

सामान्य मानसून और चुनावी अनिश्चितता दूर होने के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में सात प्रतिशत से अधिक और शायद 7.5 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। आर्थिक शोध संस्थान एनसीएईआर ने यह उम्मीद जताई है।

एनसीएईआर ने मासिक आर्थिक समीक्षा (एमईआर) के जुलाई, 2024 के अंक में कहा कि स्थिर उपभोग मांग और लगातार सुधरती निवेश मांग के कारण वित्त वर्ष 2023-24 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वास्तविक वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत रही है।

नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनामिक रिसर्च (एनसीएईआर) की महानिदेशक पूनम गुप्ता ने कहा, 'अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने वाले संकेतकों में तेजी, सामान्य मानसून, अपेक्षाकृत बेहतर वैश्विक परिदृश्य और भारत तथा बाकी दुनिया में चुनावी अनिश्चितता कम होने के चलते वृद्धि दर सात प्रतिशत से अधिक और शायद 7.5 प्रतिशत के करीब रह सकती है।' गुप्ता ने कहा कि आम बजट 2024-25 राजकोषीय समेकन, विवेक और गुणवत्ता के लिहाज से अपेक्षाओं पर खरा उतरा है।

बजट में 2024-25 के दौरान राजकोषीय घाटे का लक्ष्य जीडीपी के 4.9 प्रतिशत और पूंजीगत व्यय का लक्ष्य जीडीपी के 2.4 प्रतिशत पर रखा गया है।

वेब सीरीज लाएगा RBI

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अपने कामकाज और 90 साल के सफर पर पांच एपिसोड की वेब सीरीज लाने की योजना बना रहा है। आरबीआई के 90 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में वेब सीरीज के निर्माण और वितरण के लिए ई-निविदा के जरिए बोलियां आमंत्रित करने वाले आधिकारिक दस्तावेज के अनुसार, वेब सीरीज करीब तीन घंटे की होगी और इसके एक एपिसोड की अवधि 25-30 मिनट रखने का प्रस्ताव है। इसे टीवी चैनल या ओटीटी मंच पर प्रसारित किया जाएगा। आरबीआई की स्थापना 1935 में की गई थी और इस वर्ष अप्रैल में इसने 90 वर्ष पूरे कर लिए।

विश्वासपे ऐप व विश्वास वर्ल्ड मार्ट ई-कॉमर्स लॉन्च

बेंगलुरू (वि.)। यहां के नए उद्यम विश्वास वर्ल्ड टेक प्राइवेट लिमिटेड ने दो नए प्लेटफॉर्म : विश्वासपे ऐप और विश्वास वर्ल्ड मार्ट ई-कॉमर्स को लॉन्च किया है। बहुप्रतीक्षित लॉन्च इवेंट 27 जुलाई को शेरेटन ग्रैंड में विनय गुरुजी की अध्यक्षता में हुआ। इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठित अभिनेता प्रेम, रंजनी राघवन, कोमल कुमार और कई जानी मानी हस्तियां भी मौजूद रहीं।

विश्वास वर्ल्ड टेक की स्थापना उद्यमी विश्वास एन ने की है। इसका उद्देश्य कंज्यूमर एक्सपीरियंस को आधुनिक बनाने के लिए अनूठे डिजिटल सॉल्युशन प्रदान करना है। कंपनी ने विश्वासपे ऐप विकसित किया है जो एक अत्याधुनिक भुगतान प्लेटफॉर्म है जिसे कई सुविधाएं और छूट प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। विश्वास वर्ल्ड मार्ट, एक ई-कॉमर्स डेस्टिनेशन है जहां उपभोक्ता उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पा सकते है। विश्वास वर्ल्ड टेक प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर विश्वास एन ने लॉन्च के मौके पर कहा, 'हमारा मिशन उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करने वाले इनोवेटिव सॉल्युशन्स के साथ डिजिटल लैंडस्केप में क्रांति लाना है।'

सीगल का आईपीओ एक अगस्त को खुलेगा

नई दिल्ली (भाषा)। ढांचागत क्षेत्र की कंपनी सीगल इंडिया लिमिटेड ने 1,253 करोड़ रुपये मूल्य के अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए सोमवार को 380 रुपये से 401 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया। लुधियाना स्थित कंपनी का आईपीओ एक अगस्त को खुलेगा और पांच अगस्त को बंद होगा। कंपनी के आईपीओ में 684.25 करोड़ रुपये मूल्य के नए शेयरों की पेशकश के अलावा प्रवर्तकों एवं व्यक्तिगत शेयरधारकों की तरफ से 568.41 करोड़ रुपये मूल्य के 1.42 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश लाई जाएगी।

मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर सीगल इंडिया के आईपीओ का आकार 1,252.66 करोड़ रुपये आंका गया है। इसमें प्रवर्तक एवं प्रवर्तक समूह इकाइयों के अलावा व्यक्तिगत शेयरधारक कंवलदीप सिंह लूथरा अपनी हिस्सेदारी बेच रहे हैं। नए निर्गम से मिलने वाली राशि का इस्तेमाल उपकरणों की खरीद और कर्ज भुगतान के अलावा सामान्य कंपनी जरूरतों के लिए किया जाएगा। वर्ष 2002 में स्थापित सीगल इंडिया एक बुनियादी ढांचा निर्माण कंपनी है। उसे एलिवेटेड रोड, फ्लाईओवर, पुल, रेलवे ओवरब्रिज, सुरंग, राजमार्ग, एक्सप्रेसवे और रनवे जैसे विशेष संरचनात्मक कार्य करने का अनुभव है।

देश में डेढ़ करोड़ टन कोयला निर्यात की क्षमता

नई दिल्ली (भाषा)।

भारत के पास नेपाल और बांग्लादेश जैसे अपने पड़ोसी देशों को 1.5 करोड़ टन कोयला निर्यात करने की क्षमता है। एक अध्ययन में यह बात कही गई है।

निर्यात को बढ़ावा देकर, घरेलू उत्पादन में वृद्धि करके और आयात प्रतिस्थापन को सुविधाजनक बनाकर देश का लक्ष्य आत्मनिर्भरता हासिल करना, ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना और कोयला क्षेत्र की वृद्धि का समर्थन देना है। कोयला मंत्रालय ने सोमवार को बयान में कहा, 'भारतीय प्रबंध संस्थान-अहमदाबाद (आईआईएम-अहमदाबाद) द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार, पड़ोसी देशों को 1.5 करोड़ टन निर्यात की संभावना मौजूद है।'

देश में बांग्लादेश को 80 लाख टन, म्यांमा को 30 लाख टन, नेपाल को 20 लाख टन और अन्य देशों को 20 लाख टन कोयला निर्यात करने की क्षमता है।

कोयले के उत्पादन तथा निर्यात में बढ़ोतरी से आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार के अवसर सृजित होंगे और सरकार का राजस्व में बढ़ेगा। सरकार जीवाश्म ईंधन की बढ़ती वैश्विक मांग का लाभ उठाने के लिए कोयला निर्यात को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही है।

इस पहल का उद्देश्य देश को अंतरराष्ट्रीय कोयला बाजार में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करना, राजस्व उत्पन्न करना और इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर उत्पन्न करना है।

अच्छी प्रतिभाओं की तलाश के लिए संघर्ष कर रहीं 34 फीसद कंपनियां

■ मौजूदा कर्मचारी बनाए रखना इनके लिए चुनौती ■ ऊंचा वेतन व तरक्की कर्मचारियों की प्राथमिकता ■ माइकल पेज की रिपोर्ट टैलेंट ट्रेंड्स का आकलन

मुंबई (भाषा)।

देश में करीब 34 प्रतिशत कंपनियां अच्छी प्रतिभा खोजने के लिए संघर्ष कर रही हैं और तीन में से एक मौजूदा कर्मचारियों को बनाए रखने में संघर्ष कर रहा है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई।

माइकल पेज की ' टैलेंट ट्रेंड्स 2024 - इंडिया एक्सपेक्टेशन गैप' रिपोर्ट के अनुसार, नियोक्ता और नौकरी चाहने वाले इस बात पर सहमत हैं कि लचीलापन, उच्च वेतन और करियर में प्रगति शीर्ष प्राथमिकताएं हैं। हालांकि कर्मचारी कंपनी की संस्कृति और नैतिकता को संगठनों की अपेक्षा अधिक महत्व देते हैं, जबकि संगठन ब्रांड तथा प्रोत्साहन के महत्व को अधिक बल देते हैं।

कंपनी के भारत, थाईलैंड, फिलीपींस और वियतनाम के वरिष्ठ प्रबंध निदेशक निकोलस डुमौलिन ने कहा कि वैश्विक महामारी के प्रभाव से बाहर आने के बाद कार्यस्थल की गतिशीलता में एक सूक्ष्म लेकिन परिवर्तनकारी बदलाव आया, जिसमें लोग अपने जीवन में अपनी नौकरी के मूल्य के बारे में अधिक सोचने लगे।

माइकल पेज की 'टैलेंट ट्रेंड्स 2024 - इंडिया एक्सपेक्टेशन गैप' रिपोर्ट समूचे भारत में 3,087 उत्तरदाताओं के जवाब पर आधारित है।

रिपोर्ट में बताया गया कि एक ओर कंपनियां वेतन अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए संघर्ष करती हैं, वहीं दूसरी ओर उन्हें उपयुक्त कौशल वाले आवेदकों की कमी का सामना करना पड़ता है, जो संगठन की संस्कृति के अनुरूप भी हों। इस बीच, रिपोर्ट में पाया गया कि पिछले वर्ष की तुलना में 2024 में अधिकतर कर्मचारी नए करियर तथा नौकरी के लिए तैयार हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष 94 प्रतिशत उत्तरदाता विभिन्न भूमिकाएं तलाशने के लिए तैयार हैं। कार्यस्थल पर भेदभाव के संबंध में रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में 47 प्रतिशत कर्मचारी कार्यस्थल पर भेदभाव की शिकायत करते हैं, जो कि एशिया प्रशांत क्षेत्र के औसत 31 प्रतिशत से अधिक है। भेदभाव का सामना करने वाले 45 प्रतिशत भारतीय कर्मचारियों को अब भी ऐसी घटनाओं की औपचारिक रूप से शिकायत करने में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। माइकल पेज इंडिया के प्रबंध निदेशक अंशुल लोढ़ा ने कहा, 'भारत के कार्यस्थलों में भेदभाव एक व्यापक मुद्दा बना हुआ है।

'हमें चाहने वालों का प्यार ही हमें चलायमान रखता है।'
अमिताभ बच्चन@SrBachchan

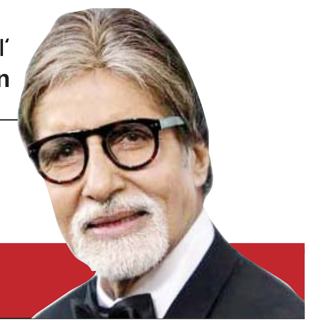

'कौन मानेगा, सबसे कठिन है सरल होना!'
अनुपम खेर@AnupamPKher

नेज़ल स्प्रे अल्जाइमर से जुड़े प्रोटीन को हटा सकता है

■ शेफील्ड (यूके), (द कन्वरसेशन)।

अमेरिका में वैज्ञानिकों ने एक नेज़ल स्प्रे विकसित किया है जो कम से कम चूहों में मस्तिष्क में मौजूद अल्जाइमर रोग से जुड़े प्रोटीन को हटा सकता है। अल्जाइमर में दो प्रोटीन शामिल होते हैं: अमाइलॉइड और तौ। अधिकांश दवाएं - जिनमें हाल ही में अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) द्वारा अनुमोदित दवाएं भी शामिल हैं - अमाइलॉइड को हटाने पर ध्यान केंद्रित करती हैं।

हालाँकि, आज तक, तौ से जुड़ी 'उलझनों' को हटाने पर बहुत कम ध्यान दिया गया है। हालाँकि, टेक्सास विश्वविद्यालय की मेडिकल शाखा के शोधकर्ताओं द्वारा विकसित नया नेज़ल स्प्रे, इस प्रोटीन पर केंद्रित है। एक स्वस्थ मस्तिष्क में, तौ, अन्य चीजों के अलावा, न्यूरॉन्स (मस्तिष्क कोशिकाओं) की सहायक संरचना को बनाए रखने में मदद करता है। अल्जाइमर और अन्य न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग में, ये प्रोटीन कोशिकाओं के अंदर जमा हो जाते हैं, असामान्य रूप से मुड़ जाते है और धागे जैसी संरचना बनाते है जिन्हें न्यूरोफाइब्रिलरी टेंगल्स के रूप में जाना जाता है। मस्तिष्क की सामान्य अपशिष्ट निष्कासन प्रक्रियाओं द्वारा इन उलझनों को कुशलतापूर्वक साफ़ नहीं किया जाता है, जो कोशिका क्षति और मृत्यु का कारण बनता है। इससे स्मृति हानि होती है। इसलिए तौ को लक्षित करना अल्जाइमर, फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया, लेवी बॉडी डिमेंशिया और प्रोग्रेसिव सुपरान्यूक्लियर पाल्सी सहित कई न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारियों के लिए एक प्रभावी उपचार हो सकता है। अल्जाइमर न केवल न्यूरॉन्स के भीतर तौ के संचय से जुड़ा है, बल्कि न्यूरॉन्स के बीच अमाइलॉइड प्लाक के निर्माण से भी जुड़ा है, जिससे उनकी मृत्यु हो जाती है। अब तक, अल्जाइमर रोग के अधिकांश उपचारों में मस्तिष्क से अमाइलॉइड को हटाने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें एफडीए-अनुमोदित दवाएं लेकानेमैब और डोनानेमैब शामिल हैं (ये दवाएं अभी तक यूके में स्वीकृत नहीं हैं)।

क्लिनिकल परीक्षणों में संज्ञानात्मक गिरावट की प्रगति को धीमा करने में लेकानेमैब और डोनानेमैब प्रभावी रहे हैं; हालाँकि, कई सीमाएँ है, जिनमें पहुँच, कीमत और यह तथ्य शामिल है कि वे केवल प्रारंभिक निदान चरण में ही प्रभावी हैं। दुर्भाग्य से, तौ को लक्षित करने वाले उपचार मानव परीक्षणों में कम प्रभावी साबित हुए है। हाल तक, तौ को लक्षित करने वाले उपचारों को न्यूरॉन के उन हिस्सों में प्रवेश करने की सीमित क्षमता के कारण संघर्ष करना पड़ा है जहां तौ का निर्माण हो रहा है। याद रखें, अमाइलॉइड न्यूरॉन्स के बाहर जमा होता है, जबकि तौ उनके अंदर जमा होता है।

चूहों में प्रभावी

यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास मेडिकल ब्रांच के शोधकर्ताओं ने एक अभिनव नाक स्प्रे विकसित किया है जिसने घातक तौ प्रोटीन के निर्माण को कम करने और न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के वृद्ध चूहों के मॉडल में स्मृति में सुधार करने में सकारात्मक परिणाम दिखाए है। एक बार जब तौ को लक्षित करने के लिए सबसे प्रभावी एंटीबॉडी (टीटीसीएम 2 कहा जाता है) की पहचान की गई, तो शोधकर्ताओं ने एंटीबॉडी को वसा (लिपिड) के छोटे बुलबुले में पैक किया। ये रक्त-मस्तिष्क बाधा को पार करने और न्यूरॉन्स में प्रवेश करने के लिए काफी छोटे होते है।

रक्त-मस्तिष्क बाधा

तौ और टैगल्स को निशाना बनाने में रक्त-मस्तिष्क बाधा को तोड़ना सबसे बड़ी चुनौती थी। एक बार मस्तिष्क में, बुलबुले की बाहरी परत घुल गई, एंटीबॉडी जारी हुई और तौ का निर्माण साफ हो गया। चिकित्सीय प्रयोजनों के लिए, इस अत्यधिक प्रभावी एंटीबॉडी को एक तरल समाधान में भंग कर दिया गया था और अल्जाइमर रोग के माउस मॉडल में नाक स्प्रे का उपयोग करके वितरित किया गया था। परिणामों से पता चला कि बूढे अल्जाइमर चूहों में इस नेज़ल स्प्रे की एक खुराक ने उनके मस्तिष्क में तौ संचय को काफी कम कर दिया। मानव तंत्रिका ऊतक के नमूनों पर स्प्रे लगाने पर भी वही परिणाम सामने आए। इस शोध का अभी मनुष्यों पर परीक्षण किया जाना बाकी है।

■ अल्जाइमर और अन्य न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग में, ये प्रोटीन कोशिकाओं के अंदर जमा हो जाते हैं, असामान्य रूप से मुड़ जाते हैं और धागे जैसी संरचना बनाते हैं जिन्हें न्यूरोफाइब्रिलरी टेंगल्स के रूप में जाना जाता है। मस्तिष्क की सामान्य अपशिष्ट निष्कासन प्रक्रियाओं द्वारा इन उलझनों को कुशलतापूर्वक साफ़ नहीं किया जाता है, जो कोशिका क्षति और मृत्यु का कारण बनता है।

गीतकार राजा मेहदी की पुण्यतिथि पर

आप की नजरों ने समझा प्यार के काबिल मुझे

■ मुंबई (वार्ता)।

बॉलीवुड में राजा मेहदी अली खान का नाम एक ऐसे गीतकार के रूप में याद किया जाता है जिन्होंने प्रेम, विरह और देश प्रेम की भावना से ओतप्रोत अपने गीतों से लगभग चार दशक तक श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। राजा मेहदी अली खान ने अपने गीतों मे ..आप.. शब्द का इस्तेमाल बहुत ही खूबसूरती से किया है। इन गीतों मे आप यूंही हमसे मिलते रहे, देखिये एक दिन प्यार हो जाएगा, आपके पहलू में आकर रो दिए, आपकी नजरों ने समझा प्यार के काबिल मुझे, आपको राज छुपाने की बुरी आदत है जैसे कई सुपरहिट गीत शामिल है।

करमाबाद शहर में एक जमींदार परिवार में जन्मे राजा मेंहदी अली खान चालीस के दशक में आकाशवाणी दिल्ली में काम करते थे। आकाशवाणी की नौकरी छोड़ने के बाद वह मुंबई आए और यहां एक मित्र के प्रयास से उन्हें अशोक कुमार की फिल्म ..एट डेज .. में डायलग लिखने का काम मिल गया।

वर्ष 1945 में राजा मेंहदी अली खान की मुलाकात फिल्मिस्तान स्टूडियो के मालिक एस.मुखर्जी से हुई। एस.मुखर्जी ने उनसे फिल्म ..दो भाई .. के लिए गीत लिखने की पेशकश की। फिल्म दो भाई में अपने रचित गीत ..मेरा सुंदर सपना बीत गया.. की कामयाबी के बाद बतौर गीतकार राजा मेहदी अली खान फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने मे सफल हो गए।

देश के वीरों को श्रद्धाजंलि देने के लिये उन्होंने फिल्म ..शहीद.. के लिए ..वतन की राह में वतन के नौजवान शहीद हो .. की रचना की। देशभक्ति के जज्बे से परिपूर्ण फिल्म ..शहीद .. का यह गीत आज भी श्रोताओं की आंखो को नम कर देता है। फिल्म इंडस्ट्री में उंचे मुकाम मे पहुंचने के बावजूद राजा मेहदी अली खान को किसी बात का घमंड नही था। उन्होंने कभी इस बात की परवाह नही की कि वह नए संगीतकार के साथ काम कर रहे है या फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज संगीतकार के साथ। उन्होंने वर्ष 1950 में प्रदर्शित फिल्म .मदहोश. के जरिए अपने संगीत कैरियर की शुरूआत करने वाले मदन मोहन के साथ भी काम करना स्वीकार कर लिया।

जाह्नवी कपूर की 'उलझ' का म्यूजिक एल्बम जारी

मुंबई (वार्ता)। अभिनेत्री जाह्नवी कपूर की आने वाली फिल्म उलझ का एल्बम रिलीज कर दिया है। फिल्म 'उलझ' के म्यूजिक एल्बम में छह गाने हैं जिन्हें बेहद प्रतिभाशाली शाश्वत सचदेव ने निर्मित और संगीतबद्ध किया है। जुबिन नौटियाल, नेहा कक्कड़ और शाश्वत सचदेव ने आवाज दी है। जाह्नवी कपूर ने कहा, मैं 'उलझ' को लेकर बेहद उत्साहित हूं। यह एल्बम प्यार का एक श्रम है, और मैं अपने प्रशंसकों को हमारे द्वारा बनाए गए जादू का अनुभव करने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। प्रत्येक गीत एक कहानी कहता है, और प्रत्येक गीत विशेष है! जंगली पिक्चर्स द्वारा प्रस्तुत, उलझ में जान्हवी कपूर, गुलशन देवैया, रोशन मैथ्यू, मेयांग चांग, राजेश तैलंग, आदिल हुसैन और जितेंद्र जोशी की अहम भूमिका है। फिल्म उलझ 02 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बस कंडक्टर से कॉमेडी किंग बने थे जॉनी वाकर

■ मुंबई (वार्ता)।

बॉलीवुड में अपने जबरदस्त कॉमिक अभिनय से दर्शकों के दिलो में गुदगुदी पैदा करने वाले हंसी के बादशाह जॉनी वाकर को बतौर अभिनेता अपने सपनों को साकार करने के लिए बस कंडक्टर की नौकरी भी करनी पड़ी थी। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर मे एक मध्यम वर्गीय मुस्लिम परिवार में जन्मे बदरूदीन जमालुदीन काजी उर्फ जॉनी वाकर बचपन के दिनों से ही अभिनेता बनने का ख्वाब देखा करते थे। वर्ष 1942 में उनका पूरा परिवार मुंबई आ गया। मुंबई मे उनके पिता के एक जानने वाले पुलिस इंस्पेक्टर थे जिनकी सिफारिश पर जॉनी वाकर को बस कंडक्टर की नौकरी मिल गई। इस नौकरी को पाकर जॉनी वाकर काफी खुश हो गए क्योंकि उन्हें मुफ्त मे ही पूरी मुंबई घूमने को मौका मिल जाया करता था इसके साथ ही उन्हें मुंबई के स्टूडियोज में भी जाने का मौका मिल जाया करता था।

जॉनी वाकर का बस कंडक्टरी करने का अंदाज काफी निराला था। वह अपने विशेष अंदाज मे आवाज लगाते 'माहिम वाले पेसेन्जर उतरने को रेडी हो जाओ लेडिज लोग पहले।' इसी दौरान जॉनी वाकर की मुलाकात फिल्म जगत के मशहूर

खलनायक एन.ए.अंसारी और के आसिफ के सचिव रफीक से हुई। लगभग सात आठ महीने के संघर्ष के बाद जॉनी वाकर को फिल्म 'अखिरी पैमाने' में एक छोटा सा रोल मिला। इस फिल्म मे उन्हें पारिश्रमिक के तौर पर 80 रुपए मिले जबकि बतौर बस कंडक्टर उन्हें पूरे महीने के मात्र 26 रुपए ही मिला करते थे। एक दिन उस बस में अभिनेता बलराज साहनी भी सफर कर रहे थे वह जॉनी वाकर के हास्य व्यंग्य के अंदाज से काफी प्रभावित हुए और उन्होंने जॉनी वाकर को गुरूदत्त से मिलने की सलाह दी। गुरूदत्त उन दिनों बाजी नामक एक फिल्म बना रहे थे। गुरूदत्त ने जॉनी वाकर की प्रतिभा से खुश होकर अपनी फिल्म बाजी में काम करने का अवसर दिया। वर्ष 1951 में प्रदर्शित फिल्म 'बाजी' के बाद जॉनी वाकर बतौर हास्य कलाकार अपनी पहचान बनाने में सफल हो गए।

फिल्म बाजी के बाद वह गुरूदत्त के पसंदीदा अभिनेता बन गए। उसके बाद जॉनी वाकर ने गुरूदत्त की कई फिल्मों में काम किया जिनमें आरपार, मिस्टर एंड मिसेज 55, प्यासा, चौदहवीं का चांद, कागज के फूल जैसी सुपर हिट फिल्में शामिल है। नवकेतन के बैनर तले बनी फिल्म टैक्सी ड्राइवर में जॉनी वाकर के चरित्र का नाम 'मस्ताना' था।

बायोलॉजिकल उम्र कम करना चाहते हैं तो अपनाएं शाकाहार

नई दिल्ली, (आईएएनएस)। एक शोध में पता चला है कि यदि आप आठ सप्ताह तक लगातार शाकाहार खाते हैं तो इससे बायोलॉजिकल उम्र कम करने में मदद मिल सकती है।

बायोलॉजिकल उम्र जानने से मधुमेह या मनोभ्रंश के जोखिम को समझने में मदद मिल सकती है। बीएमसी मेडिसिन नामक पत्रिका में प्रकाशित शोध से पता चला है कि देखी गई बायोलॉजिकल उम्र में आई कमी डीएनए मिथाइलेशन के स्तर पर आधारित है।

यह डीएनए का एक प्रकार का रासायनिक संशोधन (केमिकल मॉडिफिकेशन) है, जो जीन अभिव्यक्ति को बदल देता है, हालांकि डीएनए में कोई बदलाव नहीं होता। इस शोध में 21 वयस्क समान जुड़वां बच्चों का अध्ययन किया गया, जिनमें कुछ दिनों के लिए शाकाहार अपनाने के प्रभाव की जांच की गई। टीम ने हर जुड़वा लोगों में एक को आठ सप्ताह तक सर्वाहार खाने को कहा, जिसमें प्रतिदिन 170 से 225 ग्राम मांस, एक अंडा और डेढ सर्विंग डेयरी उत्पाद शामिल थे। वहीं, उनके दूसरे जुड़वा इस दौरान सिर्फ शाकाहार खाने को कहा गया। टीम ने पाया कि शाकाहार करने वाले प्रतिभागियों में अनुमानित जैविक आयु (बायोलॉजिकल उम्र) में कमी देखी गई, जिसे एपीजेनेटिक एजिंग क्लॉक के रूप में जाना जाता है।

इसके विपरीत सर्वाहार खाने वालों में यह कमी नहीं देखी गई। शाकाहार लेने वाले लोगों में हृदय, हार्मोन, लिवर तथा सूजन तथा चयापचय तंत्र की आयु में भी कमी देखी गई।

जावेद अख्तर का 'एक्स' खाता 'हैक'

■ नयी दिल्ली (भाषा)।

प्रसिद्ध गीतकार-पटकथा लेखक जावेद अख्तर ने कहा कि सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर उनका खाता 'हैक' हो गया है, जिसके बाद उनके नाम से पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भारतीय दल के बारे में एक संदेश भेजा गया है। विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखने के

लिए इस माइक्रोब्लॉगिंग साइट का अक्सर इस्तेमाल करने वाले अख्तर (79) ने रविवार रात को अपने सोशल मीडिया पेज पर खाता 'हैक' होने की जानकारी दी। अख्तर ने लिखा, 'एक्स पर मेरी आईडी हैक कर ली गई है। मेरे खाते से ओलंपिक खेलों के लिए भारतीय दल के बारे में एक संदेश जारी किया गया है। इससे कोई नुकसान नहीं होगा, लेकिन यह संदेश मैंने नहीं भेजा है।' अख्तर ने यह नहीं बताया कि उन्हें खाता 'हैक' होने के बारे में कब पता चला और न ही उन्होंने कथित पोस्ट में लिखी बातों के बारे में कोई जानकारी दी। दिग्गज गीतकार ने अपने 46 लाख से अधिक फॉलोअर को यह भी बताया कि वह सोशल मीडिया मंच के संबंधित प्राधिकारियों से शिकायत करने जा रहे हैं।

केडी द डेविल से संजय दत्त का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के माचो हीरो संजय दत्त के जन्मदिन पर फिल्म केडी द डेविल से उनका फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है। इस फिल्म में संजय दत्त देव के किरदार में नजर आएंगे। केडी-द डेविल के निर्देशक प्रेम ने कहा, संजय ने कई प्रभावशाली भूमिकाएं निभाई हैं। उनके मुन्नाभाई को आज भी बहुत सराहा जाता है। वहीं संजय दत्त ने कहा, मैं केडी- द डेविल का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूं। यह एक एक्शन और पैन इंडिया फिल्म है। केडी-द डेविल में संजय दत्त के अलावा शिल्पा शेट्टी, नोरा फतेही, रमेश अरविंद, वी रविचंद्रन और ध्रुव सरजा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। 1970 के दशक के बैंगलोर की सच्ची घटनाओं पर आधारित पीरियड एक्शन एंटरटेनर, केडी-द डेविल को केवीएन प्रोडक्शंस द्वारा प्रस्तुत किया गया है और प्रेम द्वारा निर्देशित हैं। यह पैन इंडिया बहुभाषी फिल्म तमिल, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम और हिंदी में रिलीज होने के लिए तैयार है।

65 वर्ष के हुए संजय दत्त

मुंबई, (वार्ता)। बॉलीवुड के जाने माने अभिनेता संजय दत्त सोमवार को 65 वर्ष के हो गए। 29 जुलाई 1959 को मुंबई में जन्मे संजय दत्त को अभिनय की कला विरासत में मिली। उनके पिता सुनील दत्त अभिनेता और मां नरगिस जानी-मानी फिल्म अभिनेत्री थीं। घर में फिल्मी माहौल रहने के कारण संजय दत्त अक्सर अपने माता-पिता के साथ शूटिंग देखने जाया करते थे। इस वजह से उनका भी रूझान फिल्मों की ओर हो गया और वह भी अभिनेता बनने के ख्वाब देखने लगे। संजय दत्त ने बतौर बाल कलाकार अपने सिने करियर की शुरूआत अपने पिता के बैनर तले बनी फिल्म रेशमा और शेरा से की। बतौर अभिनेता उन्होंने अपने करियर की शुरूआत वर्ष 1981 में प्रदर्शित फिल्म रॉकी से की। दमदार निर्देशन पटकथा और गीत-संगीत के कारण फिल्म टिकट खिड़की पर सुपरहिट रही। वर्ष 1982 मे संजय दत्त को निर्माता -निर्देशक सुभाष घई की फिल्म विधाता में काम करने का अवसर मिला।

यूं तो पूरी फिल्म अभिनेता दिलीप कुमार, संजीव कुमार और शम्मी कपूर जैसे नामचीन अभिनेताओं के इर्द गिर्द घूमती थी लेकिन संजय दत्त ने फिल्म में अपनी छोटी सी भूमिका में दर्शकों का दिल जीत लिया। वर्ष 1982 से 1986 तक का वक्त संजय दत्त के सिने कैरियर के लिये बुरा साबित हुआ।

इस दौरान उनकी जानी आइ लव यू, मै आवारा हूं , बेकरार, मेरा फैसला, जमीन आसमान , दो दिलो की दास्तान, मेरा हक और जीवा जैसी कई फिल्में बॉक्स आफिस पर असफल रहीं। हालांकि, वर्ष 1985 में प्रदर्शित फिल्म जान की बाजी टिकट खिड़की पर औसत कारोबार करने में सफल रही। संजय दत्त की किस्मत का सितारा वर्ष 1986 में प्रदर्शित फिल्म नाम से चमका। यूं तो यह फिल्म राजेन्द्र कुमार ने अपने पुत्र कुमार गौरव को फिल्म इंडस्ट्री में दोबारा स्थापित करने के लिए बनाई थी। लेकिन फिल्म में संजय दत्त की भूमिका को दर्शकों द्वारा ज्यादा पसंद किया गया।